डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
रविवार
28.08.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 01
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com
डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-29 अंक-309 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

रश्मि प्रवाह

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना सकती है।

यूपीए विधायक लतरातू डैम पहुंचे, जलाशय में बोटिंग के साथ तनाव कम करने की कोशिश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में बारिश के बावजूद राजनीतिक तापमान में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सीएम हेमंत सोरेन के ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राजभवन को अनुशंसा प्राप्त हो जाने के बाद अटकलों का बाजा गर्म है। वहीं, इस संकट की घड़ी में सीएम हेमंत सोरेन द्वारा लगातार बैठक कर यूपीए विधायकों की एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिश की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को यूपीए के तमाम विधायकों के साथ लतरातू डैम पहुंचे। तीन लग्जरी बसों में बैठ कर एक साथ रांची-खूंटी सीमा पर कर्रा प्रखंड प्रखंड के लतरातू डैम पहुंचे। लतरातू डैम में बोटिंग और शानदार पार्टी के साथ तनाव करने की कोशिश की। वहीं, शाम में सभी विधायक वापस मुख्यमंत्री आवास लौट आये और देर शाम यूपीए विधायकों की बैठक में शामिल हुए।

इसके अलावा झारखंड कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी कांग्रेस विधायक दल की भी अलग से बैठक की। लतरातू डैम के निकट स्थित डुमरगढ़ी गेस्ट हाउस में यूपीए विधायकों के लिए शानदार टेंट की व्यवस्था की गयी थी। यहां अलग-अलग टेंटों में विधायकों को ठहराया गया था, खूबसूरत प्राकृतिक सौंदर्य के बीच लतरातू डैम में विधायकों के लिए बोटिंग की भी व्यवस्था की गयी थी। इस दौरान विधायकों के लिए लजीज व्यंजनों का भी प्रबंध था। यूपीए विधायकों की एकजुटता दिखाने के लिए मुख्यमंत्री सभी विधायकों के साथ लतरातू डैम रिजॉर्ट का सैर कराया गया। इस दौरान आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे और उस क्षेत्र में पत्रकारों के जाने पर भी पाबंदी लगा दी गयी थी।

इससे पहले सीएम आवास से तीन लग्जरी वोल्वो बस में सवार होकर सभी विधायक लतरातू डैम पहुंचे थे। इस पिकनिक के माध्यम से यूपीए विधायकों की एकजुटता दर्शाने की कोशिश की गयी। साथ ही भाजपा को यह मैसेज देने का काम किया गया, यूपीए के सभी विधायक एकजुट हैं और सरकार को कोई खतरा नहीं है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और सभी यूपीए विधायक लतरातु डैम में पिकनिक मनाने के बाद सभी विधायक शाम में वापस लौटे।

न्यायमूर्ति यूयू ललित बने भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति ललित को दिलायी शपथ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने शनिवार को भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वरिष्ठतम न्यायाधीश को राष्ट्रपति भवन में मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलायी। वकालत करते हुए सीधे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बने मुख्य न्यायाधीश ललित का कार्यकाल 74 दिनों का होगा। वह आगामी आठ नवम्बर तक इस पद पर रहेंगे। न्यायमूर्ति ललित शीर्ष अदालत के ऐसे दूसरे मुख्य न्यायाधीश हैं, जिन्हें वकालत करते हुए सीधे यहां न्यायाधीश और फिर मुख्य न्यायाधीश के पद पर पहुंचने का गौरव प्राप्त हुआ। इससे पहले यह सौभाग्य न्यायमूर्ति एस एम सीकरी को मिला था और वह जनवरी 1971 से अप्रैल 1973 तक 13वें मुख्य न्यायाधीश रहे। नौ नवम्बर 1957 को महाराष्ट्र के सोलापुर में जन्मे न्यायमूर्ति ललित के पिता यूआर ललित बांबे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में अतिरिक्त अतिरिक्त न्यायाधीश थे। जून 1983 में एक वकील के रूप में उनका पंजीकरण हुआ और दिसम्बर 1985 तक उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में वकालत की थी। जनवरी 1986 में दिल्ली आकर वकालत जारी रखा। अप्रैल 2004 में उन्हें शीर्ष न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया। उन्होंने कई मामलों में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में भूमिका निभायी। उन्हें उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत सभी 2जी मामलों में सुनवाई के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

ट्रैक पर हाथियों के झुण्ड को देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगायी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में छिपादोहर व हेहेगढ़ा रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक पर हाथियों के झुण्ड को देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका और हाथियों को सुरक्षित पार होने दिया। यह रेलवे लाइन पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद डिवीजन में पड़ती है। डाउन लाइन से गुजर रही 11447 डाऊन शक्तिपुंज एक्सप्रेस के लोको पायलट अनिल कुमार विद्यार्थी और सीनियर असिस्टेंट लोको पायलट रजनीकांत चौबे छिपादोहर और हेहेगडा स्टेशन के बीच पोल संख्या 246/10 के पास हाथियों के झुण्ड को रेलवे ट्रैक पर देखा। उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया और लगभग 10 से 12 हाथियो के झुंड को सुरक्षित बचा लिया। रजनी

कान्त चौबे ने बताया कि आज मुझे बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि मैने समय रहते ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोक दिया और हाथियों को कटने से बचा लिया। रेलवे के लोको पायलट की इस पहल का वन विभाग के अधिकारी और वन्यजीव विशेषज्ञ काफी प्रशंसा कर रहे हैं। वन्य जीव विशेषज्ञ डॉ डीएस श्रीवास्तव ने कहा कि यह लोको पायलट की सतर्कता का परिणाम है कि हाथियों की जान बच गई। इलाका एलीफैंट कॉरिडोर है और इस क्षेत्र में हाथियों का लगातार मूवमेंट रहता है। वहीं पर्यावरण प्रेमी और पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारी लगातार पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से गुजरने वाली इस लाइन को डाइवर्ट करने की मांग कर रहे है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस मार्ग पर थर्ड लाइन बनने के बाद टाइगर रिजर्व दो हिस्सों में बंट जायेगा और जानवरों के लिए इधर से उधर जाना काफी मुश्किल ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कैशकांड में फंसे विधायकों पर अब दल-बदल की तलवार

रांची। कैशकांड में फंसे झारखंड कांग्रेस के तीन विधायकों पर अब दल-बदल की तलवार लटक रही है। पार्टी ने इससे जुड़ी शिकायत झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो के समक्ष दर्ज करायी है। वहीं, पार्टी की शिकायत पर स्पीकर न्यायाधीकरण ने तीनों विधायकों इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप को नोटिस भी जारी कर दिया है जिसके अनुसार उन्हें एक सितम्बर को स्पीकर के सामने अपना पक्ष रखना है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के तीन विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और भूषण बाड़ा ने इससे जुड़ी शिकायत कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को भेजी थी।

साढ़े सात हजार बहनों-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत काटकर रचा नया इतिहास : मोदी

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7,500 बहनों-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर नया इतिहास रच दिया है। श्री मोदी ने शनिवार शाम अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर गुजरात राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के नये कार्यालय भवन और एक फुटओवर ब्रिज अटल ब्रिज का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर खादी उत्सव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साबरमती का ये किनारा आज धन्य हो गया है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर 7,500 बहनों-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर एक नया इतिहास रच दिया है।

उन्होंने कहा कि अटल ब्रिज, साबरमती नदी को, दो किनारों को ही आपस में नहीं जोड़ रहा बल्कि

ये डिजाइन और नवोन्मेष में भी अभूतपूर्व है। इसकी डिजाइन में गुजरात के मशहूर पतंग महोत्सव का भी ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि खादी का एक धागा, आजादी के आंदोलन की ताकत बन गया, उसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया। खादी का वही धागा, विकसित भारत के प्रण को पूरा करने का, आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का प्रेरणा-स्त्रोत बन सकता है।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से मैंने पंच-प्रणों की बात कही थी। साबरमती के तट पर, इस पुण्य जगह पर मैं पंच-प्रणों को फिर दोहराना चाहता हूं। पहला- देश के सामने विराट लक्ष्य, विकसित भारत बनाने का लक्ष्य, दूसरा- गुलामी की मानसिकता का पूरी तरह त्याग, तीसरा- अपनी विरासत पर गर्व, चौथा- राष्ट्र की एकता बढ़ाने का पुरजोर प्रयास और पांचवा- नागरिक कर्तव्य।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन के समय जिस खादी को गांधी जी ने देश का स्वाभिमान बनाया, उसी खादी को आजादी के बाद हीन भावना से भर दिया गया। इस वजह से खादी और खादी से जुड़ा ग्रामोद्योग पूरी तरह तबाह हो गया। खादी की ये स्थिति विशेष रूप से गुजरात के लिए बहुत ही पीड़ादायक थी। उन्होंने कहा कि हमने खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन में खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन का संकल्प जोड़ा। हमने गुजरात की सफलता के अनुभवों का देशभर में विस्तार करना शुरू किया। देशभर में खादी से जुड़ी जो समस्याएं थीं उनको दूर किया। हमने देशवासियों को खादी के प्रोडक्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया।

कारोबारी अमित अग्रवाल, प्रेम प्रकाश और राजीव से ईडी ने की पूछताछ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल, अमित अग्रवाल के मामले में ही शिकायत के बाद कोलकाता पुलिस के द्वारा गिरफ्तार अधिवक्ता राजीव कुमार व अमित अग्रवाल के करीबी रहे प्रेम प्रकाश से पूरे दिन पूछताछ की। वहीं, साहिबगंज में अवैध खनन के मामले में ईडी ने वहां के डीएमओ विभूति कुमार और कारोबारी भगवान भगत से पूछताछ की। भगवान भगत के बारे में बताया जाता है कि वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि रहे पंकज मिश्रा का करीबी है। बरहरवा में माइंस कारोबार में भगवान भगत पंकज मिश्रा का पार्टनर रहा है।

अमित से पूछा कैसे आये राजीव के संपर्क में : ईडी सूत्रों के मुताबिक, अमित अग्रवाल से ईडी के अधिकारियों ने कई घंटे पूछताछ की। अमित अग्रवाल के एजेंसी के पदाधिकारियों ने पूछा कि वह अवैध खनन व शेल कंपनियों के मामले में याचिकाकर्ता के वकील राजीव ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के मामले में हुई बढ़ोत्तरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश में अभी कोरोना संक्रमण का प्रसार आरोही-अवरोही क्रम में जारी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की ओर से सतर्कता संबंधी जानकारियां प्रसारित की जाती हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के फिर से 9,520 नये मामले बढ़कर देशभर संक्रमितों की संख्या 4,43,98,696 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 211.39 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण (कोविड-19) से 12,875 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,37,83,788 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.62 प्रतिशत है। यह सक्रिय मामलों का 0.20 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 2.50 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि कोरोना महामारी से 37 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527597 तक पहुंच गयी है। देश में पिछले 24 घंटे में 3,81,205 कोविड परीक्षण किये गये हैं। देश में कुल 88.47 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किये हैं।

सदस्यता गयी तो प्रदेश अध्यक्ष बनाये जा सकते हैं बाबूलाल

● 30 अगस्त को विधानसभा की सदस्यता हो सकती है खत्म ● भाजपा आलाकमान संगठन में कर सकता है फेरबदल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री व झारखंड विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी की सदस्यता खत्म हुई तो उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा आलाकमान के द्वारा इस संबंध में मंथन की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान व प्रदेश इकाई को अंदेशा है कि दल-बदल के मामले में 30 अगस्त को भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी की सदस्यता विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा खत्म की जा सकती है। 30 को स्पीकर के न्यायाधीकरण में सुनवाई है। माले नेता राजकुमार यादव ने बाबूलाल मरांडी पर दल-बदल की शिकायत की थी। गौरतलब है कि झाविमो के टिकट पर चुनाव लड़ने के बाद बाबूलाल मरांडी ने अपनी पार्टी का विलय भाजपा में कर दिया था। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देना चाहते थे बाबूलाल

भाजपा के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, बाबूलाल मरांडी दल-बदल मामले में स्पीकर के फैसले के पूर्व विधायकी से इस्तीफा देना चाहते थे। इस संबंध में उन्होंने पार्टी के आला नेताओं से पेशकश भी की थी, लेकिन पार्टी आलाकमान ने उन्हें ऐसा करने से रोका है। जानकारी के मुताबिक, स्पीकर के फैसले के बाद आगे कई विकल्पों पर विचार किया जायेगा।

राष्ट्र सर्वोपरि विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की फौज जरूरी : दिलीप सैकिया

जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा में प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम : दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पार्टी के कार्यकर्ता ही पार्टी के मूलधन हैं और इन्हे पार्टी के रीति-नीति, विचार, संस्कार की गहराई तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक है। उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवम प्रदेश प्रभारी सांसद दिलीप सैकिया ने शनिवार को प्रदेश भाजपा द्वारा मधुबन, गिरिडीह में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गौरवशाली भारत के अतीत के आधार पर व्यक्ति निर्माण, समाज परिवर्तन फिर राष्ट्र पुनर्निर्माण का कार्य जनसंघ से अबतक लगातार जारी है। इसके लिये प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है वैसे ही संगठन

की मजबूती के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में मां भारती की सेवा का भाव अनवरत जागृत रहे, कभी किसी परिस्थिति में भटकाव न हो इसके लिये ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि उपदेश देने से अच्छा उदाहरण बनें। स्वयं आदर्श बनें और बनायें और इसका उदाहरण कार्यकर्ताओं ने कोरोना काल में प्रस्तुत किया है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्र सर्वोपरि विचार, प्रथम पुरुषी विचार, कार्यपद्धति, कार्यकर्ता विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकर्ताओं के सात मूल मंत्र सेवा भाव, समन्वय, संतुलन, संयम, संवेदना, सकारात्मकता और संपर्क संवाद को आत्मसात करते हुए संगठन कार्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिल रहा। जो देश केलिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश के नेतृत्व में झारखंड के कार्यकर्ताओं ने विपरित परिस्थितियों में भी संगठन कार्य को मजबूती दी है और लंबा संघर्ष भी किया है। उन्होंने कहा कि हमे पार्टी की नीतियों के साथ मोदी सरकार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

धनबाद के बाघमारा में गैस रिसाव दहशत में लोग

धनबाद। जिले के कतरास इलाके के छाताबाद के पास शनिवार को अचानक गैस रिसाव होने से इलाके में दहशत के साथ साथ हड़कंप मचा गया। गैस रिसाव की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस नेता, पार्षद प्रतिनिधि सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी। ग्रामीणों ने गैस रिसाव की सूचना बीसीसीएल प्रबंधन को दी, लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीणों की सूचना पर बीसीसीएल प्रबंधन का कोई अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा था। इससे ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। गैस रिसाव धीरे-धीरे बढ़ता ही जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार जहां गैस रिसाव हो रही है, वहां तकरीबन दस हजार की आबादी रहती है इन लोगों पर खतरा मंडरा रहा है।

आजाद पार्टी बनायेंगे, चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा को होगा फायदा

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेताओं का गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद कहना है कि उन्होंने अपने फेयरवेल के दौरान पीएम के भाषण और आंसुओं का ऋण चुकाया है। जबकि भाजपा नेताओं का कहना है कि नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी नेताओं के बहुत बुरे दिन आनेवाले हैं। जम्मू-कश्मीर के एक भाजपा नेता का कहना है कि कांग्रेस लगभग विलुप्त हो चुकी है, प्रदेश में एनसी और पीडीपी के लिए सबसे बुरा दिन है। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में भाजपा के वोट बैंक को खा रही है। कांग्रेस के कमजोर होने से भाजपा को जहां भी जगह मिलेगी, फायदा होगा। मुकाबला आजाद की नयी पार्टी और राकांपा और पीडीपी के बीच होगा और सभी अपने विशिष्ट वोट आधार को लक्षित करेंगे। हमारे पास कांग्रेस के मतदाताओं को लुभाने का मौका होगा, जो पीडीपी या अन्य क्षेत्रीय पार्टी को कभी वोट नहीं देंगे। भाजपा नेता का कहना है कि आजाद, फारूक अब्दुल्ला की पार्टी के विकल्प के रूप में उभर सकते हैं, क्योंकि दोनों की छवि नरम राष्ट्रवादी है। साथ ही अब्दुल्ला ईडी के मामले का सामना कर रहे हैं और यूटी में एक अफवाह है कि दिल्ली में हमारे साथ उनकी कुछ सेटिंग है और उन्हें नुकसान हो सकता है। जम्मू-कश्मीर में एक और कारक है जैसा कि हमने अब्दुल्ला के साथ देखा है, केंद्र के करीब मानी जानेवाली पार्टी या पीएम को कुछ क्षेत्रों में फायदा मिलता है। कई नेताओं का कहना है कि आजाद अलग पार्टी बनाकर लड़ेंगे तो कांग्रेस, पीडीपी व फारूक की पार्टी को नुकसान पहुंचायेंगे। इसका फायदा भाजपा को होगा। यदि आजाद को कुछ सीटें मिल गयी तो वह भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री भी हो सकते हैं।

नीम हकीम चिकित्सक की लापरवाही से विश्रामपुर में एक महिला की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर परिषद मुख्यालय विश्रामपुर में संचालित एक निजी अस्पताल में एक महिला के गलत ऑपरेशन के कारण जान गवानी पड़ी। घटना से आक्रोशित परिजनों ने शव के साथ अस्पताल घेरकर जमकर हंगामा किया। बाद में हंगामा सुनकर पहुंची पुलिस और स्थानीय नेताओं के सहयोग से मृतक के परिजनों को समझाकर मामला शांत कराया गया। चर्चा है कि मृतज के परिजनों को मोटी रकम देकर उन्हें केश करने से मना किया गया। जानकारी के अनुसार विश्रामपुर थाने के भुखला गांव के प्रसिद्ध राम की 24 वर्षीय बेटी सोनी देवी अपनी मां प्रतिमा देवी के साथ विश्रामपुर के एक निजी क्लिनिक रानी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां उसे जांच के बाद डॉक्टर ने ऑपरेशन करने की सलाह दी। तब परिजनों ने कहा कि अभी उनके पास पैसे नहीं है। परिजनों ने बताया कि इसके वावजूद उनका सभी कागजात रखकर ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान हुई चूक के कारण अधिक रक्तस्राव होने लगी तब उसे रोगी को बाहर ले जाने के लिए कहा गया। आनन फानन में परिजन जब पेशेंट को लेकर मेदिनीनगर अस्पताल पहुंचे तब उन्हें बताया गया कि मरीज की स्थिति बेहद नाजुक हो गयी है। यहां इलाज संभव नही है। तब परिजनों ने मरीज को लेकर रांची जोड़ा तालाब के निकट हॉस्पिटल लेक व्यू में जाकर भर्ती कराया। मृतक के पति विमलेश राम ने बताया कि रांची में भर्ती कराने के बाद डॉक्टर ने उन्हें वीडियो में दिखाया कि ऑपरेशन के दौरान बड़ी आंत और बच्चेदानी का नस कट गया है जिससे अधिक रक्तस्राव होने के कारण मरीज की स्थिति काफी नाजुक हो गयी है । मृतका के पति विमलेश ने

बताया कि वहां के डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया लेकिन विश्रामपुर के चिकित्सक की भूल के कारण उनकी पत्नी की जान 26 अगस्त को गवानी पड़ गई। शव के साथ विश्रामपुर पहुंचे परिजनों ने रानी हॉस्पिटल के समक्ष जमकर हंगामा किया । इसके बाद वहां के कुछ राजनीतिक दल के लोग और पुलिस की मदद से मृतक का शव की कीमत लगाकर मामला को रफा दफा करा दिया गया। यह विश्रामपुर के लिए कोई नई बात नहीं है। कुछ दिन पहले ही विश्रामपुर के एक निजी क्लिनिक गलत इलाज के कारण घरतिया की एक महिला को जान गवानी पड़ी थी। तब उसे भी करीब दो लाख रुपये देकर मामला को दबा दिया गया था। ऐसी घटना जब होती है तब स्थानीय नेताओं और पुलिस की चांदी हो जाती है। मृतक की मां प्रतिमा देवी ने बताया कि इलाज के लिए हॉस्पिटल में पहुंचने पर सारी कागजात अस्पताल के चिकित्सक के द्वारा रख लिया गया। बाहर इलाज कराने के लिए बार-बार जाने की बात कही गई। लेकिन अस्पताल के द्वारा कहा जाता रहा कि यहां सभी तरह का इलाज होता है। हालत बिगड़ने पर बाहर जाने की सलाह दी गई। मृतक की मां प्रतिमा देवी ने मौत के लिए चिकित्सक को जिम्मेदार ठहराया। मृतक की बहन नीलम कुमारी ने बताई की सोनी की 2 माह का गर्भ था। महिला की ब्लीडिंग हो रही थी उसे दिखाने के लिए नर्सिंग होम पहुंचे। जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज के क्रम आंत को निकाल लिया गया। जिसके बाद महिला की स्वास्थ्य काफी बिगड़ गई। इलाज के लिए रांची ले जाया गया जहां महिला की मौत हो गई। महिला की 2 महीने का गर्भ था। गर्भपात कराने के लिए उसके द्वारा पहले कोई दवा खाई गई थी। लगातार बिल्डिंग हो रहा था। जिसे सफाई करने का काम यहां किया गया है। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बाहर भेज दिया गया था। इसमें अस्पताल के चिकित्सकों की कोई लापरवाही नहीं है। **ना डिग्री ना रजिस्ट्रेशन कमाई के चक्कर में झोलाछाप मरीजों की ले रहे जान :** प्रखंड सहित आसपास के क्षेत्र में झोला छाप चिकित्सक चांदी काट रहे हैं। इनके नाम ना डिग्री है और ना हीं संचालित अस्पताल का रजिस्ट्रेशन हीं है। अवैध रुप से दर्जनों निजी अस्पताल फल फूल रहे हैं। अस्पतालों में कोई अनुभवी चिकित्सक नहीं बाहर से फर्जी चिकित्सक व सर्जन बुलाकर भोले भाले गरीबों की जान ली जा रही है। निजी अस्पताल में महिला बांध्याकरण सहित कई जटिल बिमारीयों का आपरेशन का काम किया जा रहा है। इन अस्पतालों में कार्य कर रहे चिकित्सक व कंपाउंडर ने कभी मेडिकल की पढाई हीं नहीं की, और न हीं इनके नाम किसी प्रकार का प्रमाण पत्र हीं है। विश्रामपुर के सभी अस्पताल संचालक अस्पताल के सामने चिकित्सक का नाम व कई बिमारीयों के स्पेशलिस्ट होने की बड़ी-बड़ी बोर्डे लगाये हुए हैं। इतना हीं नहीं कई असाध्य बिमारीयों की आपरेशन करने से भी परहेज नहीं करते। कई बार अपने को स्पैशलिस्ट कहने वाले ये चिकित्सक कई लोगों को मौत की नींद भी सुला चुके हैं। मौत के बाद हल्ला हंगामा होता है। फिर मोटी राशि परिजनों को बिचौलिए के माध्यम से दे दी जाती है। लेकिन इनके अनुभव व अवैध रूप से अस्पताल संचालन पर कोई प्रश्न खड़ा नहीं करता। और न हीं इस पर प्रशासन की निगाहें हीं होती है।

हुसैनाबाद से नाबालिग छात्र लापता, सनहा दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद स्टेशन रोड स्थित गेट ग्रिल दुकान के प्रोपराइटर सह हुसैनाबाद के दरुआ गांव निवासी रमेश विश्वकर्मा का 14 वर्षीय पुत्र कुंदन कुमार विश्वकर्मा दिनांक 26.08.2022, दिन शुक्रवार को करीब 03 बजे से लापता है। इस संबंध में भुक्तभोगी रमेश विश्वकर्मा ने हुसैनाबाद थाना में लापता से संबंधित सनहा दर्ज कराया है। रमेश विश्वकर्मा के द्वारा हुसैनाबाद थाना को दिये गए आवेदन में कहा है कि मेरा पुत्र कुंदन कुमार विश्वकर्मा, जो हुसैनाबाद थाना के सामने स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पढ़ता है और वह वर्ग षष्टम बी का छात्र है। वह स्कूल से छुट्टी के बाद अपने दुकान पर आया और वहां से अपने घर ग्राम दरुआ के लिए पैदल निकला, परंतु बीच रास्ते से ही लापता हो गया। वह घर नहीं पहुंचा। वह उस दिन कॉफी कलर का शर्ट व नीले रंग का जीन्स पहना हुआ था। वह जब शाम तक घर नहीं पहुंचा ,तो हम लोग उसकी खोजबीन करने लगे, और रिश्तेदारों के घर भी पता किया पर काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं भी पता नहीं चल सका। तत्पश्चात उसने शनिवार को हुसैनाबाद थाना में सन्हा दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी जगरनाथ धान ने कहा कि इसकी सूचना सभी थानों को दे दी गई है। साथ ही खोजबीन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वृद्धों को पेंशन मिलने में तकनीकी परेशानी को दूर करने डोर टू डोर पहुंचे बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। तरहसी प्रखंड क्षेत्र के 52 वृद्धों को पेंशन योजना का लाभ मिलने में तकनीकी परेशानी आ रही है। किसी का खाता बंद है तो किसी के खाते की मैपिंग नहीं हो पाई है। इस समस्या को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सचिदानंद महतो शनिवार को प्रखंड क्षेत्र की अरका पंचायत में डोर टू डोर पहुंचे। यहां वे चार लाभुकों से मिले और उनकी तकनीकी समस्या दूर की, यहां बता दें कि 52 लाभुको के खाते में हजारों रुपए रहने के बावजूद उन्हें पेंशन राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसी का खाता बंद है तो किसी खाते की मैपिंग नहीं हुई है। लाभुक परेशान होकर पेंशन की उम्मीद छोड़ चुके हैं। इस

मामले में सक्रियता दिखाते हुए बीडीओ श्री महतो अरका मुखिया बबन प्रसाद के साथ इस पंचायत के संबंधित चार लाभुकों के घर पहुंचे और उनकी समस्या की जानकारी लेकर ऑनस्पॉट निदान किया। बीडीओ ने बताया कि 52 लाभुकों के बैंक खाते में तकनीकी समस्या आ जाने के कारण पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई लाभुक ऐसे हैं, जिनके खाते में 12 से 22 हजार तक जमा है। बावजूद खाता क्लोजड रहने के कारण वे पैसे निकाल नहीं पा रहे है। इस समस्या को दूर करने की कोशिश की जा रही है। इसी उद्देश्य से वे अरका पंचायत क्षेत्र में पहुंचे और धरातल पर मामले को जानने की कोशिश की। बीडीओ ने कहा कि वे स्वयं मौके पर जा कर परेशानी को समझने के बाद सभी पंचायत सचिव को इस संबंध में निर्देश दिया गया है। बैंक में ई-केवाइसी कराने और अंगूठा लगाने के बाद इस समस्या का निदान हो जाएगा। खाता को जिंदा करने में छोटी मोटी राशि खर्च आती है।

स्कॉर्पियो के धक्के से एक ही परिवार के आधा दर्जन लोग घायल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा चौक स्थित अर्चना होटल से लौट रहे पांच छात्र छात्राओं को शुक्रवार की देर शाम एक स्कोर्पियो ने जोरदर टक्कर मार दी। घटना में तीन छात्राएं घायल हो गई। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया। इनमें दो छात्राओं को पैर टूट गए, एक के सिर में गंभीर चोट आई है। जिनके पैर टूटे हैं, उन्हें इलाज के लिए एमआरएमसीएच से डा. राहुल अग्रवाल के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि सिर में चोट लगने से जख्मी हुई छात्रा का इलाज मेदनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया है। जख्मी छात्रा-छात्राओं में करूणा कुमारी (14वर्ष), खुशी कुमारी (14वर्ष), ईशा कुमारी (12 वर्ष), अभिनव राज (16वर्ष) एवं असलीन तिवारी (17 वर्ष) शामिल हैं। सभी कक्षा 10 के छात्र हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम रेड़मा के अर्चना होटल में खुशी की बर्थडे पार्टी थी । पार्टी मनाकर सभी घर वापस लौट रहे थे। इसी क्रम में रांची रोड की ओर से आ रही स्कोर्पियो ने सभी छात्र - छात्राओं को अपनी चपेट ले लिया। सभी छात्र-छात्राएं रेड़मा काशीनगरी के निवासी हैं। रेड़मा ठाकुरबाड़ी मंदिर के समीप स्कोर्पियो ने टक्कर मारी और फिर घटनास्थल से फरार हो गई। लेकिन पुलिस ने उसका पीछा कर नई मुहल्ला में पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर के आवास के समीप से जब्त किया। नई मुहल्ला में सुनसान इलाका देखकर स्कोर्पियो को लगाकर चालक फरार हो गया था। स्कोर्पियो का नंबर जेएच03एम 8263 है । स्कोर्पियो उंटारी रोड के किसी अशोक सिंह के नाम पर है। हादसे के दौरान वाहन का अगला चक्का डैमेज हो गया था । छिपाने के लिए स्कोर्पियो लगाया गया था। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। टीओपी 2 के प्रभारी रूद्रानंद सरस ने बताया कि अभी तक परिजनों की तरफ से किसी तरह की कोई एफआइआर दर्ज नहीं की गयी है। जैसे ही एफआइआर दर्ज होती है, इस पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

हुसैनाबाद वार्ड 11 में लाभुकों को मिला सोना सोबरन का लाभ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर ग्यारह में चांदनी स्वयं सहायता समूह पीडीएस केन्द्र पर शनिवार को एक दर्जन से अधिक लाभुकों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूंगी का वितरण वार्ड पार्षद लालती देवी, सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार कश्यप ने संयुक्त रुप से किया। वार्ड पार्षद लालती देवी ने कहा कि झारखंड सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना से जरुरतमंदों को वरदान साबित हो रहा है। इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्रयास भी जारी है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह दुकानदार से भी सरकार की सभी योजना का लाभ पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने को कहा। इससे शहरी क्षेत्र में सरकार की सभी योजना संचालन से सभी प्रतिनिधि व वार्ड पार्षद भी समर्पित भाव से कार्य करने में जुटे रहेंगे। वितरण कार्य में सुनैना देवी, धर्म शिला देवी, मुन्नी कुंवर, इंदु कुंवर, विंध्याचल देवी सहित संबंधित वार्ड के कई लाभुक मौजूद थे।

विश्रामपुर पुलिस ने चलाया एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पलामू पुलिस कप्तान के निर्देश पर शनिवार को विश्रामपुर अनुमंडलीय थाना पुलिस ने थाना प्रभारी शशि रंजन के नेतृत्व में थाना चौक पर एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान चलाई। जिसमे दोपहिया, चारपहिया सहित सभी वाहन चालकों की हेलमेट, डिक्की, ड्राइवरी लाइसेंस व जरूरी कागजात की गहनता पूर्वक जांच की गई। प्रभारी शशि रंजन ने खाश तौर से अभिभावकों से अपील करते हुए कहा की अपने नवालिक बच्चो को कभी भी वाहन चलाने की अनुमति ना दे। वहीं प्रभारी ने बताया कि आज एक भी वाहनों का चालान नही किया गया है। वाहन चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से प्रशिक्षु दरोगा प्रवीण रजक, एएसआई अनन्त कुमार सिंह, एएसआई अनिल कुमार सिंह,आरक्षी कमरूदीन अंसारी सहित शास्त्र बल के कई जवान शामिल थे।

78% मतदाता पहचान पत्र को आधार से लिंक करने वाले बीएलओ हुई सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पड़वा प्रखंड के 43 बुथो पर मतदाता पहचान पत्र से आधार नंबर जोड़ने का कार्य जोरों पर है। इसमें बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद के मार्गदर्शन में 26 अगस्त तक प्रखंड के तैंतालीस मतदान केंद्र के कुल 35963 मतदाताओं में 20154 मतदाताओं का पहचान पत्र आधार से लिंक हो गया है। इसमें बेहतर कार्य करने वाले छह बीएलओ को शुक्रवार को छतरपुर एसडीओ के कार्यालय में एसडीओ नरेंद्र कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिन बीएलओ को सम्मानित किया गया उनमें भाग संख्या 144 की रिंता

बाला (कार्य 79%) , 140 की सरिता देवी(कार्य83.3%) 119 की सरिता देवी (कार्य 94.8)120 की गीता देवी(कार्य 88.2),122 की शोभा देवी,(कार्य 80.7%)123 की गीता देवी व 143 की पुष्पा देवी(कार्य 78.5%) शामिल है। उक्त जानकारी पंडवा बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद ने दी कहा कि बाकी बीएलओ को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने क्षेत्र के लोगो को इस कार्य में सहयोग करने की अपील की । मालूम हो कि सभी मतदाता सूची से आधार लिंक हो जाने से मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो जाएगी। अभी एक व्यक्ति का दो से तीन जगह मतदाता सूची में नाम अंकित है। आधार लिंक हो जाने से व्यक्ति सिर्फ एक ही जगह का मतदाता रह पायेगा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़वा जिला सम्मेलन रमना में सम्पन्न

मेदिनीनगर। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के गढ़वा जिला सम्मेलन रमना में कामरेड खलील खलीफा ने किया। सम्मेलन की शुरूआत भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह गढ़वा जिला प्रभारी रूचिर कुमार तिवारी ने किया। और सभी साथियों ने शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित किया। उसके बाद राज्य कार्यकारिणी सदस्य गणेश सिंह ने शहीदों के प्रति शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जिला सम्मेलन का उदघाटन राज्य कार्यकारिणी सदस्य सूर्यपत सिंह ने किया और उन्होंने कहा कि आज देश में मोदी जी के आम जनता पर मंगहाई का बोझ लाद कर कारपोरेटो को मालामाल करने में लगे हुए हैं। आम जनता को मिलने वाला रियायत में कटौती की जा रही है। भाजपा के नेताओं की संपत्ति बढ़ रही है और गरीबो को खाने के लिए दो वक्त की रोटी नहीं मिल रही है। देश के आम जनता को देने के मोदी जी के पास केवल लम्बा लम्बा भाषण है।

प्रखंड के जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों ने विधायक सहित अधिकारियों से लगाई गुहार

दुकानदारों को अगस्त माह में एनएफएससी का नहीं मिला राशन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद ग्रामीण व नगर पंचायत के साथ साथ हैदरनगर प्रखंड के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों को अगस्त 2022 माह का एनएफएससी मद का राशन एफसीआई गोदाम से प्राप्त नहीं हुआ है। जबकि दुकानदारों ने हुसैनाबाद के विधायक कार्यालय समेत बीडीओ, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पलामू को ज्ञापन देकर कहा है कि अगस्त माह समाप्त होने को है। हुसैनाबाद एफसीआई गोदाम से दोनों प्रखंडों के एक भी दुकानदार को राशन उपलब्ध नहीं कराया गया है। जबकि जिला से जानकारी मिली है कि हुसैनाबाद व हैदरनगर प्रखंड का राशन एफसीआई गोदाम हुसैनाबाद को उपलब्ध करा दिया गया है। डीलर संघ के हुसैनाबाद अध्यक्ष लखनदेव सिंह व हैदरनगर अध्यक्ष मृत्यंजय सिंह ने

बताया कि उनके साथ एफसीआई गोदाम के अधिकारियों के द्वारा धोखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हे प्रत्येक माह मिलने वाला आवंटन एफसीआई हुसैनाबाद को जिला से प्राप्त हो गया है। मगर अभी तक एक भी दुकानदार को राशन उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हे अगस्त माह का पीएमजीकेएवाई का अनाज उपलब्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि एक मद का अनाज वितरण करने से लाभुको की खरी खोटी सुनने को मिल रही है। उन्होंने विधायक कमलेश कुमार सिंह के हुसैनाबाद कार्यालय में आवेदन देकर उनसे दूरभाष पर बात की व इस मामले में उचित करवाई करने की मांग की। संघ ने उपायुक्त, डीएसओ समेत सभी संबंधित अधिकारियों को भी ज्ञापन देकर अगस्त माह का एनएफएससी मद का राशन जल्द उपलब्ध कराने व अगले महीने से महीना के प्रथम या दूसरे सप्ताह में डीलरों को अनाज उपालब कराने का आग्रह किया है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

शुद्धि-पत्र

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा के द्वारा **e-Procurement** निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDD/SD/CHATRA/05/2022-23 जिसका PR No.-274218 Rural Development (22-23):D के द्वारा प्रकाशित निविदा में भाग लेने हेतु कंडिका क्रमांक 02 में निविदा प्रकाशन की तिथि 16.08.2022 के स्थान पर 05.09.2022 एवं कंडिका क्रमांक 03 में निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 22.08.2022 के स्थान पर दिनांक–12.09.2022 एवं कंडिका क्रमांक 04 में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि एवं Affidavit जमा करने की अंतिम तिथि 23.08.2022 के स्थान पर 13.09.2022 तथा निविदा खोलने की तिथि 24.08.2022 के स्थान पर 14.09.2022 पढ़ा जाय।

निविदा की शेष शर्ते पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा।

PR 276576 (Rural Development) 22-23 (D)

न्यूज गैलरी

अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

हुसैनाबाद। इन दिनों हुसैनाबाद पुलिस प्रशासन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध बालू के खिलाफ अभियान चला रही है। इस कड़ी में शुक्रवार की रात देवरी ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बालू लदे तीन ट्रैक्टर को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में देवरी ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम को गुप्त सूचना मिली थी की देवरी सोन नदी से अवैध ढंग से ट्रैक्टर पर बालू लेकर जपला की ओर ट्रैक्टर जा रही है। उन्होंने इसकी सूचना एएसआई कार्तिक उरांव को दी। सूचना मिलते ही देवरी ओपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देवरी गांव पहुंची। पुलिस को देखते ही सभी चालक अपनी अपनी ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने तीनों ट्रैक्टरों को जब्त कर ओपी ले आई। इसकी सूचना जिला परिवहन और जिला खनन पदाधिकारी को भेज दी है।

समाजसेवी ने चापाकल की मरम्मत कर, पेयजल मुहैया करवाया

हरिहरगंज। युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने शनिवार को निजी खर्च से नगर पंचायत क्षेत्र के अररुआ खुर्द एनएच 98 किनारे स्थित जीनीयस कंप्यूटर सेंटर के समीर कई दिनों से खराब सार्वजनिक चापाकल की मरम्मती कराते हुए, ग्रामीणों को पेयजल मुहैया कराया। बता दें कि इन्होंने अब तक विभिन्न क्षेत्रों में एक सौ से ज्यादा खराब चापाकलों की अपने खर्चे से मरम्मत कराकर लोगों को पेयजल आपूर्ति की सुविधा बहाल करायी है। इस बावत जनहित के इस कार्य को लेकर ग्रामीणों ने राजीव रंजन के प्रति आभार जताया है। आभार जताने वालों में मनोज मेहता, कुमुद रंजन, गुड्डू कुमार, दिनेश पासवान, विकास कुमार, मृत्युंजय कुमार आदि का नाम शामिल है।

विधायक प्रतिनिधि बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

विश्रामपुर। विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने पर भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रखंड विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल व नगर परिषद् विधायक प्रतिनिधि राजन पाण्डेय को लोगो ने सामूहिक रूप से पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया है। समारोह की अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम व संचालन महामंत्री संतोष राम ने किया। श्री राम ने दोनो प्रतिनिधियों को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए इन्हें बधाई दी। वही सम्मान से अभिभूत हुए प्रखंड विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल ने कहा की आप सभी ने जो मुझे प्यार व अपनत्व का आभास करवाया है, उसके लिए मैं आप सभी के प्रति अभार व्यक्त करता हूं। मौके पर वरिष्ठ भाजपाई शिवश मिश्रा, ज्वाला गुप्ता, विकास चंद्रवंशी, संजू ठाकुर, संजय गुप्ता, किरण शर्मा, किरण देवी, शंकर चंद्रवंशी, सुरेंद्र भारती, भिखारी साव, संजय गुप्ता, बबलू डिश सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

धान व भदई मकई का 15 सितंबर तक प्रज्ञा केंद्र में पंजीकरण करायें : बीटीएम

हरिहरगंज। पीपरा प्रखंड के तेंदूई गांव में कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। सामान्य से कम बारिश होने के कारण पलामू में बन रही सुखाड़ की स्थिति से निपटने के लिए आत्मा पलामू की ओर से वैकल्पिक फसल लगाने के उद्देश्य से आयोजित इस कृषक गोष्ठी में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक पिपरा संजय कुमार ने किसानों को निचले जमीन में धान लगाने की सलाह दी। इस बार रबी सीजन के लिए खेतों की तैयारी किसान भाई सितंबर माह से ही शुरू कर दे। झारखण्ड सरकार द्वारा फसल राहत योजना का प्रज्ञा केंद्र में जाकर निबंधन कराने के साथ-साथ ब्लॉक चैन में निबंधन और केसीसी ऋण माफी के लिए ईकेवाईसी कराने को कहा। रबी फसल के लिए सरकार की ओर से विशेष योजना के तहत किसानों को सरसों, चना, मसूर, मक्का का बीज अनुदान पर उपलब्ध कराया जाएगा। किसान गोष्ठी में कृषक मित्र मिथिलेश राय, रंजय कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, कपिल देव सिंह, पंचायत सचिव मुख्तार आलम, वार्ड सदस्य, सहित पंचायत के कई पुरुष महिला किसान उपस्थित थे।

संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को दिया आर्थिक सहयोग

मेदिनीनगर। पूनम तिवारी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्रामपुर के संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद दिया। यहां बताते चले कि नगर परिषद के उरसुला गांव निवासी 50 वर्षीय रविंद्र राम उर्फ फेकन राम की मौत पिछले दिनों इजाल के दौरान हो गई थी। मृतक अत्यंत ही गरीब परिवार का था। उसका एक मात्र नाबालिक बेटा परशु कुमार अपने पिता के अंतिम क्रियाकर्म में खुद को असहाय महसूस कर रहा था। जब इसकी सूचना संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल के निदेशक एन के तिवारी को हुई तो वे उरसुला गांव गए । जहां मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही क्रियाकर्म के लिए आर्थिक मदद किया। इसके अलावे उन्होंने मृतक के पुत्र परशु कुमार को उच्च शिक्षा ग्रहण हेतु हर संभव मदद देने का भरोसा भी दिलाया। श्री तिवारी ने कहा कि जरूरतमंद व असहाय की मदद से बड़ा कोई पुनीत कार्य नही है। इस परिवार को स्कूल प्रबंधन आगे भी हर संभव मदद देगा। मौके पर बिनोद कुमार,शिक्षक विष्णु राम,अखिलेश राम,संजय राम,रामदेव राम सहित कई लोग मौजूद थे।

विश्रामपुर सीओ ने राजस्व कर्मचारियों के साथ की समीक्षा बैठक

मेदिनीनगर। विश्रामपुर अंचल कार्यालय के सभागार में सीओ प्रशांत कुमार हेम्ब्रम ने राजस्व कर्मचारियों के साथ शनिवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में भूमि संबंधित कार्यो की प्रगति का समीक्षा किया गया। सीओ प्रशांत हेम्ब्रम ने सभी कर्मचारियों को प्रत्येक कार्य दिवस तालिका के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजस्व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सोमवार व गुरुवार को अपने-अपने हल्का कार्यालय में रहेंगे। मंगलवार व शुक्रवार को अंचल कार्यालय में मौजूद रहेंगे। इसके अलावे बुधवार व शनिवार को अपने-अपने क्षेत्रो में रहकर कार्यो का निष्पादन करेंगे। सीओ प्रशांत कुमार हेम्ब्रम ने भूमि सम्बंधी कार्यो में तेजी लाने का आदेश दिया। कहा कि दाखिल खारिज में 60 दिनों से ज्यादा लंबित वादों का निपटारा जल्द से जल्द करे। बैठक में सीआई विकास पांडेय,राजस्व कर्मचारी अरविंद मिश्रा,रवि कुमार,सतेंद्र पांडेय,मनोज अंबेडकर,सतेंद्र कुमार,राकेश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

ये कैसा शहर ..जहां पार्किंग तक की नहीं है सुविधा

प्रतिदिन जाम की समस्या से शहरवासी रहते हैं परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बाजार में खरीददारी करने पहुंच रहे हैं। उसके साथ ही लोग अपने दोपहिया और चार पहिया वाहन को लेकर बाजार पहुंच रहे है। जिससे बाजार में भी की समस्या उत्पन्न हो रही है। लोगों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में करोड़ों रुपए से बने मॉल और दुकानों में पार्किंग के इंतजाम नहीं होने के कारण लोग सड़क पर वाहन खड़े कर खरीदारी करने को मजबूर है। सड़कों पर वाहन खड़ा रहने की वजह से लोगों का राह चलना भी मुश्किल हो गया है। शहर में करोड़ों रुपए के मॉल और दुकानें हैं, लेकिन किसी के पास पार्किंग के लिए जगह नहीं है। इसको लेकर कभी नगर निगम ने गम्भीरता नहीं दिखाई। कुछ मॉल में पार्किंग है तो उसका उपयोग कुछ लोग लम्बे समय से स्थाई तौर पर कर रहे हैं। कुछ मॉल और दुकानों में पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह है, लेकिन उस जगह पर मॉल या फिर दुकान वालों का ही स्थाई कब्जा है। वहीं दूसरी तरफ ऐसे मॉल और दुकानों की संख्या सबसे अधिक है, जिन्होंने निर्माण के दौरान पार्किंग के लिए जगह ही नहीं छोड़ी। नगर निगम ने भी कार्रवाई करने पर ध्यान नहीं दिया है। पार्किंग के लिए कोई स्थाई साधन नहीं होने के कारण लोग सड़क पर ही वाहन खड़ा कर घण्टों खरीदी करते हैं, जिसकी वजह से अन्य

वाहन चालकों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इन रास्तों पर बिगड़ रहे जाम के हालात : शहर के छह मुहान से बाजार की और जाने वाली सड़क पर हमेशा जाम की समस्या बनी रहती है।वही थाना रोड में थाना से लेकर पंच मुहान तक इतनी जाम रहती है कि लोगो को पैदल चलने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह यदि हम सब्जी बाजार की बात करे तो यहाँ पर सब्जी बेचने वाले लोग इस तरह सड़क का अतिक्रमण कर रखे है कि यदि दिन में आगजनी की समस्या हो जाये तो यहाँ अग्नि समन वाहन को पहुंचने में घण्टो समय लग सकता है,और जाम के कारण काफी क्षति हो सकती है। इन हिस्सों में लाखों और करोड़ों रुपए की दुकानें और मॉल बने हुए हैं, लेकिन पार्किंग के इंतजाम किसी के पास नहीं है। **बढ़ रही वाहनों की संख्या भी बन रहा जाम का कारण :** शहर में बढ़ती आबादी के साथ ही वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। शहर में जितने वाहनों का आवागमन होता है, उसके अनुसार पार्किंग स्थल नहीं है। ऐसे में वाहन चांलक अपने वाहनों को सड़क किनारे ही बेतरतीब खड़े कर देते हैं, जिससे दूसरे वाहनों को आवागमन में परेशानी होती है। हालात यह है कि शहर के प्रमुख मांगों पर दिन में हर 10 मिनट में जाम की स्थिति बनती है, जिससे वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि शहर में आने-जाने वाले वाहनों को वन-वे कर निकाला जा रहा है, लेकिन यह समस्या का स्थाई समाधान नहीं है, इसीलिए वन-वे यातायात की व्यवस्था के बाद भी यातायात जाम असुविधा का कारण बना हुआ है। शहर में गत 5 सालों में वाहनों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। पहले केवल धनाढ्य वर्ग के पास ही कार होती थी, लेकिन आज आम व्यक्ति के पास भी कार है। ऐसे में वाहनों की पार्किंग उनका आवागमन की समस्या बना हुआ है।

समृद्धि की पाठशाला सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में निःशुल्क चल रहे समृद्धि की पाठशाला व उसमें निःस्वार्थ सेवा देने वाली समृद्धि टीम बच्चों को सभ्य सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक बनाने के प्रति समर्पित है। ऐसे बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाना समाज और राष्ट्र की सच्ची सेवा है क्योंकि ऐसे बच्चे आज से छह साल पहले सिर्फ सड़कों पर घूमा करते थे। बकरी चराना ये सब इनके दिनचर्या में शामिल था। नैतिक शिक्षा के बिना इनका विकास संभव नहीं था। मिशन समृद्धि संस्था अपने अथक प्रयास से बच्चों को ही नहीं उनके माता-पिता को भी नैतिकता का बोध कराया। इसका सुखद परिणाम रहा कि वर्तमान में जो भी बच्चे हैं वे सारे बच्चे सरकारी स्कूलों में जाते हुए शाम के चार बजे समृद्धि की पाठशाला अवश्य पहुंच जाते हैं। यहां उन्हें शिक्षा के साथ - साथ कला और सांस्कृतिक तथा अच्छे स्वास्थ्य के लिए योगा भी कराया जाता है। पलामू के कई पदाधिकारी उपायुक्त अमित कुमार नैंसी सहाय, डीआईजी विपुल शुक्ला, एसपी इन्द्रजीत महथा, डीएसपी सुरजीत कुमार का प्रोत्साहन हमेशा मिला। मिशन समृद्धि का एक विद्यालय कचरवा टोला में भी है। जहां बच्चों की स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है। वहां भी छह वर्षों से यह पाठशाला चल रहा है। लेकिन वे सब कुपोषण के भी शिकार हैं। हम सब हिम्मत नहीं हारे हैं फिर भी वहां उन बच्चों के साथ न्याय कर सकेंगे तभी हम इस अभियान को सफल मानेंगे। निःस्वार्थ सेवा देने वालो में बैजन्ती गुप्ता अहिल्या गिरी, रंजीता देवी, वन्दना श्रीवास्तव ,वीणा गुप्ता का योगदान रहा।

पलामू में मना कुशाग्रहणी अमावस्या

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में शनिवार को भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को कुशाग्रहणी या कुशोत्पाटिनी अमावस्या मनाया गया। इस दिन कुश एकत्रित करने की परम्परा है। हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों में कुश को बहुत पवित्र माना गया है। स्थानीय लोगो मे सुबह में पूजा कर कुश को तोड़कर अपने घरों में लाया।मन्दिरो में भी लोगो की भीड़ कुश लेने को लेकर रही।स्थानीय हीरा मंदिर और रामजानकी मंदिर से लोगो ने कुश को लेकर अपने घरों में आये। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध-कर्म के प्रतीक 'कुशा' 'कौआ', 'गाय' और 'श्वान' महत्त्वपूर्ण माने गये हैं। इनमें भी 'कुशा' विशेष मानी गई है, क्योंकि इसके अग्रभाग में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु व अंत

में शिव का वास माना गया है। 'कुशा' के बिना हिंदू धर्म में कोई भी पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। इसलिए भाद्रपद की अमावस्या को 'कुशाग्रहणी' या 'कुशोत्पाटिनी' अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन लोग कुशा एकत्रित करते हैं या खरीदते हैं और उसे वर्ष भर होने वाले यज्ञ, हवन, श्राद्ध-तर्पण आदि अन्य धार्मिक आयोजनों में प्रयोग करते हैं। 'कुशा' न केवल शुद्धता की प्रतीक है, बल्कि बहु प्रयोजनीय भी है। हवन के पूर्व यज्ञ कुंड के चारों ओर कुशा बिछाई जाती है, उसे कुशस्तरण कहा जाता है। श्रीकृष्ण ने गीता में भी कुश आसन के लिए जहां चैलाजिनकुशोत्तरम का विशेषण देकर समझाया है, वहां स्पष्ट रूप से कुशा की महत्ता प्रकट होती है। पुरोहित ओम पाठक ने बताया कि कुश की उत्पत्ति भगवान विष्णु के रोम से हुआ है। कुश का मूल ब्रह्मा, मध्ये विष्णु और अग्रभाव शिव का जानना चाहिए। इसी कारण तुलसी की तरह कुश भी कभी बासी नहीं होता है। इसका इस्तेमाल बार-बार किया जा सकता है।

जिला केंद्रीय पुस्तकालय में कैरियर परामर्श पर वेबिनार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय साहित्य सामाज चौक के पास जिला केन्द्रीय पुस्तकालय में कैरियर परामर्श एवं प्रतियोगी परीक्षा के तैयारी को लेकर शनिवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूपमें अखिल कुमार डिप्टी कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अहमदाबाद से विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े। उन्होंने सिविल परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को अपने अनुभव साझा किया एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे करे उसका भी मार्गदर्शन किया। उन्होंने तैयारी कर रहे विधार्थियों से कहा कि किसी भी परीक्षा की तैयारी पुरे पॉजिटिव होकर करे। नकारात्मक बाते अपने मन में ना लाये एवं स्ट्रेस ना ले। अपने तैयारी में पूरी तरह से ईमानदारी बरते। पुस्तकालय अध्यक्ष मंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि जिला केन्द्रीय पुस्तकालय में कैरियर परामर्श एवं प्रतियोगी परीक्षा के तैयारी को

कर इस वेबिनार में ना सिर्फ पलामू पुस्तकालय के सदस्य जुड़े थे बल्कि राज्य के अन्य जिलो के पुस्तकालय के सदस्य भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे। इस कैरियर वेबिनार में पलामू जिले के पुस्तकालय के सदस्य एवं अन्य जिलो के पुस्तकालय के सदस्यों ने अपने तैयारी को ले कर अपने प्रश्न अखील कुमार से साझा किया एवं उन प्रश्नों का जानकारी प्राप्त किया। गौरतलब है कि राज्य के शिक्षा सचिव के आदेशानुसार राज्य के सभी जिलो के पुस्तकालय एवं लगभग तीन महीने से जिला केन्द्रीय पुस्तकालय में प्रत्येक शनिवार को विशेष गतिविधि का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे ग्रुप डिस्कशन, कैरियर मार्गदर्शन एवं परीक्षा तैयारी से संबन्धित सेमिनार का आयोजन, टेस्ट सीरीज इत्यादि का आयोजन किया जाता है जिससे पुस्तकालय में अध्ययन कर रहे छात्रो को बहुत लाभ मिल रहा है एवं छात्र पुस्तकालय में अध्ययन के लिए अधीक समय बिता रहे है पुस्तकालय में सदस्यों की संख्या भी बढ़ रही है। वर्तमान में जिला केन्द्रीय पुस्तकालय ,पलामू का संचालन सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक किया जाता है। मौके पर ओम वैध, युवराज, शिखा, वर्षा, रितेश, बबलू, आशीष सहित कई विद्यार्थी मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संस्कृति महोत्सव का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के हमीदगंज स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में संकुल स्तरीय आचार्य पत्र वाचन प्रतियोगिता एवं संकुल के विद्यालयों के भैया-बहनों के लिए संस्कृति महोत्सव 2022 का आयोजन किया गया। जिसमें पलामू प्रमंडल के सभी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाध्यापक व छात्र शामिल थे। प्रतियोगिता में शिशु वर्ग से लेकर तरुण वर्ग के भैया-बहनों ने भाग लिया। संकुल स्तरीय कार्यक्रम में विद्यालय स्तर पर चयनित आचार्यों ने आचार्य भारतीय संस्कृति का पोषण कैसे बने। विषयक पीपीटी निर्माण कर पत्र वाचन किया। संकुल स्तरीय परीक्षा में संकुल के विद्यालयों के वर्ग सह शिशु वर्ग से तरुण वर्ग तक के भैया-बहन प्रतियोगिता में भाग लिए। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि ने कहा कि संस्कृति के पोषण के साथ-साथ उसका संरक्षण आवश्यक है। संस्कृति महोत्सव पर हो रहे प्रतियोगिताओं से भैया -बहनों का सर्वांगीण विकास संभव है। आप सभी भारतीय संस्कृति का निरंतर स्वाध्याय करते रहें एवं आत्मसात भी करें। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य रमेश कुमार सिंह ने कराया। मंच संचालन विद्यालय के आचार्य अंजनी जी के द्वारा व धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रमेश कुमार सिंह ने किया।

मनमाने तरीके से चल रहा है विद्यालय मुखिया ने किया कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नौडीहा बाजार प्रखंड क्षेत्र के नामुदाग पंचयात स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय शिवपुर के प्रधानाध्यापक सह सचिव लोकनाथ प्रसाद गुप्ता के द्वारा विद्यालय में सरकारी राशि का गबन किया गया है। मुखिया जितेंद्र पासवान ने विद्यालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से करवाई करने कि मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रध्याना अध्यापक सह सचिव के घर और विद्यालय एक ही जगह होने से विद्यालय के सभी कार्य में मनमानी किया जा रहा है। साथ ही विद्यालय जांच के क्रम में पाया गया कि सरकारी राशि का व्यापक पैमाना पर गबन किया गया है। जिसमें विद्यालय में बिजली वायरिंग के राशि गबन कोई कार्य नहीं हुआ (2) विकास मद से विद्यालय में रंग व पोचारा नहीं किया गया राशि गबन(3) शौचालय तो जैसे तैसे बन गया लेकिन उक्त शौचालय में टंकी ही नहीं राशि गबन(4) विभाग के द्वारा गैस चूल्हा के लिए राशि दिया गया लेकिन आज भी लकड़ी गोठा झोकर खाना बन रहा है।(5) कुकिंग कॉस्ट की राशि अब तक वितरण नहीं किया गया पूरा राशि गबन किया गया। मुखिया जितेन्द्र कुमार पासवान ने निरीक्षण कर शिक्षा विभाग उपायुक्त को लिखा पत्र करवाई करने की मांग।

जल जीवन मिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जल जीवन मिशन ग्रामीण अंचल मेदिनीनगर अंतर्गत प्रमंडल स्तरीय प्रमंडल स्तरीय (मेदनीनगर, गढ़वा, लातेहार) सात-सात जल सहिया , तीन जल जांच कर्मी एवं एक-एक आईएसए प्रतिनिधि का एफटिके एवं एच टू एस भायल्स द्वारा जल जांच से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण ऑक्टोपस ट्रेनरो के द्वारा पुराना डीआरडीए सभागार में किया गया। प्रशिक्षण का विधिवत उद्घाटन कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मेदिनीनगर आशुतोष कुमार, कार्यपालक पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार जितेंद्र कुजुर एवं जल जीवन मिशन के जिला

समन्वयक अश्विनी कुमार पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान उन्होंने जल गुणवत्ता से संबंधित सभी आयामों को ससमय पूर्ण करने हेतु सभी जलसहिया को निर्देशित किया। प्रशिक्षण में ऑक्टोपस के टीम द्वारा जल जांच के सभी पैरामीटर का जल जांच कर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में कार्यपालक अभियंता लातेहार के द्वारा बताया गया की जल जांच का प्रशिक्षण लेकर आप सभी जलसहिया अपने प्रखंड और जिला में मास्टर ट्रेनर के रूप में काम करेंगे। जिले के बाकी जलसहिया हो प्रशिक्षित करने का काम करेंगी। कार्यपालक अभियंता मेदनीनगर के द्वारा बताया गया सरकार की योजना जो भी पेयजल के क्षेत्र में चलाया जा रहा है उसमे जल सहिया कि बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। जल सहिया के द्वारा गांव के लोगों को जागरूक करना पेयजल की रखरखाव एवं गुणवत्ता की जानकारी देना है। साथ ही साथ क्रअ के कर्मियों को भी गांव के लोगों और जलसहियाओं को जागरूक करने में अहम भूमिका निभानी है।

दूषित सप्लाई पानी पीने को लोग मजबूर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। निगम क्षेत्र में शनिवार की सुबह दूषित सप्लाई पानी आपूर्ति किया गया। पानी का रंग पूरी तरह मटमैला रहा। जिससे लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हो गए। पीएचईडी विभाग के द्वारा पानी को फिटकरी और ब्लीचिंग से साफ नही किया गया। जिसके कारण पानी दूषित रह गया है।ये लापरवाही लोगो के लिए हानिकारक हो सकता है। दूषित पानी पीने से लोगो को कई बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। निगम के द्वारा भी इसमे कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वर्षा होने के कारण नदी में जल स्तर बढ़ गया है जिससे पानी टंकी में भी पानी का स्तर बढ़ा हुआ है। आमतौर पर पानी टंकी में पानी को फिटकरी के द्वारा साफ किया जाता है लेकिन इस बार पानी को साफ करने के बाद भी पानी मे मिट्टी का अंश रह गया है। इस संबंध में सप्लाई पानी का काम कर रहे संजय कुमार ने बताया कि पानी को साफ किया गया है लेकिन मिट्टी का अंश अधिक होने के कारण पानी

मटमैला रंग का ही दिख रहा है। जल्द ही पानी को साफ करने की प्रक्रिया किया जा रहा है। उम्मीद है आज पानी साफ मिलेगा। वही, आजसू पार्टी के सचिव सतीश कुमार ने इसपर संज्ञान लेते हुए कहा किनगर निगम क्षेत्र में पानी की सप्लाई की तरह के गंभीर बिमारी पैदा करने के लिए काफी हैं। पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता से बात करने पर बिना फिल्टर पानी सप्लाई करने पर निगम और संवेदक पर टाल देते है। नगर निगम अपनी जबाबदेही लेने के लिए तैयार नही है। नगर निगम कठपुतली बन कर रह गई है। गंदा पानी की सप्लाई नियती बन गई है चिकित्सकों का कहना है कि बरसात के मौसम में निगम का सप्लाई पानी पीने से मौत को आमंत्रण देना है। गंदा पानी से हृदय रोग हो सकता है, स्किन रोग के शिकार जनता तेजी से हो रहे हैं। नगर निगम और पीएचईडी अस्वस्थ व अस्वच्छ मिशन पर चल रहे है। पानी सप्लाई की अनियमिता तो जनता के लिए अभिशाप बन गई है। बिना फिल्टर पानी सप्लाई निगम और पी एच ई डी के भ्रष्टाचार का बली चढ गई है। ब्लीचिंग पावडर और फिटकरी सप्लाई पानी के नसीब में नही है। जिला प्रशासन इस ओर अबिलंम्ब ध्यान दे। जनता का गुस्सा फटेगा तो आन्दोलन का कोपभाजन बनेंगे।

आशीष कंपटीशन सेंटर का एक ही लक्ष्य

गरीब भी पढ़ेंगे दिव्यांग भी पढ़ेंगे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के बाईपास रोड सिंचाई विभाग के निकट चल रहे आशीष कंपटीशन सेंटर में सैकड़ो छात्रों को सफलता हासिल हुई है। सफलता दिलाने के बाद आशीष कुमार ने तय किया है की हम गरीब, दिव्यांग छात्रों को निःशुल्क शिक्षा देकर सफलता दिलायेंगे। उन्होंने बताया कि हम सबसे कम फी लेकर छात्रों को कंपटीशन की तैयारी करवा कर उन्हें सफलता दिलायेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 2 वर्षों में सैकड़ो छात्रों ने यहाँ से कम्पटीशन की तैयारी कर सफलता हाशिल कर अफसर बन गये। ऐसे ही छात्रों को कंपटीशन की तैयारी करवा कर आगे भी सफलता दिलाता रहूंगा। अभी पूरे झारखंड

के छात्रों के लिए एक सुनहरा मौका है हमारे संस्थान में आए और तैयारी कर सफलता पाएं। सेंटर का स्मार्ट क्लासरूम 30 अगस्त को उद्घाटन कर शुभारंभ किया जायेगा और अब छात्रों को स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाई शुरु होगी।

न्यूज गैलरी

एशिया कप में भारत व पाकिस्तान का भिड़ंत

मेदिनीनगर। शाम 6 बजे से आज दुबई में एशिया कप क्रिकेट मैच में भारत व पाकिस्तान का भिड़ंत होगा। मैच को लेकर शहर के युवाओ में खासा उत्साह है। कई जगहों में मैच देखने के लिए प्रोजेक्टर का भी व्यवस्था किया गया है। गौरतलब है कि भारत व पाकिस्तान का क्रिकेट मैच रोमांच से भरा रहता है। देश सहित दूसरे देश के भी युवाओ में ऐसे मैच को लेकर उत्साह रहता है। स्थानीय बाजार क्षेत्र में भी मैच देखने के लिए युवाओ ने दुकानदारों को भी आमंत्रित किया है। भारत एशिया कप में 7 बार का विजेता है और इस बार फिर एशिया कप जीत कर आने की कोशिश करेगा।

पलामू में बिना परिमट के दर्जनों बसों का हो रहा संचालन

मेदिनीनगर। पलामू जिले की सड़कों पर 1 दर्जन से अधिक बसों का परिचालन बिना परमिट हो रहा है। इसके प्रति कोई भी परिवहन पदाधिकारी गंभीर नहीं। बेखौफ छत्तीसगढ़ से आने वाली बसें प्रतिदिन गढ़वा-पड़वामोड़ होते जपला, डालटनगंज, औरंगाबाद पटना आदि जगहों के लिए सरपट दौड़ लगा रही हैं। इतना हीं नहीं पांच बसों का परिचालन डालटनगंज से दिल्ली के लिए भी हो रहा है।सड़कों पर दौड़ रही इन बसों में किसी के पास परमिट नहीं है। सभी टूरिस्ट परमिट लेकर संचालन कर रहे हैं। दिल्ली जाने वाली बसों में जय मां, अश्विनी, आर्यन, सिंह, मनू आदि शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से प्रत्येक दिन आने वाली बसों में दुबे, महेंद्रा, रॉयल, सिंह, बदन, नवीन, राजहंस आदि नाम है। इस नाम की एक नहीं दो-तीन गाड़ियां गढ़वा, गढ़वा रोड, बीमोड़, पड़वा मोड़, जपला, उंटारी रोड आदि जगहों से अलग-अलग चल रही है। नाम न बताते हुए एक बस कंडक्टर ने बताया कि छत्तीसगढ़ से आने वाली अधिसंख्य बसों का परमिट रामानुजगंज बॉर्डर तक के लिए है। लेकिन वहां किसी प्रकार की जांच स्वरूप टोक नहीं होने के कारण बस्सी झारखंड में प्रवेश कर जाती है। झारखंड में देखने के लिए सभी जगह बस एजेंट को जिम्मेवारी सौंपी गई है। जो अपने स्तर से देख कर परिचालन करते रहे हैं। बताया कि बस औरंगाबाद तक नियमित जाती हैं। किसी भी बस का रेगुलर परमिट नहीं है कई बसें टूरिस्ट परमिट लेकर यात्री को ढो रहे हैं। कई बार जांच आदि की जानकारी मिलने पर बसों को बॉर्डर एरिया में ही खड़ी कर दी जाती है। बताया कि अगर बसों की जांच हो तो अधिसंख्य गाड़ियां बगैर परमिट की पकड़ी जायेगी। पड़वा मोड़ की एक बस एजेंट के द्वारा बताया गया कि दिल्ली जाने वाली बसों की भी यही स्थिति है। वह भी बिना परमिट टूरिस्ट परमिट लेकर यात्री को ढो रहे हैं। कई गाड़ियां बनारस तक परिवहन कर रही है। लेकिन इन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं।

मुखिया ने स्कूल के प्रधानाध्यापक व आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ की बैठक

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत हरतुआ पंचायत के मुखिया अरविन्द शुक्ला के द्वारा पंचायत सचिवालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिनमें पंचायत के सभी प्रधानाध्यापक एवम् आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित हुए। बैठक में प्रत्येक विद्यालय के समस्या सुना गया और निदान करने का आश्वासन दिया गया। आंगनवाड़ी सेविकाओ की भी समस्या सुनी गई। मुखिया जी के द्वारा निम्न निर्देश दिये गये जिस पर सभी प्रधानाध्यापक को अमल करने हेतु कहा गया। 1 किसी विद्यालय में जाली नामांकन नहीं करना हैं,वही बच्चे को विद्यालय में रखना हैं जो आपके विद्यालय में आते हैं। निजी विद्यालय के बच्चों का हटा देना हैं। 2 उपस्थिति गलत नहीं बनाना हैं। 3 एमडीएम अगर बंद होता हैं तो उसका जानकारी विभाग के अलावा मुखिया को भी देना हैं। बैठक में मुखिया ,पंचायत समिति सदस्य,सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक, पंचायत के आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित हुए।

लोक अदालत में 58 मामले का निस्तारण

दो लाख 82 हजार 501 रुपये का मामला सेटल

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय में शनिवार को पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार चौबे के दिशा निर्देश पर व्यवहार न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार चौबे व संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने की है। लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर 58 मामले का निस्तारण किया गया। वही दो लाख 82 हजार 501रुपये का मामला सेटल किया गया। लोक अदालत में मामले निस्तारण को ले 10 का गठन किया गया था। प्रथम पीठ में एक भी मामले का निस्तारण नही हो सका। पीठ संख्या दो में मामले का निस्तारण जिला अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संतोष कुमार व अधिवक्ता प्रदीप कुमार ने किया।इस पीठ में 19 मामले का निस्तारण किया गया। पीठ संख्या तीन में एक भी मामले का निस्तारण नही हो सका। पीठ संख्या चार में आपराधिक मामले का निस्तारण सी जे एम निरुपम कुमार व अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने किया। इस पीठ में 35 मामले का निस्तारण किया गया। पीठ संख्या पांच,पीठ संख्या छह व पीठ संख्या सात व पीठ संख्या आठ में एक भी मामले का निस्तारण नही हो सका। पीठ संख्या नव में प्री लिटिगेशन से संबंधित चार मामले का निस्तारण स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष श्यामलाल सरोज व सदस्य महिमा श्रीवास्तव ने किया। व पीठ संख्या 10 में एक्सक्यूटिव व रेवन्यू से संबंधित एक भी मामले का निस्तारण नही हो सका। एक हेल्प डेस्क बनाया गया था जिसमें लोगों को मदद के लिए अधिवक्ता सतीश कुमार व पीएलभी मुनेश्वर राम को लगाया गया था। उत्पाद विभाग को एक लाख 42 हजार 400 रुपये व वन विभाग को 12 हजार 500 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ।

शांतिपुरी के लोगों ने की गाय व बछड़े की रक्षा

मेदिनीनगर। शहर के शांतिपुरी मोहल्ले के लोगो ने शुक्रवार की शाम मानवता का परिचय देते हुए एक गाय और उसके बछड़े की जान बचाई। एक गाय उस इलाके में भटकती हुई आई थी। सड़क किनारे उसने एक बछड़े को जनम दिया । फिर क्या था। आवारा कुत्तो ने गाय के बछड़े को देख। उसे नोचने की कोशिश करने लगे। इस घटना को देख समाजसेवी मनोहर कुमार लाली के भाई व अन्य मुहल्लेवासी आगे आकर कुत्तों को भगाया । बाद में मुहल्ले के और लोग भी जमा हुए। मानवता का परिचय देते हुए गाय तथा बच्चे को भोजन दिया । रात को पोस्टल कालोनी में ले जाकर रखा गया । वही सभी गाय वो बछड़े की देखभाल भी की । पोस्टल कालोनी के सुधीर सिंह ने इसकी अगुवाई की. शांतिपुरी निवासी अनिल सिंह, अतुल अखौरी, सुजीत सिंह, अनिरुद्ध सिंह की. सुबह गौशाला के सह सचिव व गौ सेवक शिव शंकर कुमार मिश्रा की देखरेख में गाय वो बछड़े को गौ सेवक सुदर्शन मेहता को दिया गया।

न्यूज गैलरी

सोना-सोबरन योजना के तहत पीडीएस दुकानदार ने बांटी साड़ी व धोती

धुरकी। प्रखंड में पंचायत रक्सी के मुखिया प्रतिनिधि सत्यनारायण बैठा ने शनिवार को सोना सोबरन योजना के तहत पीडीएस दुकानदार इनदु कोरवा की दुकान से शनिवार को 1 रूपय में चावल 20 रूपय में साड़ी धोती दी जाने वाली सरकार की महत्वकांक्षी योजना का शुभारंभ किया. इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि सरकार के द्वारा 1 रूपय में चावल बीस रुपय में एक साड़ी एक धोती राशन के लाभुकों दिया जा रहा है। जो गरीब परिवार के हित में है। हमने अपने पंचायत में राशन से वंचित लाभुकों को लाभ दिलाने के लिए कैंप लगाएंगे जो लाभुक राशन योजना से वंचित हैं वह आवेदन देंगे उन्हें भी राशन व साड़ी धोती का लाभ मिलेगा इस दौरान पीडीएस दुकानदार इनदु कोरवा,योगेन्द्र यादव, भाजपा के मंडल महामंत्री मंगल यादव,दिनेश यादव,बिपिन यादव एवं गांव के सभी कार्डधारी व ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्य पथ से पछेरा टोला जाने वाली सड़क बहने से आवागमन ठप

धुरकी। प्रखंड के रक्शी पंचायत अन्तर्गत कुम्बा कला गांव के पछेरा टोला मे मुख्य सडक से टोले पर जाने वाली सड़क के बह जाने से लोगो को आने जाने मे काफी परेशानी हो रही है विदित हो कि गुरूवार को हुई वर्षा से सडक बह गया फलस्वरूप आने जाने वाले लोगो को काफी परेशानी होती है क्षतिग्रस्त सडक को दो पहिया वाहन भी पार नही हो सकता हमेशा भय बना रहता है कि पथ कब धस जायगा
पथ निर्माण के विषतमे पूछे जाने पर मुखिया प्रतिनिधि सत्यनारायण बैठा ने बताया कि 15वे वित की राशि आने पर प्राथमिकता के आधार पर पथ निर्माण किया जायगा.

क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में खेल दिवस पर वॉलीबॉल मैच का होगा आयोजन

भवनाथपुर। भवनाथपुर प्रखंड के पंडरिया पंचायत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस खेल मैदान के प्रांगण में खेल दिवस के शुभ अवसर पर एक दिवसीय वॉलीबॉल मैच का आयोजन गढ़वा जिला क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में किया जाएगा। जो भी टीम भाग लेना चाहती है मोबाइल नंबर 96939 48231 पर संपर्क कर सकते हैं। इसकी जानकारी जिला मंत्री गढ़वा, क्रीड़ा भारती के अजय कुमार गुप्ता ने दिया।

महिंद्रा फाइनेंस कंपनी के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वा। दीपवां स्थित टेंडर हाट्र्स स्कूल में महिंद्रा फाइनेंस कंपनी के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरूआत महिंद्रा फाइनेंस के गढ़वा शाखा के लेखापाल ओमप्रकाश सिंह ने अपने सहयोगि अविनाश तिवारी मनीष तिवारी मृगेंद्र सिंह तथा प्रेम सिंह के साथ विद्यालय में टीम इमारती लकड़ी के पौधे फलदार वृक्षों के पौधे तथा कुछ फूलों के पौधे कुल संख्या 50 को रोपित किया। इस अवसर पर बोलते हुए शाखा प्रबंधक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि असंतुलित होते पर्यावरण में वृक्षारोपण एक संस्कृति का रूप लेना चाहिए । समाज के सभी व्यक्तियों को संस्थाओं को वृक्षारोपण करना चाहिए जिससे वातावरण और पर्यावरण शुद्ध और संतुलित हो ,एक व्यवसायिक संस्थान होते हुए भी समाज में पर्यावरण के संतुलन के लिए महिंद्रा फाइनेंस दायित्वबोध रखती है और प्रतिवर्ष वृक्षारोपण का कार्यक्रम करती है ।

70 मरीजों का हुआ निःशुल्क इलाज

भवनाथपुर। सिंघीताली के भुईया टोला में स्वास्थ्य शिविर लगाकर 70 मरीजों का निःशुल्क इलाज कर दवा दी गई। आयुष डॉक्टर नीतीश भारती के नेतृत्व में लगे स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सीय टीम ने विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों का इलाज कर दवा दी। जबकि एमपीडब्लू विद्यानंद प्रजापति के 20 लोगों का मलेरिया की जांच के लाइट रक्तपट्ट लिया गया। स्वास्थ्य शिविर में आयुष डॉक्टर नीतीश भारती,एमपीडब्लू विद्यानंद प्रजापति,गुप्तेश्वर प्रसाद,सत्यनारायण सिंह,एएनएम अंचला कुमारी,भगवान पासवान आदि शामिल थे।

झारखंड राज्य फसल राहत योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक

श्री बंशीधर नगर। प्रखण्ड कार्यालय के सभागार में प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना एवं झारखंड राज्य फसल राहत योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये अंचल पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा ने राजस्व कर्मचारियों व किसान मित्रो के साथ समीक्षात्मक बैठक किया। बैठक में अंचल पदाधिकारी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभूक अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर अपना ई केवाईसी कराना सुनिश्चित करें .बैठक में झारखंड राज्य फसल राहत योजना के सभी लाभुक जिनके पास मैनुअल रसीद है, अपना आवेदन भू धारण प्रमाण पत्र हेतु अंचल कार्यालय में जमा करावें .भूधारण प्रमाण पत्र प्राप्त होने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक अपलोड कराएंगे। उन्होंने बताया कि जिनके पास ऑन लाइन रसीद है वे अपना आवेदन सीधे ऑन लाइन करा सकते है। बैठक में बीस सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष शैलेश चौबे, अंचल के राजस्व निरीक्षक बृजेंद्र कुमार उपाध्याय, शंभू लाल रजक, रितेश कुमार सिन्हा, जुगेश कुमार दास, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ज्ञानचंद केसरी, किसान मित्र श्रीनाथ मिश्रा, जितेंद्र कुमार सिन्हा, सुदेश्वर विश्वकर्मा, संजय प्रजापति सहित अन्य उपस्थित थे।

पशुपालन विभाग में आधे से अधिक पद खाली

पशुपालकों के आय दोगुना करने की सपना दिखाना खोखला साबित हो रही

पशु चिकित्सालय की फाइल फोटो

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पशुधन की सुरक्षा के लिए संचालित पशुपालन विभाग कर्मियों के अभाव में जिले भर में मृत होती जा रही है। जिले में पशु चिकित्सक सहित आधे से अधिक पद खाली है। ऐसे में सरकार के पशुपालकों के आय दोगुना करने की सपना दिखना जमीन पर खोखला साबित हो रही है। जिले में पशु चिकित्सक सहित प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी के आधे से अधिक पद् खाली है। ऐसे में सरकार की ओर से पशुपालकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न योजना कर्मियों के अभाव में दम तोड़ रही है। जिले में पशुओं का निबंधन और उनका ट्रैगिंग जैसे कार्य भी कर्मियों के अभाव में लेट लतीफी में फसा हुआ है। जिले में सगमा, बरडीहा, डंडा और केतार को छोड़ प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी का आठ पद स्वीकृति है। उसमें दो पद खाली है। वहीं प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सकों की स्वीकृत पद 20 में 16 पद खाली है। भ्रमणशिल चिकित्सा पदाधिकारी के स्वीकृति 17 पद में सात पद खाली है। वहीं लिपिक के तीन, प्रवेदिक के 17 में 11, पशुधन सहायक के नौ में आठ, अनुसेवक के 18 में नौ, रात्री परहरी के 17 में नौ, माली के एक, मिश्रक के एक, पट्टीबंधक के एक और चालक के एक पद खाली है।

क्य कहते जिला पशुपालन पदाधिकारी धनिक लाल मंडल: विभाग में चिकित्सक और कर्मियों की कमी की सूचना कई बार विभाग को दिया गया है। पर कर्मियों के कमी को दूर नहीं किया जा रहा है। कर्मियों के कमी होने के बाद भी सरकार की योजना को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है।

पशुपालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही

पशुपालन विभाग में चिकित्सक सहित कर्मी के कमी के कारण जिले के पशुपालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पशु के बीमार होने पर गांव के नीम हक्किम का सहारा लेना पड़ता है। पशु चिकित्स के कमी के कारण आय दिन मवेशियों की मौत हो जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी इन दिनों कांडी, बरडीहा, मझिआंव, सगमा, डंडा, केतार प्रखंड के पशुपालकों को है। पशुपालक संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले में पशु चिकित्सकों की भारी कमी है। जिला मुख्यालय सहित पशु अस्पताल में ही चिकित्सकों की भारी कमी है तो प्रखंड का क्या पुछना है। उसने बताया कि जिले में मवेशी भगवान भरोसे ही जी रहे है। बरसात के दिनों में अक्सर कोई न कोई बीमारी आता है और कई मवेशी उसके चपेट में आ जाते है। उक्त बीमार मवेशियों को देखने वाला तक कोई नहीं है।

फसल राहत व किसान सम्मान निधि योजना से लाभुक वंचित

नवीन मेल संवाददाता

मंझिआंव/गढ़वा। गढ़वा जिला के मंझिआंव नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत एवं पूरे प्रखंड क्षेत्र में बारिश नहीं होने से नगर पंचायत क्षेत्र एवं प्रखंड क्षेत्र के किसान नराज हैं। गौरतलब है कि नगर पंचायत क्षेत्र के युवा समाजसेवी सह नगर पंचायत भावी अध्यक्ष प्रत्याशी मारुत नंदन सोनी ने नगर पंचायत वासियों के लिए झारखंड सरकार के द्वारा चलाया जा रहा जन कल्याणकारी योजना से लाभान्वित हेतु गढ़वा जिला उपायुक्त रमेश घोलाप को एक आवेदन सौंपा है। सोनी ने गढ़वा उपायुक्त रमेश घोलप को नगर पंचायत वासियों के लिए हो रहे समस्याओं के बारे में लिखित आवेदन से अवगत कराया और कहा है कि नगर पंचायत क्षेत्र में लगभग 90% लोग गरीब किसान हैं। जो कृषि के अलावा और कोई दूसरा भरण पोषण करने का जरिया नहीं है। वहीं झारखंड सरकार के द्वारा चलाया जा रहा किसानों के लिए कल्याणकारी योजना फसल राहत योजना एवं किसान सम्मान निधि लाभप्रद योजना से मंझिआंव नगर पंचायत वासी वंचित हैं। और अत्यंत गरीब किसानों को झारखंड राज्य सुखाड़ राहत योजना से भी वंचित किया गया है। सोनी ने किसानों को हो रहे समस्याओं के बारे में आवाज उठाते हुए आरोप लगाया है कि कि झारखंड राज्य सुखाड़ राहत योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का पंजीयन/ आवेदन नहीं लिया जा रहा है।

जबकि झारखंड सरकार के द्वारा गढ़वा जिला सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने का पहल किया गया है। युवा समाजसेवी मारुत नंदन सोनी ने गढ़वा उपायुक्त रमेश घोलाप से आग्रह किया है कि नगर पंचायत मंझिआंव वासियों को सरकार के इन योजनाओं से वंचित न रखते हुए किसानों को इन सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की कृपा करें।

चिनियां में हाथियों ने मचाया जमकर उत्पात, कई एकड़ में लगे फसल को रौंदा

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रखंड मुख्यालय स्थित चिरका गांव में बीती रात 9 बजे दर्जनों की संख्या में हाथियों का 1 झुंड पहुंच कर फिर से जमकर उत्पात मचाया है। बताते चलें कि किसान हरिहर सिंह, हेरमोन बड़ा, राजमती देवी, अजीम अंसारी, के खेतो में लगा कई एकड़ में मकई की फसल धान के बिचड़े, अरहर की फसल को हाथियों ने पूरी तरीके से तहस-नहस एवं सफा-चट कर दिया । जिससे किसानों की कमर सी टूट गई है। किसान हरिहर सिंह, राजमती देवी सहित अन्य किसानों ने बताया कि हम लोग ईस अकाल क्षेत्र में भी किसी तरीके से कुएं का पानी एवं डैम में बची थोड़ी बहुत पानी के सहारे किसी तरीके से हल्की फुल्की खेती किए हुए थे, जिसे गजराज के द्वारा तहस-नहस एवं नष्ट कर दिया गया है। हम लोगों के ऊपर प्रकृति ने दोहरी मार मार कर पूरी तरीके से पस्त कर दिया । वही किसानों ने वन

विभाग के अधिकारियों से अपील करते हुए कहा है कि नुकसान हुए फसलों का आकलन कर हम लोगों को सहायता राशि प्रदान की जाए । जबकि मौके पर पहुंचे चिनिया बिट के वनपाल बिपिन बिहारी मेहता ने बताया कि ग्रामीण किसानों के द्वारा लगाई गई फसल को हाथियो के द्वारा बर्बाद किया गया है हम लोग बर्बाद हुए फसलों का आकलन कर रहे हैं जो भी नुकसान हुआ है मुआवजा जरूर मिलेगा।

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सम्मेलन आयोजित

संगठन को मजबूत करें कार्यकर्ता: रूचिर

नवीन मेल संवाददाता

रमना। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के गढ़वा जिला सम्मेलन रमना में कामरेड खलील खलीफा ने किया। सम्मेलन की शुरूआत भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह गढ़वा जिला प्रभारी रूचिर कुमार तिवारी ने किया। और सभी साथियों ने शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित किया। उसके बाद राज्य कार्यकारिणी सदस्य गणेश सिंह ने शहीदों के प्रति शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जिला सम्मेलन का उदघाटन राज्य कार्यकारिणी सदस्य सूर्यपत सिंह ने किया और उन्होंने कहा कि आज देश में मोदी जी के आम जनता पर मंगहाई का बोझ लाद कर कारपोरेटो को मालामाल करने में लगे हुए हैं। आम जनता को मिलने

वाला रियायत में कटौती की जा रही है। भाजपा के नेताओं की संपत्ति बढ़ रही है और गरीबो को खाने के लिए दो वक्त की रोटी नहीं मिल रही है। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा नेता रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि आज देश को कारपोरेट राज कायम है और मोदी सरकार कारपोरेटो की रखैल के रूप में काम कर रही है। देश के आम जनता को देने के मोदी जी के पास केवल लम्बा लम्बा भाषण है। आम जनता को मिलने वाला कुछ रियायत पर भी इनका मंसूबा ढीक नही है और इसे बंद करने के लिए अभी से ही मुफ्त की रेवड़ी का नाम दे रहे हैं। ऐसे में कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है और उसके लिए हम सबको संगठन को मजबूत कर भाजपा और आरएसएस जैसा जहरीली संस्थाओ को गदी से हटाना होगा। सभा को राज्य कार्यकारिणी सदस्य गणेश राम ने संबोधित किया और पार्टी संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। सभा में राजकुमार राम,देवी दयाल, विधाराम पासवान,मुरती कुअर, मानमती देवी, मैत्री कुअंर, कुमारी देवी, मदन लाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

भाजपा अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लक्ष्मण राम ने भेंट की श्री बंशीधर जी की तस्वीर

श्री बंशीधर नगर। भाजपा अजा मोर्चा के गढ़वा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण राम के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने पार्टी अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य एवं राष्ट्रीय महामंत्री सीटी रवि को श्री बंशीधर जी की तस्वीर एवं पुस्तक भेंटकर श्री बंशीधर नगर आने का अनुरोध किया।श्री राम पार्टी की ओर से धनबाद के पर्कलेन रिशोर्ट के डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। उस मौके पर जिला महामंत्री उपेंद्र दास, सुरेंद्र राम, प्रशिक्षण प्रमुख सत्येन्द्र पासवान, सोशल मीडिया प्रभारी राजेश बैठा भी उपस्थित थे।

सर्टिफिकेट देने के नाम पर मांगा जा रहा 40 हजार

छात्राओं ने थाना में आवेदन देकर की है शिकायत, न्याय की लगाई गुहार

गया जिला के तीनों छात्राओं ने आरपी एएनएम स्कूल में की थी पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। राधा पार्वती एएनएम स्कूल टंडवा की तीन छात्रा गढ़वा थाना में आवेदन दी है। दिये गये आवेदन में उल्लेख किया गया है कि बिहार के गया जिला के गरजुविगहा गांव निवासी अंजु कुमारी पिता सुरेंद्र प्रसाद, गया शेरघाटी गांव मनीषा कुमारी पिता सुरेंद्र प्रसाद, पिंकी कुमारी बिहार के गया के रहने वाली है। उक्त तीनों छात्राओं ने राधा पार्वती एएनएम स्कूल टंडवा गढ़वा में वर्ष 2018 में नामांकन कराई थी। सत्र 2018-20 में नामांकन हुआ था। स्कूल में एएनएम का ट्रेनिंग किया। ट्रेनिंग पूरा होने पर स्कूल के निदेशक डा. पतंजली केसरी द्वारा 70 हजार

रुपए की मांग की गई। हमलोग 70 हजार रुपए दे दिये। ट्रेनिंग वर्ष 2021 में पूरा हो गया है। जब हमलोग अपना सटिफिकेट मांगने स्कूल में पहुंचे तो डा. पतंजली केसरी द्वारा सटिफिकेट नहीं दिया जा रहा है। सटिफिकेट देने के नाम पर 40 हजार रुपए की और मांग कर रहे हैं। डा. पतंजली केसरी द्वारा बोला जा रहा है कि जब तक 40 हजार रुपए नहीं दिजिएगा तो सटिफिकेट नहीं मिलेगा। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सटिफिकेट लेने के लिए कई बार स्कूल में आए है लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा सटिफिकेट नहीं दिया जा रहा है। हम लोगों के साथ मारपीट भी किया गया है। उक्त तीनों छात्रा थाना में आवेदन देने के बाद उपायुक्त को भी आवेदन दी है।

सड़क दुघर्टना में घायल युवक का इलाज के दौरान हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार थाना क्षेत्र के परसोडीह गांव निवासी स्वः श्रवण राम का 18 वर्षीय पुत्र रत्नेश कुमार उर्फ गोलू की मौत शुक्रवार की शाम रांची के रिम्स में इलाज के दौरान हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक भवनाथपुर से अपने घर परसोडीह जाने के क्रम में गुरुवार की रात्रि में रत्नेश का एक्सीडेंट चपरी मोड़ के समीप हुआ था। ग्रामीणों द्वारा घायलावस्था में इलाज के लिए भवनाथपुर स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए युवक को रांची रेफर किया गया था । जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। शुक्रवार की देर रात्रि मृतक युवक का शव पैतृक गांव पहुंचा। शनिवार की सुबह गांव के ग्रामीणों की हुजूम मृतक

के घर जामा हो गई। मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है।मृतक का शव का दाह संस्कार पंडा नदी तट पर किया गया।इस मौके पर जिप सदस्य ज्वाला प्रसाद,मुखिया प्रतिनिधि कलेंदर पासवान,उप मुखिया प्रतिनिधि सतेन्द्र गुप्ता, पुर्व मुखिया अनील पासवान,अजय वर्मा, नागेन्द्र ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलनरत महिला का धरना जारी

भवनाथपुर। गलत दस्तावेज तैयार कर पीएम आवास की स्वीकृति दिए जाने को लेकर प्रशासन द्वारा दिये गए अश्वासन पर कारवाई नहीं किये जाने के खिलाफ धरना पर बैठे अधीनता देवी दूसरे दिन शुक्रवार की शाम बीडीओ जयपाल महतो के लिखित आश्वासन देने के बाद धरना समाप्त कर दिया। बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि रानी देवी को आवास निर्माण कार्य करने से रोक दिया गया है। दोनों पक्षों को भूमि संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने का एक महीना का समय दिया गया है दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद आगे का कारवाई किया जाएगा।

एसएमसी सदस्यों ने अध्यक्ष-सचिव पर लगाया मनमानी का आरोप

प्रतिपूर्ति की राशि वितरण में अनियमितता से लोग नाराज

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। मध्य विद्यालय खरौंधी के प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यालय के सचिव तथा अध्यक्ष पर संयोजिका सुनीता देवी को प्रबंधन समिति के संयोजिका पद से हटाने का आरोप लगाया है। साथ ही अध्यक्ष एवं सचिव मिलकर प्रतिपूर्ति की राशि वितरण में गड़बड़ी करने से प्रबंधन समिति के लोग काफी नाराज है। अगर इसका निष्पादन जल्द नहीं किया गया तो सभी विद्यालय परिसर में हंगामा करने के मूड में है। संयोजिका सुनीता देवी, सदस्य जितेंद्र प्रसाद रवानी, मनु ठाकुर, मीना देवी, अनीता देवी, राजेंद्र राम, इस्लाम अंसारी, अनुज कुमार आदि ने बताया विद्यालय के प्रबंधन समिति के संयोजिका सुनीता देवी विद्यालय का संचालन, मध्यान भोजन, छात्रों की उपस्थिति, पठन पाठन सहित सभी बिंदुओं पर निगरानी करती थी। इसके अलावे छात्रों में प्रतिपूर्ति की राशि वितरण में भी कड़ी निगरानी करती थी। इसके प्रतिदिन के निगरानी संयोजिका तथा सदस्यो ने गलत आरोप लगाया है। विभाग से तीनो फेज, तीनो फेज का अलग अलग सूची दिया है। सूची के अनुसार छात्रों के बीच पैसा का वितरण किया जा रहा है।

राजनंदन राम, प्राचार्य, मध्य विद्यालय खरौंधी।

मुझे इसकी जानकारी नही है। अगर इस तरह का मामला है तो जांच करेंगे।

रविन्द कुमार मेहता बीपीओ खरौंधी।

से नाराज विद्यालय के सचिव राजनंन राम तथा अध्यक्ष फूलकुमारी देवी बिना सदस्यों के सहमति के ही सुनीता देवी को संयोजिका से हटाकर दोनो प्रतिपूर्ति की राशि वितरण में काफी गड़बड़ी कर रहे हैं। वही विद्यालय के छात्रों को मीनू के अनुसार मध्यान भोजन भी नहीं दिया जाता है। संयोजिका सुनीता देवी ने बताया पिछले लॉकडाउन का विद्यालय के सभी छात्रों का 360 दिनों का प्रतिपूर्ति राशि विभाग ने उपलब्ध कराई है। विभाग के अनुसार कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को 1787 रुपये तथा कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को 2681 रुपये वितरण करना है। लेकिन मध्य विद्यालय के सचिव राजनन्दन राम तथा अध्यक्ष फूलकुमारी देवी 6 से 8 वर्ग के लगभग आधा दर्जन छात्रों को देकर अन्य छात्रों की सिर्फ 998 रुपए ही दे रहे है। कई ऐसे छात्रों को खाता में भी पैसा आया है उन्हे भी दुबारा दे दिया गया। संयोजिका तथा सदस्यों ने बताया मध्य विद्यालय सचिव राजनंदन राम, अध्यक्ष फूलकुमारी देवी, शिक्षक उमेश दुबे एक अन्य शिक्षक द्वारा दबंगई दिखाते हुए बोला जाता है कि तुमलोग इसमें जो करना है करो, हमलोग जो चाहेंगे वही होगा।

राधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में पिछले 19 अगस्त को राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा एलकेजी एवं यूकेजी के छोटे-छोटे कुल 55 भैया बहनों ने मुख्य रूप से शामिल हुए। जिसमें भैया बहनों ने अपने घर से ही राधा कृष्ण का रूप धर प्रतियोगिता में ऑनलाइन के माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बहन काजल कुमारी व आफरीन खान ने राधा रूप सज्जा तथा भैया हर्षित कुमार व आदिप कुमार ने कृष्ण रूप सज्जा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस सभी प्रतिभागी को विद्यालय के प्रधानाचार्य रविकांत पाठक द्वारा शील्ड देकर पुरस्कृत किया तथा बच्चें की उज्वल भविष्य कि कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता में

भाग लेने से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा सामने आती है। ऑनलाइन प्रतियोगिता में बच्चों के माता पिता की अहम भूमिका रही। जिन्होंने बच्चों को आकषण रूप से तैयार कर भैया बहनों को प्रतियोगिता में शामिल कराया। ऑनलाइन कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य आरती श्रीवास्तव, रेणु कुमार, नीति कुमारी, सुप्रिया कुमारी, रेणु पाठक, पूजा कुमारी सहित आचार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

फांसी लगाकर महिला ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के केडू गांव में शुक्रवार की शाम एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।जानकारी के अनुसार महिला रक्षाबंधन के दिन अपने मायके केडू गांव आई हुई थी। महिला तीज पर्व को बिताकर ससुराल चतरा जिले के रिमी गांव जाने वाली थी। मृतक महिला की पहचान जया देवी उम्र 23 वर्ष के रूप में की गई है। इसी बीच शुक्रवार की शाम अपने घर में जाकर दुपट्टा से फांसी लगाकर अपनी इह लीला समाप्त कर ली। दरवाजे की छेद से उसके घर वालों ने देखा तो पाया की महिला फंदे से लटकि हुई है। जिसे देखकर घर में हल्ला-गुल्ला व रोने की अवाज शुरू हो गई। जिसे सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीण अंदर प्रवेश किया तो देखा की महिला घर के रूम में दुप्पटा से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। जिसके बाद ग्रामीणों ने महिला को सदर अस्पताल लाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी । घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया और जांच में जुट गई है। इधर स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताते चले कि महिला का विवाह 2020 में चतरा जिले के रिमी गांव के सोनू राम के साथ हुई थी। इधर समाचार लिखे जाने तक महिला की हत्या या आत्महत्या का पता नहीं चल सका था। पुलिस जांच में जुटी हुई थी।

कूपन कटाने के बाद भी नही मिल रहा उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड में संचालित सिंह एच पी गैस एजेंसी के द्वारा गैस आपूर्ति नहीं करने के कारण उपभोक्ताओं में रोष देखा जा रहा है। उपभोक्ताओं ने बताया कि एक एक महीना से एडवांस बुकिंग रहने के बाद भी गैस नहीं मिल पा रहा है। जिससे उपभोक्ताओं को हो रही है काफी परेशानी। वहीं उपभोक्ताओं ने आगे बताया कि एचपी गैस एजेंसी के द्वारा यह पहली बार नही लगातार हर महीने यही स्थिति बनी रहती है। सहायता नंबर पर फोन करने के बाद भी एचपी गैस एजेंसी के कर्मचारी तसल्ली पूर्ण जबाब भी नहीं देते। वही बताते चलें कि पिछली बार भी जनता दरबार में उपभोक्ताओं के द्वारा इस तरह की समस्याएं उठाई गई थी, जिसके आलोक में बरवाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने एचपी गैस एजेंसी के संचालक को प्रखंड मुख्यालय बुलाकर फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन प्रखंड विकास पदाधिकारी बरवाडीह के द्वारा दिए गए निर्देशों का एचपी गैस एजेंसी के द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है और आज भी उपभोक्ता 1 महीने पहले कूपन कटाने के बावजूद गैस सिलेंडर के लिए दर-दर भटक रहे । जिसे लेकर उपभोक्ताओं में काफी रोष एवं गुस्सा का माहौल देखा जा रहा है। वहीं उपभोक्ताओं ने आगे कहा कि रोज-रोज गैस ऑफिस जाने पर केवल आश्वासन ही मिलता है गैस नहीं मिलती है।

लंबित पीएम आवासों को जल्द पूर्ण करने का मुखिया ने दिया निर्देश

मयूरहंड (चतरा)। शनिवार को मयूरहंड प्रखंड के मंझगावां पंचायत सचिवालय में मुखिया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें उप मुखिया समेत सभी वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीएफटी व स्वयं सेवक उपस्थित थे। बैठक में बीडीओ के आदेशानुसार वैसे प्रधानमंत्री आवास लाभुकों को चिंहित किया गया। जिनका वर्ष 2016 से 22 में आवास निर्माण के लिए अग्रिम भुगतान किया गया पर आवास पूर्ण नहीं हो पाया है। वैसे मंझगावां पंचायत के भिन्न भिन्न गांवों में चालीस लाभुकों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में पूर्ण करवाने का निर्देश मुखिया के द्वारा दिया गया।

पत्रकार संघ का प्रतापपुर में हुआ गठन, सत्येंद्र बने अध्यक्ष, सोशल मीडिया में न्यूज नहीं चलाने का लिया गया निर्णय

चतरा। शनिवार को जिले के प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित एआर कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में स्थानिय पत्रकारों की एक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता पत्रकार संतोष पाठक व संचालन सत्येंद्र कुमार ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से प्रखंड पत्रकार संघ का गठन करते हुए सत्येंद्र कुमार को अध्यक्ष, चंदन चौधरी को उपाध्यक्ष, बिहारी कुमार को सचिव, अनुज कुमार चंद्रवंशी को सह सचिव, संतोष पाठक को कोषाध्यक्ष, अजय राज को सह कोषाध्यक्ष, सतीश पांडेय को संगठन मंत्री तथा विकास कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने सर्वसम्मति से सोशल मीडिया में कोई भी न्यूज नहीं चलाने का निर्णय लिया। इसके अलावे संघ के मजबूती व पत्रकार हित में काम करने पर विशेष रुप से चर्चा की गई। बैठक में प्रखंड के सभी पत्रकार उपस्थित थे।

चंदवा के समाजसेवियों ने सात सूत्री मांगों को लेकर सीएस को सौंपा ज्ञापन

चंदवा। चंदवा के समाजसेवियों के द्वारा लातेहार जिले में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए लातेहार सिविल सर्जन दिनेश कुमार को समाजसेवी रवि कुमार डे सतेंद्र प्रसाद यादव इंद्रजीत शाह बंटी मुकेश कुमार सिंह ने 7 सूत्री मांग के साथ एक ज्ञापन सौंपा है और श्री डे ने सिविल सर्जन लातेहार को पूरे जिले की स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने के लिए कहा है वही चंदवा में ट्रामा सेंटर और पूरे जिले में हर एक पंचायत में विशेष स्वास्थ्य शिविर पंचायत स्तर पर लगाने का मांग किया है उसके बाद मच्छर को प्रकोप को देखते हुए डीडीटी का छिड़काव मेडिकेटेड मछरदानी वितरण कराने जिले के लगभग सभी अस्पताल में स्टाफ कमी की बात सिविल सर्जन को अवगत कराया विशेष रुप से चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बारे में कहा कि चंदवा में सड़क दुर्घटना बहुत काफी होती है जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की बढ़ोतरी हो जिससे घायल व्यक्ति को कम से कम प्राथमिक इलाज अच्छा से किया जाए वही सदर अस्पताल लातेहार में अल्ट्रासाउंड चालू करने की बात कहीं इधर सभी बात को ध्यान से देखते हुए सिविल सर्जन लातेहार ने श्री डे के टीम को आश्वासन दिया है कि पूरे जिले के अस्पताल में स्टाफ की कमी दूर करने और हर एक पंचायत में स्वास्थ्य शिविर लगाने का काम करूंगा जिससे हमारे जिले की जनता का स्वास्थ्य सुविधा बेहर मिल सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मासिक लोक अदालत आयोजित

लोक अदालत में 40 वादों का हुआ निष्पादन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, लातेहार के प्रांगण मे मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान जिला जज श्री अखिल कुमार ने लोक अदालत के बेंचों का निरीक्षण किया तथा न्यायिक पदाधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा मामले निष्पादन करने हेतु निर्देश दिया।

इस लोक अदालत में कुल 06 बेंच बनाए गए थे। जिसमें कुल- 40 वादों का निष्पादन किया गया जिसमें कुल 343919 रू मात्र राजस्व की वसूली की गई। इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत में लंबित वादों के निष्पादन के उपरांत 07 लाभुकों को माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार श्री अखिल कुमार द्वारा कुल रू0 1,25,000/- राशि के चेकों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर प्रधान न्यायधीश, कुतुम्ब न्यायालय श्री राजीव आनन्द, अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम श्री संजीव कुमार दास, अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय अमित कुमार,, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, श्रीमती स्वाति विजय उपाध्याय, अनुमण्डल न्यायिक दण्डाधिकारी मिथिलेश कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी श्री राहुल कुमार, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष चंद्रिका राम, सदस्य डॉ0 मुरारी झा, मो0 शकील अख्तर एवं अधिवक्तागण एवं व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण एवं अन्य विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

महुआडांड़ में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

महुआडांड़। मुख्य बाजार स्थित शास्त्री चौक के समीप सूचना एवं जनसंपर्क विभाग लातेहार के निर्देश पर नाटकीय मंडली के द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सुखाड़ की स्थिति को देखते हुए क्षति पूर्ति हेतु आवेदन करने की बात बताई गई। इस दरमियान नाटक मंडली के द्वारा बताया गया कि जो भी व्यक्ति हैं सभी लोग आधार कार्ड बैंक पासबुक जमीन का रसीद एवं वंशावली बनवा कर प्रज्ञा केंद्र तथा अन्य स्थानों पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें जिसके उपरांत सरकार के द्वारा प्रति एकड़ 4000 रुपए का प्रावधान किया गया है जोकि आवेदन स्वीकृत होने के बाद उस व्यक्ति के खाते में दिया जाएगा। इसे लेकर नुक्कड़ नाटक, नृत्य एवं गीत के माध्यम से के द्वारा लोगों का जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। ताकि लोग सरकार के द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्य का फायदा ले सके।

उपायुक्त ने किया स्वैच्छिक रक्तदान सीएस को दिये कई आवश्यक निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले में रक्त की उपलब्धता को बनाए रखने हेतु उपायुक्त अबु इमरान के निर्देश पर समाहरणालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार को किया गया। शिविर में उपायुक्त द्वारा रक्तदान कर शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर को सफल बनाने में पुलिस प्रशासन, जिला शिक्षक संघ, ताइक्वांडो एसोसिएशन, जिला फुटबॉल एसोसिएशन, सरकारी कर्मचारी एवं आम नागरिकों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। उपायुक्त ने शिविर में रक्तदान करने के पश्चात थैलेसीमिया, सिक्कल सेल, ल्यूकेमिया, ब्लड कैंसर से पीड़ित मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए रक्त केंद्र चतरा में ब्लड कंपोनेंट सेपरेटर की सुविधा उपलब्ध कराने व जिले में जरूरतमंद नागरिकों को मुफ्त रक्त उपलब्ध कराने हेतु मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। सदर अस्पताल में थैलेसीमिया डे केयर एवं आयरन चीलेशन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया। रेड क्रॉस में तकनीकी सहायता, ब्लड मोबाइल वैन, प्रयोगशाला प्रावैधिक, मानव संसाधन समेत जनहित में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिससे जिले में उन्नत तकनीक की सहायता से रक्त आधान सेवाओं का संचालन सुचारू रूप से हो सके। मौके पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी श्याम नंदन सिंह, रेड क्रॉस सचिव राजकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्नेह राज, रेड क्रॉस कर्मी समेत अन्य उपस्थित थे।

ट्रैक पर हाथियों के झुंड को देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर टाला बड़ा हादसा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में छिपादोहर और हेहेगढ़ा रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक पर हाथियों के झुण्ड को देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका और हाथियों को सुरक्षित पार होने दिया।

डाउन लाइन से गुजर रही 11447 डाऊन शक्तिपुंज एक्सप्रेस के लोको पायलट अनिल कुमार विद्यार्थी और सीनियर असिस्टेंट लोको पायलट रजनीकांत चौबे छिपादोहर और हेहेगडा स्टेशन के बीच पोल संख्या 246/10 के पास हाथियों के झुण्ड को रेलवे ट्रैक पर देखा। उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया और लगभग 10 से 12 हाथियो के झुंड को सुरक्षित बचा लिया।

रजनी कान्त चौबे ने बताया कि आज मुझे बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि मैने समय रहते ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोक दिया और हाथियों को कटने से बचा लिया।

वन्य जीव विशेषज्ञ डॉ डीएस श्रीवास्तव ने कहा कि यह लोको पायलट की सतर्कता का परिणाम है कि हाथियों की जान बच गई। इलाका एलीफैंट कॉरिडोर है और इस क्षेत्र में हाथियों का लगातार मूवमेंट रहता है।

विदित हो कि इस क्षेत्र में ट्रेन से कटकर पूर्व में कई हाथियों व अन्य जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है और इस क्षेत्र से गुजरते वक्त रेल गाड़ियों की गतिसीमा तय की गई है ताकि वन्य जीवों की जान बचाई जा सके।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमझर में गंदगी का अंबार

हिमंशु सिंह

मयूरहंड (चतरा)। जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमझर को स्वच्छ व स्वस्थ्य विद्यालय के तहत ग्रेड फाइव स्टार प्रदान करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यक को उत्कृष्ठ कार्य के लिए उपायुक्त अबु इमरान द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। जो अमझर विद्यालय परिवार व प्रखंड के लिए गर्व की बात है। लेकिन विद्यालय परिसर के अवलोकन से सच्चाई का पर्दा पूरी तरह उठ जाता है, विद्यालय कार्यालय में प्रवेश द्वार के समीप हीं गंदगी का अंबार लगा है और बगल में शौचालय निर्मित है। ऐसे में सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिसर में फैली गंदगी और सड़ांध बदबू बच्चों का कितना स्वास्थ्यवर्धन करता होगा।

विद्यालय परिसर में गंदगी के सिवाय स्वच्छता नदारद

विद्यालय के पर्यावरणविद प्रभारी विद्यालय के पीछे उगे झाड़ियों को पर्यावरण संरक्षण की खातिर साफ सफाई नहीं कराते। इन उपलब्धियों का श्रेय विद्यालय में वर्षों से पदस्थापित प्रधानाध्यापक श्रीराम राय को जाता है। स्थिति ऐसी है कि विद्यालय परिसर में गंदगी के सिवाय स्वच्छता नदारद है। इसके बावजूद स्वच्छ विद्यालय के रूप में चयन करवा लेना उपलब्धि नहीं तो और क्या है? कागजों पर नक्काशी कर ऑनलाइन ऐप में लोड कर पदाधिकारियों के आंखों में धूल झोंक कर उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर लिया गया जो शर्मनाक कुकृत्य है। श्री राय कितने हुनरमंद हैं इससे अंदाजा विद्यालय परिसर में स्थापित एक जर्जर भवन में सारा कचरा इकट्ठा कर उससे सड़कर स्वच्छता का नाम देकर उपायुक्त से प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर लिया। श्री राय को विद्यालय शिक्षण-कार्य से ज्यादा कवि सम्मेलनों, कविता-लेखन और संपादन में है। ये वेब पोर्टल के माध्यम से संपादक बन ज्ञान टाइम्स नामक सप्ताहिक पत्रिका का संपादन कर ज्ञान की गंगा बहा रहे हैं, जिससे इनका तो महिमामंडन तो हो रहा है और धनार्जन भी हो रहा है, लेकिन अमझर विद्यालय के अभिवंचित वर्ग के बच्चों को इससे कोई सरोकार नहीं है। कोविड संक्रमण काल में विद्यालयों में ऑनलाइन बच्चों को पढ़ाया जा रहा थाञ उस अवधि में श्री राय पढाई से ज्यादा कवि सम्मेलन कराने में मशगूल नजर आए। लंबे अर्से से अमझर में कार्यरत हैं।

दुर्घटना में ऑटो चालक गंभीर रूप से हुआ घायल

गिद्धौर (चतरा)। शनिवार को गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रह्मपुर के इस्लामपुर मोड़ के समीप ऑटो दुर्घटना ग्रस्त हो गया। जिसमें ऑटो चालक गंभीर रुप से घायल हो गया। जबकि ऑटो पर बैठे दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आई है। घायल चालक राजपुर थाना क्षेत्र के जोरी गांव का संटू यादव है। बताया जाता है कि ऑटो पर मुर्गी दाना लाद कर इटखोरी की ओर जा रहा था। इसी क्रम में इस्लामपुर मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रहे अन्य वाहन के चकमे से ऑटो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ग्रामीणों की ततपरता से घायल चालक को 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने दोनों मोड़ के समीप स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग उपायुक्त से किया है।

पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में प्रवेश वर्जित को लेकर कई जगहों पर लगाये गये बोर्ड को प्रशासन ने हटाया

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड के विभिन्न स्थानों में पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में प्रवेश वर्जित को लेकर छेछाड़ी परागना के सदस्यों द्वारा बोर्ड लगाया गया है। जिसमें महुआडांड़ स्थित दुर्गा बाड़ी मोड़ मिशन रोड बिरसा मुंडा चौक व नेतरहाट रोड के टुटुवापानी आदि स्थानों का नाम शामिल है।

जो महुआडांड़ स्थित बिरसा मुंडा चौक के समीप जो बोर्ड लगाया गया है, उसमें सविधान की कुछ बातें अंकित की गई है। जिसमें लिखा गया है, पांचवी अनुसूचित क्षेत्रों में लागू विधि, जिसमें 1 नं पर भारत का संविधान अनुच्छेद 13 (3)क के तहत रूढ़ी या प्रथा ही विधि बल है यानी सविधान की शक्ति है। 2 नं पर अनुच्छेद 19 (5) के तहत पांचवी अनुसूची जिलों या क्षेत्रों में कोई भी बाहरी गैर रूढ़ी प्रथा व्यक्तियों का स्वतंत्र रूप से भ्रमण करना निवास करना घूमना फिरना वर्जित करता है। वहीं 4 नं पर पांचवी अनुसूचित जिलों या क्षेत्रों में भारत का संविधान अनुच्छेद 244 (1) भाग (ख) धारा (51) के तहत सांसद या विधानमंडल का कोई भी सम्मानीय कानून लागू नहीं है यह लगाए गए बोर्ड पर लिखा हुआ है। प्रखंड के सभी स्थानों पर विधिपूर्वक छेछाड़ी परागना के सदस्यों के द्वारा लगाया गया था।

खबर प्रकाशित होने के उपरांत प्रशासन हरकत में आई और महुआडांड़ के विभिन्न स्थानों में पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में प्रवेश वर्जित को लेकर छेछाड़ी परागना के सदस्यों द्वारा लगाए गए बोर्ड उखाड़ कर थाना ले गईं हैं। यह कार्रवाई दंडाधिकारी जितेंद्र कुमार गुप्ता की अगुवाई में की गई। इस कारवाई के समय प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग, थाना प्रभारी आशुतोष यादव दल बल के साथ उपस्थित थे। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग ने बताया कि हम लोगों को जैसे जानकारी मिला बोर्ड को हटा लिया गया है ये सभी बोर्ड किन लोगों के लगाई गई है यह जानकारी प्राप्त की जा रही है और अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

अनियंत्रित टेलर दुर्घटनाग्रस्त, बाल बाल बचा बाइक सवार

मयूरहंड(चतरा)। शनिवार को मयूरहंड थाना क्षेत्र के मंझगावां चौक में अनियंत्रित हो टेलर एनएल 01 7436 पलटी गया। वहीं एक बाइक सवार उसके चपेट में आने से बाल-बाल बच गया। वाहन इटखोरी प्रखंड के मुरुमदाग निवासी जितेंद्र यादव की बताई गई। मिली जानकारी के अनुसार टेलर हजारीबाग से इटखोरी की तरफ जा रही थी। तभी अनियंत्रित होकर पलटी कर गयी। जिसमें चालक व उप चालक सुरक्षित बचे पर सड़क किनारे खडा एक अपाची मोटरसाइकिल को अपने चपेट में ले लिया, जिससे बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जबकी बाइक सवार महेशा गांव के मोहम्मद बेलाल अंसारी बाल बाल बच गया। वहीं सूचना पाकर थाना प्रभारी रामवृक्ष राम एवं अवर निरीक्षक श्रीराम पंडित दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर टेलर को कब्जे में लिया।

हुटाप दुमुहान पुल के समीप स्कूल से घर लौट रहे छात्र पर चाकू से हमला

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 75 रांची मेदिनीनगर मुख्य पथ के समीप हुटाप दुमुहान पुल के पास शनिवार दोपहर एक स्कूली छात्र को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। घायलावस्था में छात्र को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉ एनके पांडेय के द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया गया। घायल छात्र की पहचान हुटाप निवासी जलेंद्र मुंडा के 17 वर्षीय पुत्र विकास कुमार मुंडा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार विकास आरके प्लस टू हाइ स्कूल में कॉमर्स विषय का विद्यार्थी है विकास शनिवार को भी स्कूल से पढ़ाई कर साईकल से वापस हुटाप स्थित अपने घर जा रहा था दुमुहान पुल के समीप दो अज्ञात युवकों ने उसे रोककर उसपर चाकू से हमला कर दिया चाकू छात्र के हाथ व पीठ पर लगी जिसकी वजह से वह बुरी तरह से घायल हो गया हमलावर विकास को चाकू मारने के बाद वहां से फरार हो गए। चिकित्सा प्रभारी एनके पांडेय के अनुसार युवक खतरे से बाहर है। इधर घटना की सुचना मिलते ही पुनि सह थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा घटना स्थल पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जिला स्तरीय उर्जा समिति की हुई बैठक, उपायुक्त ने दिये दिशा-निर्देश

जिलेभर में बेहतर विद्युत व्यवस्था बहाल करें : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उर्जा समिति की बैठक हुई। जिसमें मुख्य रूप से 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन डाढ़ा चतरा, मां भद्रकाली मंदिर इटखोरी में स्ट्रीट लाईट कनेक्शन, राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे 100 यूनिट फ्री बिजली की सुविधा, ट्रांसफार्मर की उपलब्धता के साथ-साथ चतरा में ट्रांसफार्मरों कि मरम्मति को लेकर बनाए जाने वाले वर्कसॉप से संबंधित जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने कई दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिले में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से आपूर्ति करने, माता भद्रकाली मंदिर इटखोरी में स्ट्रीट लाईट कनेक्शन हेतु प्रबंधन समिति से तत्काल समन्वय स्थापित कर कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, को निर्देशित किया कि नियमानुसार सभी घरेलू उपभोक्ताओं को राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे 100 यूनिट फ्री बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई जाय। साथ ही सभी जले हुए ट्रांसफार्मर को तत्काल बदल कर विद्युत की आपूर्ति का निर्देश दिया गया। विद्युत से संबंधित उपकरणों की मरम्मति को लेकर उपायुक्त ने विद्युत प्रमंडल को वर्क शॉप खोलने हेतु भूमि चिन्हित करने एवं वर्क शॉप निर्माण कार्य करने समेत को लेलकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में सांसद प्रतिनिधि, सिमरिया विधायक प्रतिनिधि, कार्यपालक अभियंता ट्रांसमिशन हजारीबाग, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य संबंधित मौजूद थे।

मासिक लोक अदालत में 47 वादों का निपटारा

चतरा। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा मासिक लोक अदालत का आयोजन जिला व्यवहार न्यायालय में अंतिम शनिवार को किया गया। जिसमें कुल 47 वादों का निपटारा करते हुए 9 लाख छः हजार रुपए सरकारी राजस्व की वसुली की गई। लोक अदालत में मामलों के निपटारे के लिए 3 बेंचों का गठन किया गया था। पहले बेंच में राजेश कुमार सिंह, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम, सदस्य दुखी प्रसाद एवं सुजीत कुमार घोष अधिवक्ता, बेंच 2 में विनय कुमार लाल, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अवर न्यायाधीश द्वितीय, सदस्य राजीव श्रीवास्तव एवं राम आशीष पाठक पैनल अधिवक्ता व तीसरे बेंच में अदनान अकीब, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी एवं सदस्य इंदुभूषण कुमार एवं प्रवीण रंजन पैनल अधिवक्तागण उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव प्रज्ञा वाजपेई ने दी।

पीएम आवास योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक, दिये कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। शनिवार को गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीत कुमार सिंह ने पंचायत सचिव व स्वयंसेवकों के साथ प्रधानमंत्री आवास को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की समीक्षा पंचायतवार करते हुए बीडीओ ने स्वयंसेवकों को अधूरे आवास को जल्द पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्य में ढीलाई बरतने पर स्वयंसेवकों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा क्षेत्र में भ्रमण कर वैसे लाभुकों को चिन्हित कर सूची प्रखंड कार्यालय को समर्पित करें जो पैसा लेकर कार्य नहीं कर रहे हैं। पंचायत सेवकों व स्वयंसेवकों को एक-एक लाभुक के पास जाकर आवास का सत्यापन करने का भी निर्देश दिया। बैठक में पंचायत सेवक मिथलेश कुमार सिंह, महेश मिस्त्री, चितरंजन शर्मा, उजवल सिंह, स्वंसेवक मुनेश्वर दांगी, विकास कुमार विकु व उपेंद्र राम सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

बोलबा में सांप काटने के बाद महिला की स्थिति नाजुक, झाड़फूंक में पड़े थे परिजन

बोलबा। प्रखंड के कुन्दूरमुंडा सल्या टोली गांव में सोमरी तिर्की (45 वर्ष) की बीती रात के लगभग 12 बजे जहरीले सांप ने काट लिया उन्होंने लोगों को बताया तो झाड़-फूंक के लिए ओझा-गुनी एवं वैद्य लोगों को बुलाया गया झाड़फूंक करने के बाद भी सांप का विष नही उतरा तो बोलबा अस्पताल लाया गया। डॉ देबातोष भूटिया ने बताया कि मरीज का स्थिति बिल्कुल नाजुक हो गया था ।उन्हें बेहतर ईलाज के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इधर सदर अस्पताल सिमडेगा लाने के बाद परिजनों से पूछताछ पर पता चला कि देर रात उसे जहरीले सांप ने डसा जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी जहां पर स्थानीय झाड़-फूंक करने वाले को बुलाया गया जो काफी देर तक झाड़फूंक करता रहा लेकिन किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई तब जाकर उसे बोल बास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था जहां से डॉक्टर ने सदर अस्पताल भेजा इधर सदर अस्पताल सिमडेगा में उसकी इलाज चल रही है फिलहाल स्थिति नाजुक बनी हुई थी।

बानो बीपीओ ने जाति प्रमाणपत्र निर्गत के लिए प्रधानाचार्य से की बैठक

बानो। प्रखंड सभागार में बीपीओ निर्मला लिंडा की उपस्थिति में प्रखंड के बिभिन्न विद्यालयो के प्रधानाचार्य की बैठक हुई। जिसमे सभी विद्यालयों में पढ़ रहे एस सी/एसटी एवं ओबीसी बच्चो का जाति प्रमाण पत्र अबिलम्ब बनवाने पर चर्चा हुई उन्होंने अविभावकों से सम्पर्क कर सम्बंधित सम्बंधित प्रज्ञा में आवश्यक कागजात जमाकर बच्चो का जाति प्रमाण पत्र बनवाने अपने सहयोग करे। जिससे प्रमाण पत्र जल्दी बन सकेगा, बैठक में स्मिथ कुमार सोनी, ओमप्रकाश ओहदार, सन्ध्या सिंह, मनोज यादव, केदार सिंह, सहित विभिन्न विद्यालय के प्रधानाध्यक ने भाग लिया।

सड़क हादसे में दो युवक गम्भीर रूप से घायल

भंडरा/लोहरदगा। लोहरदगा भंडरा मुख्यपथ में नवडीहा चौक के समीप सड़क हादसे में दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायलों को भंडरा थाना के एसआई विकास विश्कर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों की पहचान कचमची निवासी आंनद उराँव 26 एवं फूलदेव उराँव उम्र 28 के रूप में किया गया। जनकारी के मुताबिक दोनो युवक भंडरा से टीवीएस मोपेड से खाद लेकर गांव लौट रहे थे इसी दौरान एक चट्टी की ओर से आ रही एक अज्ञात बुलेट चालक ने ठोक दिया और मौके से फरार हो गया इस घटना में दोनो युवक घायल हो गए। भंडरा पुलिस ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

ठेठईटांगर दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक संजय प्रसाद बने अध्यक्ष

ठेठईटांगर। दुर्गा पूजा तैयारी को लेकर शिव मंदिर परिसर में शुक्रवार देर शाम दुर्गा पूजा समिति ठेठईटांगर की बैठक संपन्न हुई। बैठक नरेंद्र बड़ाईक की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सर्वसम्मति से पुराने कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का गठन किया गया। नयी नये कमेटी में संजय प्रसाद को अध्यक्ष और अनिल कुमार गुप्ता परमानंद दास मिथिलेश कुमार अरविंद कुमार सिंह मुकेश केसरी को उपाध्यक्ष बनाया गया। संतोष कुमार सिन्हा को सचिव एवं पप्पू शाह को सह सचिव बनाया गया। शैलेश कुमार को कोषाध्यक्ष का पद सौंपा गया। इसके साथ ही राजू सिंह राजेंद्र बड़ाईक बंशी प्रसाद विजय ठाकुर प्रसन्न कुमार सिन्हा को संरक्षक बनाया गया। बैठक में विगत वर्षो का पूर्व कोषाध्यक्ष के द्वारा आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत कर बचत दिखाई गई वही दुर्गा पूजा समिति के मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया विगत 2 साल कोरोना काल के बाद 2022 दुर्गा पूजा पूरे धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने सेतु शिक्षा केन्द्र का किया निरीक्षण

कुडू-लोहरदगा। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखण्ड सरकार और हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया के सहयोग से जिले में संचालित तेजस्विनी परियोजना अंतर्गत कुडू प्रखंड में चलाये जा रहे सेतु शिक्षा केन्द्र का जिला कार्यक्रम प्रबंधक महेन्द्र ने निरीक्षण किया। मौकेपर उन्होंने बताया कि इसके तहत 14 से 20 वर्ष की वैसी किशोरियां जो स्कूल छोड़ चुकी हैं उन्हें सेतु शिक्षा के माध्यम से शिक्षित बनाने का कार्य किया जा रहा है। मौके पर प्रखंड समन्वयक गौरव पारीक, संकुल समन्वयक दीपाली कुमारी, सुमन कुमारी आदि उपस्थित रहे।

युवा सद्भावना मैच की विजेता बनी सलगी की टीम

कुडू-लोहरदगा। प्रखंड के पक्षमी सुदूरवर्ती पंचायत सलगी पंचायत मे युवा सद्भावना मंच के तत्वावधान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार, मंच के सदस्य सलीम अमीर मौजूद रहे। सलगी नावाडीह और छापर टोली के बीच खेले गए सद्भावना मैच में छापर टोली की टीम प्लाण्टी शूटआउट में 1 गोल से विजयी हुई। मौके पर गौरीश गौरव, प्रमोद साहू, पंचायत की मुखिया सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

कुडू में पुराने बीईईओ को दी गयी विदाई और नये का स्वागत

कुडू-लोहरदगा। राजकीय बुनियादी विद्यालय कुडू में शनिवार को स्वागत सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। बीपीओ परवेज शाह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में शिक्षकों और सभी कमीर्यो की ओर से नए बीईओ जयमंगल लोहार का स्वागत और पूर्व बीईओ सिमा कुमारी को अंगवस्त्र, पुष्पुच्छ एवं उपहार देकर विदाई दी गई। कार्यक्रम में मंच संचालन शभु कुमार शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन अली रजा अंसारी ने किया। बुनियादी विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से शुरू हुए समारोह के दौरान एक ओर पुरानी बीईईओ ने अपने सहयोगियों के साथ बिताए पालो को याद कर भावुक हो गयी वहीं दूसरी ओर नवनियुक्त बीईईओ ने उपस्थित सभी शिक्षकों का परिचय प्राप्त किया तथा आपस में मिल जुलकर प्रखंड को आगे भी नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहयोग का आग्रह किया। मौके पर प्रधानाध्यापक अर्सलानी होरो, प्रतिमा किंडो, संकुल साधान सेवी संतोश कुमार, अमृत लाल, संजीव कुमार, सुदामा चौधरी, जसीम अंसारी, बैद्यनाथ प्रजापति, अनिरुद्ध साहू, अर्सलानी होरो, उषा कुमारी, मोदस्सर नजर, बसंत राम, पवन कुमार, मीणा सिंह, राशिदा खातून सहित कई शिक्षक, संकुल साधान सेवी व संसाधन कर्मी और विद्यालय के बच्चे उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सेन्हा में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा की, कहा

वर्ष 2019-20 के अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शनिवार को प्रखंड सेन्हा में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा समाहरणालय सभागार में हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण), मनरेगा, बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, दीदी बगिया योजना, कूप निर्माण, जिओ टैगिंग, एरिया ऑफिसर एप्प, मापी पुस्तिका, आंगनबाड़ी निर्माण नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना, पोटो हो खेल विकास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, की समीक्षा की गई। बिरसा हरित ग्राम योजना में पंचायत भडगांव, सेन्हा, एवं तोड़ार में गडढ़ा भरने का कार्य तीन दिन में कर लेने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात पौधरोपण के कार्य किये जायें। नीलाम्बर पीताम्बर जल समृद्धि योजना की समीक्षा में सेन्हा, भडगांव,

अरु, डाडू पंचायत में कम टीसीबी लिए जाने के कारण रोजगार सेवक एवं पंचायत सेवक को (एनआरएम) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन योजना का अध्ययन एवं योजना क्रियान्वयन की एक लिखित रिपोर्ट प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा में सभी पंचायतो के वर्ष 2019-20 के अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन, प्रति गांव में संचालित योजना, दीदी बाड़ी योजना, कुआं योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना में अरु, सेन्हा, डाडू, भड़गांव तथा मुरकीटोडार में खेल मैदान के कार्य कराने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री पशु विकास योजना में लक्ष्य के विरुद्ध कम पशुशेड निर्माण पर लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश जेई तथा एई को दिया गया। योजनाओं की जियो टैगिंग डाडू एवं उगरा पंचायत का पूर्ण करने, योजनाओं की पूर्णता, एरिया अफसर एप में बीडीओ/बीपीओ, एईई/जेईई का फील्ड विजिट कर 100 प्रतिशत इंट्री करने, मनरेगा मजदूरों का आधार कार्ड इंट्री में झलजमीरा तथा मुरकीटोडार में अधिक बाकी है जिसे पूर्ण करने का निर्देश, मापी पुस्तिका, जॉब कार्ड का सत्यापन आदि बिंदुओं की समीक्षा कर पूर्ण करने का निर्देश दी गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रवीण केरकेट्टा, कल्याण पदाधिकारी नारायण राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक चोपड़ा, जेएसएलपीएस के प्रकाश रंजन, मनरेगा परियोजना पदाधिकारी सुधीर मुर्मू, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) केके गुप्ता, सभी सहायक अभियंता/कनीय अभियंता, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक आदि उपस्थित थे।

नगर परिषद बोर्ड की मासिक बैठक संपन्न

पान मसाला कार्यालय में खाने वालों पर होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा नगर परिषद की मासिक बोर्ड बैठक का आयोजन शनिवार को नगर परिषद कार्यालय सभागार में आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष पुष्पा कुल्लू के द्वारा की गई मौके पर एसडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी महेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश साहू सभी वार्ड पार्षद एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम नगर परिषद अंतर्गत संचालित योजना एवं कार्यों की बारीकी से समीक्षा करते हुए कार्यों को तेजी लाते हुए कार्यों में सुधार लाने को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा सिमडेगा टैक्सी स्टैंड में मूलभूत सुविधाओं की कमी को जल्द से जल्द पूरा करने से संबंधित बोर्ड में निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि नगर परिषद में कार्य करने वाले कर्मचारी एवं अन्य कोई भी बाहर से आने वाले लोग पान मसाला गुटखा खाकर प्रवेश करते हैं तो उन पर 200 का जुमार्ना लगाया जाएगा एसडीओ महेंद्र कुमार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कार्यालय को साफ सुथरा एवं शहर को साफ-सुथरा बनाने के लिए सभी लोगों के सहयोग की आवश्यकता है ताकि सही तरीके से संचालन हो सके। वहीं अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर चर्चा करते हुए सरकारी भूमि पर जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा होल्डिंग टैक्स ट्रेड लाइसेंस पेयजल साफ-सफाई सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा हुई इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास में जो अधूरे किए गए कार्यों को पूरा करने एवं जो कार्य नहीं कर रहे हैं उन्हें सरेंडर करने से संबंधित सभी चीजों पर चर्चा करते हुए बैठक की समाप्ति की गई।

गणेश पूजा को लेकर एसडीओ की अध्यक्षता में विधि व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

जुलूस पर डीजे पूरी तरह से रहेगी प्रतिबंध शांतिपूर्ण तरीके से किया जायेगा विसर्जन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आगामी 31 अगस्त को होने वाले गणेश पूजा की तैयारियों को लेकर सिमडेगा एसडीओ महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में शनिवार की शाम कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सिमडेगा शहर क्षेत्र के सभी पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे। मौके पर एसडीओ महेंद्र कुमार ने सभी समिति के पदाधिकारियों का बैठक में स्वागत करते हुए गणेश पूजा को लेकर बारीकी से सभी बिंदुओं पर समीक्षा की इस

दौरान उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान किसी प्रकार की कोई भी समस्या ना हो इसका विशेष ध्यान रखें सभी पूजा समिति अपने वॉलिंटियर्स की सूची अनुमंडल कार्यालय में समर्पित करेंगे ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी में प्रशासन सहयोग कर सकें इसके अलावा पूजा पंडाल में डीजे का प्रतिबंध विसर्जन तक पूरी तरह से रोक रहेगी। शांतिपूर्ण तरीके से कम साउंड वाले बाजा के साथ पूजा को संपन्न करने के निर्देश दिये। इसके अलावा विसर्जन शोभायात्रा में किसी प्रकार की विवादित गाना ना बजे और एक साथ सामूहिक रूप से किसी भी पूजा पंडाल का विसर्जन ना हो इसका ध्यान देने की बात कही। बैठक में पूजा समिति के पदाधिकारियों ने भारी बारिश से अपने विसर्जन जुलूस के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जिसके बाद उन्होंने सभी लोगों को शांतिपूर्ण माहौल में गणेश पूजा संपन्न करने के लिए निर्देश दिए मौके पर कार्यपालक दंडाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंकज भगत, सिमडेगा थाना के सब इंस्पेक्टर सुधीर बाड़ा उपस्थित रहे।

एसपी ने किस्को थाना का वार्षिक निरीक्षण कर दिए निर्देश

थाना क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों को चिन्हित कर करें कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पुलिस अधीक्षक लोहरदगा आर रामकुमार के द्वारा किस्को थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक महोदय के किस्को थाना पहुँचने पर पुलिसकर्मी द्वारा स्वागत किया गया तथा जवानों के द्वारा सलामी दी गई। निरीक्षण के क्रम में किस्को थाना परिसर, मोर्चा, जवानों और पदाधिकारी के आवासन स्थल, थाना भवन, सिरिस्ता, विशेष कर दंगा नियंत्रण सामानों का मुयायना किये थाना को साफ सुथरा रखने का निर्देश दिये। तदोपरांत थाना के सभी अभिलेख अपराध संचिका, डकैती, लूट पंजी, दागी रजिस्टर, मालखाना पंजी, थाना खतियान, रोकड़ बही, फरारी पंजी, दागी पंजी, गुंडा रजिस्टर, जोनल पदाधिकारी से गांव के संबंध जानकारी प्राप्त करना, लंबित कांडो की समीक्षा आदि का विस्तृत रूप से अवलोकन किया गया। पाई गई त्रुटि को सुधार करने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के थानों में सक्रिय अपराधियों को चिन्हित करते हुए करवाई करने का निर्देश दिया गया है। थाना सिरिस्ता के सफाई उच्य कोटी के पाये जाने पर पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाये रखने हेतु पुरुस्कृत भी किया गया। निरीक्षण के क्रम में बी.एन.सिंह, अनु .पु.पदा, लोहरदगा, सन्नी कुमार थाना प्रभारी किस्को, अनि शम्भू प्रसाद सिंह, सअनि अविनाश सिंह, गोविंद सिंह, राजकिशोरी कुजूर एवं सभी पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पहुंची जोकबहार, स्कूली बच्चों को दिया हॉकी के टिप्स

सिमडेगा। राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय जोकबहार सिमडेगा में शनिवार को विद्यालय परिवार के आग्रह पर जिले की दो अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सुमराय टेटे एवं असुंता लकड़ा विद्यालय पहुंची जिनका स्वागत विद्यालय के बच्चों के द्वारा बुके एवं माला पहनाकर किया गया तत्पश्चात खेल शिक्षक ललित जुगनू मिंज के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उपस्थित दोनो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे पढ़ाई के साथ साथ खेल के क्षेत्र में भी अपना भविष्य उज्जवल कर सकते हैं उन्होंने कहा कि हम भी एक गरीब परिवार से संबंध रखते हुए भी खेल के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करते हुए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने है। इससे विद्यालय के बच्चे काफी प्रभावित हुए। इसके बाद विद्यालय के शिक्षक प्रेम कुमार शर्मा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को विद्यालय बुलाने का मकसद विद्यार्थियों में इनके जैसा महान खिलाड़ी बनने के लिए प्रेरित करना श्री शर्मा के द्वारा दोनो खिलाड़ियों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दिया गया। इसके बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने विद्यार्थियों को हॉकी के कुछ टिप्स भी दिए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बच्चें उपस्थित थे।

मुखिया से भंडरा के कार्डधारियों ने जविप्र दुकानदार पर अनाज व राशन तेल नहीं देने की शिकायत की

भंडरा/लोहरदगा। जन वितरण प्रणाली के दुकानदार सुरेंद्र यादव के द्वारा कार्ड धारियों को अनाज एवं राशन तेल नहीं देने के मामले को लेकर कार्डधारियों ने भंडरा पंचायत के मुखिया इंद्रदेव उरांव को आवेदन देकर राशन का वितरण सुनिश्चित कराने की मांग किया। राशन कार्ड धारियों ने मुखिया को बताया कि महीने का आखरी दिन होने के बावजूद भी राशन दुकानदार सुरेंद्र यादव के द्वारा अनाज का वितरण नहीं किया जा रहा है। 15 दिनों से लगातार कार्डधारी राशन लेने के लिए दुकान में आते हैं परंतु उन्हें राशन नहीं दिया जाता है। कार्डधारियों को राशन नहीं देकर वापस भेज दिया जाता है। राशन दुकानदार के व्यवहार से परेशान होकर कार्ड धारियों ने मुखिया का आवेदन देकर मांग किया कि इस दुकानदार से कार्डधारियों को निजात दिलाया जाए। किसी दूसरे राशन दुकानदार से राशन दिलाने की व्यवस्था की जाए। कार्ड धारियों ने मुखिया को बताया कि राशन दुकानदार सुरेंद्र यादव कार्डधारियों से अच्छा व्यवहार नहीं करता है और राशन लेने के लिए कई दिनों तक चक्कर लगवाता है। अगर राशन व्यवस्था में सुधार नही किया जाता है तो कार्ड धारी आगे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस संबंध में कार्डधारियों को मुखिया ने आश्वासन दिया कि सभी कार्डधारियों को किसी दूसरे जनवितरण दुकानदार से राशन दिलाने की व्यवस्था की जाएगी। कार्डधारकों में सूरज उरांव, कमला देवी, सिमा देवी, बसंती मुंडा, रीना देवी, पंचू उरांव, जीवन राम, गौरी उरांव, बिरसु उरांव, बसंत साहू आदि मौजूद थे।

बीआईडी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा गुमला मुख्यपथ के बीआईडी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर मंदिर में पूजा पाठ के बाद भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से पूजा शुरू हुई। पंचमुखी हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर राम चरित मानस, सुंदरकांड आदि का अखंड पाठ किया गया। अखंड पाठ के बाद मंदिर परिसर में हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें लोक कल्याणार्थ नगर के समाज सेवियों व भक्तों ने वेद मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां अर्पित कीं। पुरोहितो ने कहा कि मनुष्य के जीवन में यश कृति सुख समृद्धि व शांति के लिए भगवान का पूजा आराधना जरूरी है। भगवान हनुमान के गुणगान से पूरे वातावरण में सुधता आ जाती है। वही दोपहर के तीन बजे से भंडारा का प्रसाद वितरण हुआ। सबसे पहले भगवान हनुमान को भोग का प्रसाद लगाया गया। वही पूड़ी सब्जी, सेव, चटनी, बुंदिया आदि का भी भोग भगवान को लगाया गया। इसके बाद पुरोहितो को भंडारे का प्रसाद खिलाया गया। इसके बाद आम जनता के लिए प्रसाद शुरू किया गया। मंदिर के वार्षिकोत्सव का भंडारा का प्रसाद खाने के लिए लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग कतारबद्ध होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इधर पंचमुखी हनुमान मंदिर में वार्षिकोत्सव के मौके पर विशेष पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान जय श्री राम के नारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। वहीं इस अवसर पर मंदिर परिसर को बहुत ही मनमोहक एवं आकर्षक तरीके से कृत्रिम एवं वास्तविक फूलों तथा लाल पताकों से सजाया गया था। जय श्री राम एवं जय हनुमान के नारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था। इधर देर शाम तक भंडारे में दूर दराज से भारी संख्या में आए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इधर इस कार्य मे सभी सनातनी धर्म समुदाय के लोगो का सहयोग मिल रहा था। सभी सनातनी राम भक्त, हनुमान भक्त अपनी क्षमता अनुसार मंदिर के वार्षिकोत्सव के लिए सहयोग राशि भी दिए। बता दें कि हर वर्ष प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है।

बारिश के दौरान हुए सड़क सहित अन्य चीजों के नुकसान पर प्रमुख ने लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। जिले में पिछले दिनों हुए अत्याधिक बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित थी जहां दूसरी ओर केरया पंचायत अंतर्गत रचाकोना जाने वाले मार्ग अत्यधिक बारिश के कारण तेज बहाव में पूरा मिट्टी बह चुका है साथ ही लोदरोबेड़ा जाने वाला मार्ग भी बारिश के पानी में पूरी तरह मिट्टी कटाव से बह चुका है एवं आंबापानी के रास्ते बरपानी, कुटनिया जाने वाले मार्ग पर एक विशाल बरगद का पेड़ रोड के बीचो बीच गिरा पड़ा है। इसकी सूचना प्रमुख बिपिन पंकज मिंज को हुआ सुचना मिलते ही प्रमुख इन समस्याओं को देखने के लिए मोटरसाइकिल से संबंधित जगह पर पहुंचे एवं जल्द से जल्द समस्या का निदान करने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। साथ ही साथ ग्रामीणों से आग्रह किया कि सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक एवं अंधविश्वास में ना

पड़े तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचाएं। जिससे कि मरीज को बचाया जा सके उन्होंने कहा आय दिन सूचना मिलती है कि सर्पदंश में कई जाने जा चुकी है। इससे सबक लेकर ग्रामीण सुधर जाएं एवं झाड़-फूंक अंध विश्वास में ना फंसे, ग्रामीण प्रमुख से जुलाई एवं अगस्त माह का राशन ना मिलने का शिकायत कर रहे थे। प्रमुख ने आश्वासन दिया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से बात करके इसका निदान किया जाएगा। मौके पर पंचायत समिति सदस्य नेहा कंडुलना वार्ड सदस्य अनिल सुरीन, प्रिंस कुमार आदि मौजूद थे।

कायाकल्प में बेहतर कार्य के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल को राज्य भर में मिला नंबर वन रैंक

सरकार की ओर से प्रथम पुरस्कार के रूप में सदर अस्पताल को दिया 50 लाख

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा में कायाकल्प के क्षेत्र में सरकार की ओर से मानक तय करते हुए पूरे राज्य भर में पहला स्थान दिया है। बताया गया कि सरकार की ओर से आई हुई ऑडिट टीम के द्वारा पिछले चार महीना पूर्व किए गए ऑडिट के अनुसार 24 जिले में बेहतर कार्य करने के लिए सिमडेगा जिले को प्रथम स्थान में चुना है और सरकार की ओर से 5000000 रुपए की राशि भी दी गई है। हाईवे ऑडिट टीम के द्वारा सदर अस्पताल में बारीकी से निरीक्षण करने के पश्चात सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी जिसके आधार पर समीक्षा हुई और समीक्षा के आधार पर सदर अस्पताल को बेस्ट हॉस्पिटल इन झारखंड का अवार्ड प्राप्त हुआ। बताया गया कि राज्य के मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा कार्यक्रम आयोजित करते हुए उक्त अवॉर्ड फॉर दी जाएगी हालांकि घोषणा होने पर सदर अस्पताल सहित

पूरे स्वास्थ्य प्रबंधन के अंदर खुशी का माहौल है। मैनेजर अलका कुल्लू ने बताया की सदर अस्पताल को बेहतर से बेहतर सुख सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दिन रात मेहनत करते हुए यहां पर रंग रोगन साफ-सफाई पार्किंग की व्यवस्था पीने की पानी लाइट सहित सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है जिससे कि यहां पर आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की कोई भी समस्या ना पिछले दिनों किए गए कार्यों के बाद सरकार के द्वारा मिली पहले स्थान से पूरे स्वास्थ्य दिमाग के अंदर खुशी का माहौल है।

किन किन क्षेत्रों में की गई थी ऑडिट : झारखंड राज्य के सभी सदर अस्पताल सहित छोटे अस्पतालों की भी ऑडिट की गई थी जहां पर सदर अस्पताल को चुना था सदर अस्पताल में ऑडिट के दौरान सबसे पहले सदर अस्पताल के रखरखाव सहित सभी प्रकार की चीजों की से जांच की गई इसके अलावा सैनिटाइजेशन हाइजीन की व्यवस्था, सपोर्ट सर्विस, वेस्ट मैनेजमेंट, इनफेक्शन कंट्रोल, हाइजीन प्रमोशन, हॉस्पिटल बाउंड्री आदि सभी चीजों को की गई जिसके आधार पर 93. 5% रैंक दिया गया जिसके बाद कायाकल्प क्लीन हॉस्पिटल अवार्ड के लिए चुना गया।

किन चीजों में होगी 50 लाख खर्च : सरकार द्वारा तय किए गए मानकों के अनुसार 50 लाख की राशि में से 25% नगद अवार्ड के रूप में स्टाफ एवं टीम के बीच में वितरण करने की बात कही गई है जबकि 75% है सदर अस्पताल के कायाकल्प में उसे लगाना है। कायाकल्प दिशानिर्देश के अनुसार। नकद पुरस्कार राशि का 75% रोगी कल्याण रखरखाव और सुविधाओं में सेवाओं के लिए स्टाफ रेस्ट रूम, ड्यूटी रूम जिसमे पर्दे कुर्सी, बिस्तर और बिस्तर कवर, माइक्रोवेव, एसी, रूम हीटर, इमरजेंसी लाइट आदि की सुविधाओं में सुधार, किताबों, पत्रिकाओं के साथ पुस्तकालय, डॉक्टर, नर्स के लिए अस्पताल की सुविधा रखरखाव में सुधार जैसे बागवानी, प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर स्थिरता, अपशिष्ट, कीट और पशु नियंत्रण, पीने के पानी की उपलब्धता डिस्पेंसर आदि इसके अलावा रोगी के बैठने की जगह के लिए कुर्सी की खरीद कार्य स्थल सौंदर्य उपस्थिति साबित करना पेंट, चारदीवारी, साइनेज सिविल कार्य आदि एवं रसोई सेवा जिसमे खाद्य ट्रॉली, खाने की मेज और सुरक्षा सेवा आदि कुर्सी स्वच्छता सेवा शौचालय, बाथरूम की मरम्मत और सफाई द्वारा सहायता सेवाओं में सुधार कपड़े धोने की सेवा कोई भी नवीन गतिविधि जैसे रोगी प्रबंधन का उपयोग करना जिसमे टोकन सिस्टम, कैफेटेरिया, टीवी रूम में खर्च कर सकते हैं।

क्या कहते है सिविल सर्जन : इधर कायाकल्प क्लीन हॉस्पिटल अवार्ड मिलने के बाद सिविल सर्जन डॉक्टर नवल कुमार ने खुशी जताते हुए कहा कि यह कार्य सदर अस्पताल के सभी स्वास्थ्य कर्मी मैनेजर स्टाफ एवं डॉक्टरों के किए गए कार्यों का नतीजा है कि पूरे झारखंड राज्य में सिमडेगा जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है और इसका पूरा श्रेय उन्हीं को जाता है उन्होंने कहा कि यह कार्य आसान नहीं था लेकिन सभी लोगों के टीम वर्क के कारण पूरा हो सका है साथ ही उन्होंने कहा इसे बरकरार रखने के लिए आगे भी जो भी सुविधाएं होंगी उसे बेहतर करने का काम किया जाएगा।

आज होने वाले जमीअत उलेमा के तत्वावधान में सद्भावना मंच के लिए विशप को दिया न्योता

सिमडेगा। जमीअत उलेमा जिला इकाई के द्वारा रविवार की शाम 6 बजे से इस्लामपुर स्थित जमजम काम्पलेक्स में सदभावना मंच का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सभी धर्मसंप्रदाय के लोगों को आमंत्रित किया गया है। जमीअत उलेमा के सदर मौलाना मिन्हाज ने बताया कि कार्यक्रम आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में अमन का पैगाम दिया जाएगा। समाज में आपसी सदभाव कायम हो इस दिशा पर विचार व्यक्त किए जाएंगें। बताया गया कि कार्यक्रम में वक्ता के रूप में जैन मुनी महाराज, बिशप विंसेंट बरवा, पंडित वासुदेव, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत मौजूद रहेंगें। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सदस्यों के बीच जिम्मेवारी सौंपी गई है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जमीअत के पदाधिकारियों ने उक्त धर्मगुरूओ से मिलकर कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया है। उक्त धर्मगुरूओ ने कार्यक्रम में शामिल होने की बता कही है। इधर कार्यक्रम को लेकर शनिवार को सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। मौके पर मौलाना अय्याज काशमी, मौलाना आसिफुल्लाह, मो.ग्यास, खुबैब शाहिद, डा.इम्तियाज, शौकत अली अंसारी, सहित कई लोग मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

22 एमएसएमई समेत 32 कंपनियों ने किये आवेदन

नयी दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप दूरसंचार उपकरण निर्माण के लिए ठोस कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार को डिजाइन आधारित पीएलआई योजना के लिए 32 आवेदन प्राप्त हुए हैं। दूरसंचार क्षेत्र में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना 2021 में शुरू की गई थी। पीएलआई योजना के तहत वर्तमान में कुल 31 कंपनियां विभिन्न दूरसंचार उपकरणों का निर्माण कर रही हैं। दूरसंचार निर्माण में संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए, डिजाइन आधारित पीएलआई योजना को जून, 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत भारत में डिजाइन किए गए उत्पादों के लिए मौजूदा प्रोत्साहनों के अलावा 1 प्रतिशत का अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया। कुल 32 कंपनियों (22 एमएसएमई, 5 गैर-एमएसएमई घरेलू और 5 वैश्विक) ने आवेदन जमा किए हैं। इन 32 में से 17 कंपनियों द्वारा डिजाइन आधारित निमार्ताओं के रूप में आवेदन किये गए हैं। 18 नई कंपनियों ने आवेदन जमा किए हैं। भारत दूरसंचार और नेटवर्किंग उपकरणों के लिए डिजाइन तथा विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.7 अरब डॉलर घटकर 564.05 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 6.7 अरब डॉलर घटकर लगातार तीसरे सप्ताह गिरता हुआ 564.05 अरब डॉलर रह गया। इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में 2.24 अरब डॉलर की कमी आई और यह घटकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 570.74 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.8 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 501.21 अरब डॉलर रह गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार भी 70.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.91 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 14.6 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 17.98 अरब डॉलर पर रहा। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 5.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 4.93 अरब डॉलर पर आ गई।

वर्तमान आर्थिक स्थिति की रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड ने की समीक्षा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड ने आज देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने के साथ ही वैश्विक एवं घरेलू चुनौतियों के बीच वर्तमान वैश्विक भू राजनैतिक संकट के प्रभाव का आंकलन किया।रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में जयपुर में हुयी 597 वीं बैठक में यह समीक्षा की गयी। इसके साथ ही बोर्ड ने रिजर्व बैंक के परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों पर भी विचार विमर्श किया। इसके साथ ही स्थानीय बोर्ड की कार्यप्रणाली और गतिविधियों पर चर्चा की गयी। इस बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, डॉ माइकल देबब्रत पात्रा, एम रोजेश्वर राव, टी रविशंकर के साथ ही केन्द्रीय बोर्ड के अन्य निदेशकों सतिश के मराठे, एस गुरूमूर्ति, रेवती अय्यर, प्रो सचिन चतुर्वेदी, आनंद गोपाल महिंद्रा , वेघु श्रीनिवासन, पंकज रमनभाई पटेल और डॉ रविन्द्र एच ढोलकिया मौजूद थे। इसमें वित्तीय सेवाओं के सचिव संजय मल्होत्रा भी उपस्थित थे।

अमेरिका ने 26 चीनी उड़ानों को किया निलंबित

नई दिल्ली / वाशिंगटन। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि अमेरिका ने चीनी वाहक द्वारा संचालित 26 यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया क्योंकि बीजिंग की विमानन एजेंसी ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रसार को कम करने के लिए अमेरिका की कई उड़ानों को स्थगित कर दिया था। विभाग ने गुरुवार को अपने एक आदेश में कहा, ह्लहमें जनहित में एक और संशोधन की आवश्यकता है, जिससे चीनी वाहक की निर्धारित सेवाओं को सीमित किया जा सके। हमने 26 यूएस से चीन यात्री उड़ानों को निलंबित करने का निर्णय लिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7.4 फीसदी की दर से बढ़ेगी : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी की विकास दर को लेकर अलग-अलग संस्थाओं के भिन्न-भिन्न अनुमान है। अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा किया है कि कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7।4 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यह नहीं अगले वित्त वर्ष में भी भारत की जीडीपी का विकास इसी दर से होगा। विगत शुक्रवार को एफई बेस्ट बैंक अवॉर्ड समारोह के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अभी भी परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं। इसलिए अब लापरवाही से कोई कदम नहीं उठाया जा सकता। लापरवाही घातक साबित हो सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का विकास धीमा पड़ने का सबसे ज्यादा असर देश के एक्सपोर्ट सेक्टर पर हुआ है। सीतारमण ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले समय में तेजी से विकास करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे अपने अनुमानों ने भी परिस्थितियों के आधार पर दिखाया है कि हम निश्चित रूप से 7।4 फीसदी की विकास दर हासिल कर लेंगे। यही नहीं जीडीपी के विकास की यह दर अगले साल कायम रहेगी। सीतारमण ने कहा कि इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और वर्ल्ड बैंक का भी अनुमान है कि अगले दो वित्त वर्षों में भारत की विकास दर सबसे तेज रहेगी। इन दोनों वैश्विक संस्थाओं का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से मेल खाता है। उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह समय लापरवाही में कदम उठाने का नहीं है। वित्त मत्री ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी आने की वजह से निर्यात क्षेत्र को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। सरकार इन संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेगी, ताकि वे विपरीत परिस्थितियों का सामना कर सकें। वित्त मंत्री ने मुफ्त योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनको लेकर एक ठोस बहस की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव से पहले वादे करने वाले राजनीतिक दलों को खर्चों का ध्यान रखने के लिए बजटीय प्रावधान करना चाहिए, न कि अन्य संस्थाओं पर बोझ डालना चाहिए।

मीशो ने अपना किराना कारोबार बंद किया दो सौ से अधिक लोगों ने गंवाई नौकरी

नई दिल्ली । घरेलू सोशल कॉमर्स कंपनी मीशो ने कथित तौर पर भारत में अपना किराना कारोबार बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुपरस्टोर नाम की इस सेवा को भारत के 90 प्रतिशत से अधिक शहरों (नागपुर और मैसूर को छोड़कर) में बंद कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरी चली गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी के इस फैसले से तकरीबन 300 मीशो कर्मचारियों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। कंपनी ने इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बता दें कि बीते अप्रैल में मीशो ने मीशो को सुपर स्टोर के नाम से रीब्रांड किया था, जिसका उद्देश्य टियर 2 बाजारों में दैनिक उपभोग की वस्तुओं की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करना था। अप्रैल महीने में कंपनी ने 150 से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया था जिनमें से ज्यादातर फारमीशो से थे, क्योंकि इसका उद्देश्य कंपनी का अपने किराना व्यवसाय को मुख्य प्लेटफॉर्म के भीतर एकीकृत करना था। उससे पहले सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान भी 200 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ज्यादातर शहरों में कंपनी ने अपने किराना कारोबार का परिचालन बंद करने का फैसला कम राजस्व और अधिक खर्च को देखते हुए लिया। बता दें कि मीशो सुपरस्टोर छह राज्यों - कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रहे थे।

मुकेश अंबानी ने दुबई में खरीदा सबसे महंगा घर, शाहरुख व बेकहम होंगे पड़ोसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी ने दुबई में एक आलीशान बीच साइड बंगला खरीदने के लिए करार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुकेश अंबानी दुबई में बीच साइड विला के मिस्टी खरीदार हैं। बताया जा रहा है कि इस विला की कीमत 80 मिलियन डॉलर (6,396,744,880 रुपये) है। अंबानी इस शहर में अब तक के सबसे बड़े रेसिडेंसियल संपत्ति खरीदने वाले शख्स हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाम जुमेराह बीच पर इस संपत्ति को इस साल की शुरूआत में मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी के लिए खरीदा गया है। अंबानी के इस नए विला में एक बेडरूम, एक निजी स्पा और इनडोर व आउटडोर पुल हैं। बता दें कि दुबई शहर अल्ट्रा रिच लोगों के लिए एक पसंदीदा बाजार के रूप में उभर रहा है। बता दें कि वहां की सरकार ने लंबी अवधि के लिए गोल्डन वीजा की पेशकर कर विदेशियों के लिए घर खरीदना आसान बनाया है। इस लोकेशन पर ब्रिटेन के फुटबॉलर डेविड बेकहम और हिंदी सिनेमा के बादशाह शाहरुख खान जैसे दिग्गज अंबानी के नए पड़ोसी होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुबई में हुई संपत्ति डील को सीक्रेट रखा गया है। बताया जा रहा है कि अंबानी इसे अपने मुताबिक बनाने के लिए और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाखों डॉलर खर्च करने की तैयारी कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक अंबानी के सहायोगी परिमल नाथवानी समूह में कॉरपोरेट मामलों के निदेशक इस विला का प्रबंधन करेंगे। हालांकि, अंबानी का प्राथमिक निवास मुंबई में 27 मंजिला गगनचुंबी इमारत एंटीलिया ही रहेगा।

यूपीआई सेवाओं पर शुल्क लगाने का अभी सही समय नहीं, वित्त मंत्री बोलीं- इससे हो रहा जनता का भला

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को मुफ्त बनाए रखने के सरकार के रुख को दोहराया है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार का यह मानना है कि डिजिटल भुगतान प्रणाली से आम लोगों को सहूलियत मिल रहा है, इससे जनता का भलाई हो रहा है इसलिए यह जरूरी है कि यह सेवा आम लोगों को मुफ्त में मिलती रहे। वित्त मंत्री ने कहा हम डिजिटल भुगतान को सार्वजनिक हित के रूप में देखते हैं। लोगों को इन सुविधाओं का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण उनके लिए आकर्षक बना रहे। निर्मला सीतारमण ने कार्यक्रम के दौरान कहा, ह्यहम डिजिटलीकरण के माध्यम से उच्च स्तर की पारदर्शिता हासिल करना चाहते हैं। इसलिए, हमें लगता है कि अभी वढक सेवाओं के लिए शुल्क लेने का उचित समय नहीं आया है। वित्त मंत्री की टिप्पणी वित्त मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आई है कि वढक पर कोई शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है। बता दें कि वढक एक जनवरी 2020 से जीरो चार्ज फ्रेमवर्क पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा था कि सेवा प्रदाताओं की ओर से वहन की जाने वाली लागत को अन्य माध्यमों से वसूल किया जाएगा। बता दें कि पिछले हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी एक डिस्कशन पेपर में सुझाव मांगा गया था कि यूपीआई और अन्य भुगतान प्रणालियों के माध्यम से लेनदेन पर शुल्क लगाया जाना चाहिए या नहीं।

भारत, स्वीडन के बीच स्वस्थ विमानन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग का करार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और स्वीडन की समकक्ष एजेंसी एलएफवी एयर नेविगेशन सर्विसेज ने विगत शुक्रवार को उत्सर्जन को कम करने वाली नयी पीढ़ी की विमानन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के करार पर हस्ताक्षर किए। यहां राजीव गांधी भवन में एएआई कार्यालय में हुए इस समझौते के तहत भारतीय विमानन क्षेत्र के कई भागीदार इस करार के तहत मिल कर और अगली पीढ़ी की स्वस्थ विमानन प्रौद्योगिकी के विकास और संचालन में प्रमाणिक क्षमताओं के साथ स्वीडन के सहयोग से विमानन के दक्ष समाधानों की खोज करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस करार से दोनों देशों के बीच विमानन विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी के द्विपक्षीय आदान-प्रदान का रास्ता आसान होगा। भारतीय कंपनियां स्वीडिश नवाचार और विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए विकास की गति बढ़ाएंगी। करार के तहत कंपनियां आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग कर सकती हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस करार पर एएआई के श्री एम सुरेश (सदस्य, एयर नेविगेशन सर्विसेज) और एलएफवी स्वीडन के उप महानिदेशक मैग्नस कोरेल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भारत में स्वीडन के राजदूत एच.ई क्लास मोलिन और स्वीडन में भारत के राजदूत एच.ई. तन्मय लाल मौजूद थे। विज्ञप्ति के अनुसार इस करार के तहत दोनों पक्षों ने एक दूसरे के साथ विमानन क्षेत्र के बारे में नयी जानकारियों और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान, दोनों एजेंसियों के बीच प्रगाढ़ और मैत्रीपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने, विमानपत्तनों के लिए प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने, विमानन क्षेत्र के सुरक्षित, सुनिश्चित, पारिस्थितिकी की दृष्टि से स्वस्थ और कुशल विकास को मजबूत आधार प्रदान करने में सहयोग और द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संवर्धन में सकारात्मक योगदान करने का लक्ष्य रखा है।

अदाणी एग्री फ्रेश ने हिमाचल में खरीदा 7500 टन सेब

हिमाचल प्रदेश देश का सबसे बड़ा सेब उत्पादक है, यहां सालाना आठ से 10 लाख टन सेब का उत्पादन होता है

शिमला (एजेंसी)। अदाणी एग्री फ्रेश लिमिटेड (एएएफएल) ने हिमाचल प्रदेश में मात्र 10 दिनों में 7500 टन सेब की खरीद की है। माडर्न स्टोरेज की सुविधाओं से लैस अदाणी एग्री फ्रेश के हिमाचल प्रदेश के सेब बाजार में प्रवेश करने के बाद सेब के बेहतर दाम मिलने से सेब उत्पादकों का रुझान एएएफएल के प्रति बढ़ा है। एएएफएल ने तीन स्थानों पर खरीद शुरू की है। हिमाचल प्रदेश देश का सबसे बड़ा सेब उत्पादक है, यहां सालाना आठ से 10 लाख टन सेब का उत्पादन होता है। एएएफएल के हिमाचल प्रदेश के सेब बाजार में प्रवेश करने से भारत और विदेशों में हिमाचल के सेब के लिए बाजार का विस्तार किया है। खराब मौसम और पहाड़ी राज्य में भूस्खलन की घटनाओं ने हालांकि सेब के परिवहन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, लेकिन एएएफएल सहित निजी कंपनियों द्वारा खरीद जारी रही है। पिछले कुछ वर्षों से, किसानों ने कई कारणों से निजी खरीद कंपनियों का पक्ष लेना शुरू कर दिया है, जिसके पीछे बेहतर मूल्य, बेहतर भुगतान प्रक्रिया और आसान व्यापार प्रक्रिया शामिल है। अदाणी एग्री फ्रेश के प्रवक्ता ने इस उपलब्धि पर कहा, हमने अगस्त के मध्य में अपनी खरीद शुरू होने के पहले दो दिनों के भीतर 2,000 टन सेब की खरीद की थी और परिवहन के साथ चुनौतियों के बावजूद आपूर्ति दिन-ब-दिन बढ़ रही है। किसान संगठित प्लेयर्स की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि हम उन्हें उनकी उपस्थिति में सेब की छंटाई के अलावा समय पर भुगतान के साथ व्यापार की उचित शर्तों की पेशकश करते हैं। बाकी साल हम किसानों को खाद, कीटनाशक, ओलावृष्टि और कृषि के लिए जरूरी अन्य चीजें कम कीमत पर उपलब्ध कराकर उनके साथ अपने संबंधों को पोषण प्रदान करते हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थानीय मंडियों में सेब की खरीद, जून के अंत या जुलाई के आरंभ में शुरू होती है, लेकिन प्राइवेट प्लेयर के अगस्त के मध्य या देर तक इंतजार करते हैं और बेहतर कीमतों की पेशकश कर रहे हैं।

वुरम इस वर्ष भारत में 500 से अधिक लोगों को नौकरी देगी

नई दिल्ली। कारोबारी प्रक्रियाओं के स्वचालन संबंधी सेवाएं देने वाली कंपनी वुरम इस वर्ष भारत में तकनीकी क्षेत्र के 500 से अधिक लोगों को नौकरी पर रखेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह बताया। वुरम के निदेशक (कर्मचारी एवं परिचालन) सुरेश कुमार चित्रालयम ने कहा, तेजी से उभरते हाइपर ऑटोमेशन कारोबारों के साथ भारत के पास वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र बनने का अवसर है। 2021 में हमारे साथ 468 लोग जुड़े थे जो 112 फीसदी की वृद्धि के साथ 973 हो गए। इस वर्ष हम 500 लोगों को नौकरी देंगे जिनमें से कम-से-कम 100 नए होंगे जबकि 400 अनुभवी लोग होंगे। कंपनी के चेन्नई, बेंगलुरु और त्रिचुरिपल्ली में कार्यालय हैं और अब वह जयपुर, कोयंबटूर तथा तिरुचिरापल्ली में भी दफ्तर खोलने वाली है।

पुलिस को अडानी तट की सुरक्षा करने का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल उच्च न्यायालय ने पुलिस से विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह के लिए पुलिस सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा जहां चर्च समर्थित मछुआरे आजीविका के मुद्दों से संबंधित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं। न्यायाधीश अनु सीवारमन ने यह निर्देश अडानी विझिंगजम बंदरगाह प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनी होव इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट द्वारा उनकी सम्पतियां और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर दायर याचिका पर विचार करने के बाद जारी किए। अदालत ने जवाबदेहों के जारी नोटिस में थाना प्रभारी और पुलिस आयुक्त को क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कहा। इससे पहले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने विधानसभा में कहा कि विझिंगम में बंदरगाह निर्माण गतिविधियों में किसी की आजीविका को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने लोगों की वास्तविक समस्याओं का हल निकालने के लिए सरकार के प्रतिबंद्ध होने का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रदर्शन कर रहे मछुआरों से विचार विमर्श किया जा सकता है। इस बीच चर्च के पादरियों के समर्थन से मछुआरे परियोजना स्थल के सामने लगातार विरोध करते रहे। अडानी समूह ने निर्माण गतिविधियां को अस्थाई रुप से रोक दिया है।

कृषि क्षेत्र का विविधीकरण ऊर्जा, बिजली क्षेत्र में करने की जरूरत: नितिन गडकरी

मुंबई (एजेंसी)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि ऊर्जा की कमी का सामना कर रहे भारत को अपने कृषि क्षेत्र का विविधीकरण ऊर्जा एवं बिजली क्षेत्रों में भी करने की जरूरत है। गडकरी ने यहां आयोजित नेशनल कोजनरेशन अवार्ड 2022 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हर साल बड़ी राशि आयात पर खर्च करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, हम हर साल पेट्रोल, डीजल एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 15 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। ऐसे में अब समय आ गया है कि हम कृषि क्षेत्र का विविधीकरण ऊर्जा एवं बिजली क्षेत्र की तरफ भी करें। उन्होंने उद्योग जगत से वैकल्पिक ईंधनों पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि भविष्योन्मुख प्रौद्योगिकी की सहायता से कृषि क्षेत्र का विविधीकरण किया जा सकता है। गडकरी ने कहा, हमारी 65-70 प्रतिशत आबादी कृषि पर ही निर्भर है लेकिन हमारी कृषि वृद्धि दर सिर्फ 12-13 प्रतिशत है। अगला कदम सह-उत्पादन का होना चाहिए ताकि चीनी से मिलने वाले राजस्व को बढ़ाया जा सके। उद्योग को कम चीनी और अधिक उप-उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए जिसमें भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकी के लिए दृष्टिकोण और ज्ञान को पूंजी में बदलने वाला नेतृत्व भी हो। उन्होंने कहा कि इस साल के लिए देश को 280 लाख टन चीनी के उत्पादन की ही जरूरत थी लेकिन 360 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिक चीनी उत्पादन के बजाय एथेनॉल पैदा करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही उद्योग जगत को एथेनॉल की मांग बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान देना चाहिए। गडकरी ने कहा कि सरकार ने देश में फ्लेक्स ईंधन से चलने वाले इंजन लाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ह्यह्यबजाज, हीरो और टीवीएस जैसी वाहन कंपनियां पहले से ही फ्लेक्स इंजन बना रही हैं और कई कार कंपनियों ने भी फ्लेक्स इंजन से चलने वाले मॉडल लाने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि ऑटोरिक्शा को भी बायो-एथेनॉल से चलाया जा सकता है। इसके अलावा निर्माण क्षेत्र के उपकरण भी वैकल्पिक ईंधन से चलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, जर्मनी ने बायो-एथेनॉल से ट्रेन के संचालन वाली प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया है। इसके अलावा बेहद परिष्कृत एथेनॉल का इस्तेमाल विमानन उद्योग में भी किया जा सकता है।

> ■ उन्होंने कहा कि इस साल के लिए देश को 280 लाख टन चीनी के उत्पादन की ही जरूरत थी लेकिन 360 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने के साफ संकेत, नहीं मिलेगी महंगे लोन से राहत

नई दिल्ली। कर्ज पर बढ़ी हुई ब्याज दरों में फिलहाल राहत के कोई आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा एक बार फिर दरों में बढ़ोतरी के साफ संकेत मिले हैं। महंगाई को कंट्रोल करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक लगातार ब्याज दरों को बढ़ा रहा है। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने शुक्रवार को अपना कड़ा मौद्रिक रुख आगे भी जारी रखने के स्पष्ट संकेत दिए। अमेरिका में महंगाई चार दशकों के सबसे ऊंचे स्तर पर आ गई थी। पॉवेल ने जैक्सन होल में आयोजित फेडरल रिजर्व की सालाना आर्थिक संगोष्ठि को संबोधित करते हुए कहा, फेडरल का कर्ज को लेकर सख्त रुख जारी रहने से परिवारों एवं कारोबारों को काफी तकलीफ होगी। कर्ज की दरें महंगी होने से अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी और नौकरियों के जाने का भी खतरा होगा।

आरबीआई की सख्ती, रूपी सहकारी बैंक लिमिटेड का लाइसेंस कैंसिल पांच साल पुराने हाईकोर्ट ऑर्डर के आधार पर हुई कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। केरल के कोऑपरेटिव बैंक पर सख्त कार्रवाई के बाद महाराष्ट्र के पुणे में रुपया सहकारी बैंक लिमिटेड पर भी गाज गिरी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि 22 सितंबर, 2022 से रूपी को-ऑपरेटिव बैंक कारोबार करना बंद कर देगा। इससे पहले केरल के सहकारी बैंक पर भी आरबीआई ने सख्ती दिखाई थी। केरल में थॉउडूपोजा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर लगाई गई पाबंदियों के कारण अगले छह महीनों तक ग्राहक एक भी पैसा निकाल नहीं सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपया सहकारी बैंक लिमिटेड, पुणे का लाइसेंस रद्द कर दिया है। 08 अगस्त, 2022 को रूपी को-ऑपरेटिव बैंक के संबंध में आदेश जारी किया गया। आदेश में कहा गया है कि इस सहकंरी बैंक का लाइसेंस 10 अगस्त, 2022 को रद्द कर दिया गया। आरबीआई ने कहा है कि 22 सितंबर, 2022 से रूपी को-ऑपरेटिव बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा। आरबीआई ने एक बयान में कहा, बंबई उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 12 सितंबर, 2017 के अनुपालन में रूपी को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया गया है। आरबीआई के मुताबिक आदेश 10 अगस्त, 2022 से छह सप्ताह के बाद प्रभावी हो जाएगा। आरबीआई का आदेश 10 अगस्त, 2022 से छह सप्ताह बाद प्रभावी हो जाएगा। नतीजतन, रुपी कॉपरेटिव बैंक 22 सितंबर, 2022 से बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा। सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र से भी बैंक को बंद करने और इसके लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। यह भी दिलचस्प है कि आरबीआई ने पुणे के रुपी कॉपरेटिव बैंक को 22 फरवरी 2013 से बैंक की कारोबार समाप्ति से निदेश के तहत रखा था।

एक नजर इधर भी

बेलगाम सियासत

तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह के नफरती बोल ने भारतीय राजनीति के एक नये चरित्र को उजागर किया है। कुछ वर्ष पहले तक जन-प्रतिनिधियों का दागी होना उनको सुर्खियां दिलाता था, लेकिन अब विवादित बयान उनके लिए महत्व रखने लगा है। इस प्रवृत्ति के जन्म की कई वजहें हैं। दरअसल, लोकतंत्र में धारणा की राजनीति काफी मायने रखती है। जनता अब किसी नेता को इस आधार पर नहीं आंकती कि उसने क्या काम किया या कितने वायदे पूरे किये, बल्कि चुनाव जीतने का सबसे बड़ा हथकंडा यही है कि माहौल किस तरह का बनाया गया है। धारणा की यह लड़ाई सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों तरफ के नेता खेलते हैं। चूंकि कामकाज का जिक्र अब ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होता, इसलिए नेताओं में जुबानी जंग तेज हो चली है, जिसमें कट्टर धार्मिक बयानबाजी के साथ-साथ विरोधी नेताओं का चरित्र-चित्रण भी शामिल है। स्थिति यह है कि कोई नेता जब अपना संदेश जनता तक पहुंचाता है, तो उसका 80 फीसदी हिस्सा विरोधी पर प्रहार होता है और शेष 20 प्रतिशत ही कामकाज का ब्योरा। हमारे माननीयों को लगता है कि जो जितना आक्रामक बोलेगा, जनता उसे उतना ही पसंद करेगी। यहां तक कि जिन मंचों पर सरकार की नीतियों की चर्चा होनी चाहिए, वहां भी विपक्ष को निशाने पर लिया जाता है। इससे चुनाव जीतने में मदद मिलती है। नफरती बोल शीर्ष नेतृत्व के मुंह से बमुश्किल सुने जाते हैं। ऐसे बयान आमतौर पर छुटभैये नेता देते हैं। दरअसल, बड़े नेताओं की अंतरराष्ट्रीय छवि होती है। उनके लिए अपनी इस छवि को बचाना आवश्यक होता है। इसीलिए बड़े-बड़े मंचों पर वे सामाजिक व धार्मिक सौहार्द संबंधी अच्छी-अच्छी बातें कहते हैं। मगर उनका मकसद चुनाव जीतना भी होता है। नतीजतन, मतदान के समय सद्भाव संबंधी तमाम अच्छी बातें किनारे कर दी जाती हैं और हर तिकड़म अपनाया जाने लगता है। ऐसे नेताओं के मुताबिक, अच्छी बातें चुनाव जीतने की गारंटी नहीं हैं, इसलिए वे तीखी व नफरती बयानबाजी या आरोप-प्रत्यारोप संबंधी बहस का हिस्सा बन जाते हैं। सामाजिक और धार्मिक सौहार्द संबंधी उनके तमाम तर्क धरे के धरे रह जाते हैं और हर धर्म, जाति व समुदायों का जिक्र होने लगता है। इससे उनको अपने समुदाय के वोटरों को गोलबंद करने में मदद मिलती है। यानी, उनके लिए खाने के दांत और होते हैं और दिखाने के और। दूसरी बात, जब पार्टियों का विस्तार होता है, तो शीर्ष नेतृत्व के लिए हर एक कार्यकर्ता अथवा नेता पर नियंत्रण करना मुश्किल होता है। ऐसे में, स्थानीय स्तर पर काम करने वाले नेताओं या कार्यकर्ताओं को अनर्गल बयान देने से रोक पाना काफी मुश्किल हो जाता है। फिर, छोटे नेताओं की जिम्मेदारी पार्टी के पक्ष में जन-समर्थन जुटाना भी होता है और इसके लिए वे माहौल को देखते हुए दूसरी जाति, धर्म या समुदाय पर प्रहार करता है । इन सबका मतलब यह न निकाला जाए कि जो नेता नफरती या धार्मिक बयानबाजी करते हैं, उनकी भावना भी बयान के मुताबिक ही होती है। कुछ नेता ऐसे भी हैं, जिनकी मानसिकता उनके बयानों के विपरीत होती है, लेकिन उनका मुख्य ध्येय जनादेश हासिल करना और अपनी पार्टी का विस्तार करना होता है, इसलिए वे अपने मतदाताओं की मानसिकता को भांपते हुए अनर्गल प्रलाप करते हैं। तो क्या फिजूल की बयानबाजी के लिए जनता दोषी है? पूरी तरह बेशक न हो, लेकिन काफी हद तक उसे कुसूरवार ठहराया जा सकता है। सच यही है कि जिस जनता के सामने इस तरह के बयान जारी किये जाते हैं, वे इनको पसंद करती है। आज के समय में अपने देश में ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है, जो इस तरह के शब्दों को नापसंद करती है या उनको लगता है कि सामाजिक सद्भाव के लिए ऐसे बयानों से बचा जाना चाहिए। अलबत्ता, हमारे आसपास ऐसे लोगों की संख्या काफी है, जो सोचते हैं कि इतिहास की गलतियों को आज किसी भी कीमत पर सुधारा जाना चाहिए। इस मानसिकता को नेतागण बखूबी भांप गये हैं, इसीलिए जिस समुदाय का समाज में दबदबा होता है, उसी के अनुसार वे वक्तव्य जारी करते हैं। अतीत में हमने यह भी देखा है कि नफरती बयान देने वालों का किस तरह से स्वागत-सत्कार भी होता है।

■ संजय कुमार

देश में बंजर होती जमीन के खतरे

केंद्र सरकार ने मृदा क्षरण रोकने के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाये हैं। इसके अलावा मृदा संरक्षण के दूसरे अभियान भी चलाये जा रहे हैं, लेकिन अगर किसान भूमि की उर्वरता बनाये रखने के लिए पहल नहीं करेगा तो ये सारे अभियान सफल नहीं हो पायेंगे। ऐसे में जरूरी है कि जिन कारणों से जमीन बंजर हो रही है, उन कारणों पर गौर किया जाए और जमीन की उर्वरता बढ़ाई जाए। खेती-किसानी में रासायनिक खाद का इस्तेमाल कब शुरू हुआ, इसका इतिहास शायद ही कोई जानता हो। माना जाता है कि सबसे पहले सन 1840 के आसपास जर्मन वैज्ञानिक लिबिक ने खेती में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश के उपयोग की बात दुनिया के सामने रखी थी। बाद में दुनिया के तमाम कृषि वैज्ञानिकों ने उनके शोध को स्वीकारा। लिबिक ने कहा था कि अगर नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश (एनपीके) की खाद बना कर खेतों में डाली जाए तो इससे फसलें तेजी से बढ़ सकती हैं। इस नये प्रयोग को दुनिया भर के किसानों ने अपनाया। लेकिन इसके लगातार इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरता तो घटा ही दी, बल्कि करोड़ों हेक्टेयर जमीन को भी बंजर बना डाला। दुनिया भर में रेगिस्तानी क्षेत्र तेजी से फैल रहे हैं। मिट्टी की उर्वरता भी कम होती जा रही है। ऐसे में निर्जन रेगिस्तान में जीवन कैसे वापस लाया जाए, यह एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। मृदा वैज्ञानिकों के मुताबिक मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट के चार बड़े कारण हैं। इनमें तेजी से होता औद्योगिकीकरण, कृषि में पानी का अत्यधिक इस्तेमाल, मवेशियों के लिए चरागाहों का जरूरत से ज्यादा दोहन और सूखे की बढ़ती मियाद। आंकड़े बताते हैं कि रासायनिक खाद के बढ़ते इस्तेमाल से उर्वर और हरे-भरे भूमि क्षेत्र भी बंजर इलाकों में तब्दील होकर दुनियाभर में करीब एक अरब लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन चुके हैं। इसकी वजह से लाखों जैविक और वनस्पति प्रजातियों का जीवन भी खतरे में पड़ गया है। पेड़-पौधों की कई प्रजातियों का तो हमेशा के लिए खात्मा हो चुका है। करोड़ों लोग जो खेती-बागवानी के जरिये जिंदगी बसर कर रहे थे, उन्हें पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। आकलन बताते हैं कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी मरुस्थलीकरण से प्रभावित होगी। यह एक चिंताजनक पहलू है, लेकिन हालात और बिगड़ने के पहले ही स्थिति को संभालने के लिए यदि आगे आया जाए, तो इस विकट संकट से बचा जा सकता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारी मात्रा में बचे गोला-बारूद की रायायनिक सामग्रियों को एनपीके खाद और कीटनाशक बना कर बेचने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने दुनिया भर में नया कारोबार खड़ा कर लिया था। इस कारोबार में कंपनियों को भारी मुनाफा होने लगा था और बाजार में इनकी जड़ें भी मजबूत हो चली थीं। ज्यादातर किसान इन कंपनियों द्वारा बनाई खादों पर इस कदर निर्भर होते गये कि इन खादों के बिना कोई फसल उगाते ही नहीं। भारत और एशियाई देशों में औद्योगिक क्रांति के बाद हरित क्रांति की शुरूआत हुई। खाद और कीटनाशकों का कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यह प्रचारित करना शुरू कर दिया था कि बेहतर उपज लेने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल जरूरी है। इसके बाद देश के छोटे-बड़े किसान कीटनाशकों का इस्तेमाल इस कदर करने लगे कि जमीन की उर्वरता पर इसका बुरा असर पड़ने लगा। आज हालत यह है कि देश के लाखों किसानों की जमीन की उर्वरता इतनी कम हो गई है कि बिना बड़ी मात्रा में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के कोई भी फसल होती ही नहीं। कृषि वैज्ञानिक भी मानते हैं कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग कई तरह की समस्याएं पैदा करता है। जमीन में जो जहरीलापन बढ़ता जा रहा है, वह कई बीमारियों का कारण बन रहा है। इससे मिट्टी में पाए जाने वाले तत्त्वों का संतुलन भी बिगड़ गया है। इससे किसान नई-नई समस्याओं से घिरते जा रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने नीम के लेप वाली यूरिया को रासायनिक खाद का विकल्प बताया है। लेकिन इस संबंध में यह जानना जरूरी है कि इसके इस्तेमाल से मिट्टी और जीव-जंतुओं पर कितना बुरा असर पड़ रहा है। मिट्टी को लेकर हुए तमाम शोधों से यह सामने आया है कि इसमें नाइट्रोजन, पोटेशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सोडियम, कार्बन, आक्सीजन और हाइड्रोजन थोड़ी मात्रा में रहना चाहिए। लेकिन न्यून मात्रा में इसमें लोहा, गंधक, सिलिका, क्लोरीन, मैगनीज, जिंक, कोबाल्ट, मोलिब्डेनम, तांबा, बोरान और सेलेनियम की मौजूदगी भी जरूरी है। गौरतलब है कि कुदरत अपने हिसाब से इन तत्त्वों की भागीदारी तय करती है, पर इंसान की गतिविधियों की वजह से इन सारे तत्त्वों का संतुलन गड़बड़ा गया है। दिलचस्प बात है कि मिट्टी में नाइट्रोजन कार्बनिक रूप में भी रहती है और अकार्बनिक रूप में भी। कार्बनिक पदार्थों के सड़ने से अमोनियम के साथ जीवाणु क्रिया करते हैं और अंततः जीवाणुओं से एंजाइम का निर्माण होता है। दूसरे तत्त्वों की भी अपनी खास भूमिका है। कैल्शियम पौधे के तने को मजबूत करता है, तो फास्फेट फूल और फल के लिए लाभदायक होता है। मैग्नीशियम क्लोरोफिल बनाने की प्रक्रिया में मदद करता है। हाइड्रोजन और आक्सीजन पौधों को मिट्टी में समाये हुए पानी से मिलता है। इन प्राकृतिक तत्त्वों के आधार पर ही तय होता है कि मिट्टी कैसी है। ज्यादा अम्लता और ज्यादा क्षारीयता, दोनों ही पौधों के लिए नुकसानदायक होते हैं। कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल भूमि क्षरण की वजह से पच्चीस लाख टन नाइट्रोजन, तेंतीस लाख टन फास्फोरस और पच्चीस लाख टन पोटाश की क्षति होती है। यदि इस क्षरण को बचा लिया जाए तो हर साल करीब साठ हजार लाख टन मिट्टी की ऊपरी परत बचेगी और इससे हर साल करीब पचपन लाख टन नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की मात्रा बचाई जा सकेगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार किसानों की आय दुगना करने और उन्हें खुशहाल किसान बनाने की बात तो करती है, लेकिन सवाल यह है कि जमीन की घटती उर्वरता को बचाये बगैर क्या यह संभव हो सकता है? केंद्र सरकार की पहल पर मृदा संरक्षण बोर्ड का गठन सन 1953 में हुआ था। तब से लाखों हेक्टेयर भूमि को उर्बर बनाया जा चुका है, लेकिन अभी भी इससे ज्यादा भूमि ऐसी है जिसे उपजाऊ बनाने की जरूरत है। औद्योगिकीकरण, वनीकरण और विकास की दूसरी परियोजनाओं की वजह से जमीन का रकबा भी घटता जा रहा है, साथ ही भूमि का क्षरण भी तेजी से हो रहा है। केंद्र सरकार ने मृदा क्षरण रोकने के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाये हैं। इसके अलावा मृदा संरक्षण के दूसरे अभियान भी चलाये जा रहे हैं, लेकिन यदि किसान भूमि की उर्वरता बनाये रखने के लिए पहल नहीं करेगा तो ये सारे अभियान सफल नहीं हो पायेंगे। ऐसे में जरूरी है कि जिन कारणों से जमीन बंजर हो रही है, उन कारणों पर गौर किया जाए और जमीन की उर्वरता बढ़ाई जाय। भारत में मिट्टी में मौजूद पोषक तत्त्वों में कमी गत चार दशकों से ज्यादा पाई गई। शुरूआत में केवल नाइट्रोजन की कमी थी, लेकिन कटाव, जलभराव, बहुत अधिक कीटनाशकों व रासायनिक खादों का प्रयोग और एक फसल चक्र में जरूरत से ज्यादा फसलों को उगाने जैसे तमाम कारणों की वजह से मिट्टी की उर्वरता घटती गई। आज हालात यह हो गई कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल के बावजूद अच्छी पैदावार नहीं हो पा रही है। ऐसे में जागरूक किसानों ने मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाने वाली जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ रुख किया है। इसमें न तो कीटनाशकों का प्रयोग होता है और न ही रासायनिक खादों का। कंपोस्ट, हरी और जैविक खाद का प्रयोग कर देश के तमाम किसान मिट्टी की सेहत सुधारने में लगे हैं। लेकिन जहां प्राकृतिक खेती नहीं हो रही है, वहां मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने व संरक्षण का कार्य करना बड़ी चुनौती है।

> द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारी मात्रा में बचे गोला-बारूद की रायायनिक सामग्रियों को एनपीके खाद और कीटनाशक बना कर बेचने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने दुनिया भर में नया कारोबार खड़ा कर लिया था। इस कारोबार में कंपनियों को भारी मुनाफा होने लगा था और बाजार में इनकी जड़ें भी मजबूत हो चली थीं। ज्यादातर किसान इन कंपनियों द्वारा बनाई खादों पर इस कदर निर्भर होते गये कि इन खादों के बिना कोई फसल उगाते ही नहीं। भारत और एशियाई देशों में औद्योगिक क्रांति के बाद हरित क्रांति की शुरूआत हुई। खाद और कीटनाशकों का कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यह प्रचारित करना शुरू कर दिया था कि बेहतर उपज लेने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल जरूरी है।

■ अखिलेश आर्येंदु

साइबर संसार में हर कदम पर बदलती तकनीक के खतरे

दुनिया के विकसित देशों में तकनीक बड़ी तेजी से बदल रही है। तकनीक केवल साधन बनाने तक सीमित नहीं है, यह एक प्रक्रिया है, जो पहले से अधिक ताकतवर तकनीक को जन्म देती है। इसलिए तकनीक के विकास की गति एक दशक में ही दोगुनी हो जाती है, पर तेजी से होते तकनीकी विकास के साथ इसके बेकाबू हो जाने का डर भी उतनी ही तेजी से फैला है। गूगल और एल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने कुछ हफ्ते पहले कहा था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने एआई को लेकर नियम बनाये जाने की मांग पर जोर दिया है। पिचाई कहते हैं, हम नई तकनीक पर काम करते रह सकते हैं, पर बाजार तंत्र को उसके किसी भी तरह के इस्तेमाल की खुली छूट नहीं होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब पिचाई ने एआई के खतरों को लेकर दुनिया को आगाह किया है, न ही वह पहले ऐसे जानकार हैं, जिन्होंने ऐसा किया है। साल 2018 में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, 'दुनिया पर एआई का जितना असर होगा, उतना शायद ही किसी अन्य आविष्कार का होगा।' उन्होंने कहा था, 'इंसान आज जिन चीजों पर काम कर रहा है, उनमें सबसे महत्वपूर्ण एआई है। शायद आग और बिजली जितना महत्वपूर्ण, लेकिन यह इंसानों को मार भी सकती है। साल 2017 में टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने कहा था, 'अगर आप एआई से चिंतित नहीं हैं, तो आपको होना चाहिए।' सोशल मीडिया पर मस्क ने जो तस्वीर पोस्ट की थी, उसमें लिखा था, 'जीत आखिर में मशीनों की होगी।' मस्क ने नेताओं से अपील की थी कि इससे पहले, बहुत देर हो जाए, एआई को काबू में लाने के लिए नियम बनाये जाएं। जाने-माने भौतिक वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने 2017 में ही कहा था, 'मैं मानता हूं कि एआई को मानवता की बेहतरी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, मगर इंसान को इसे काबू करने का कोई न कोई रास्ता ढूंढना पड़ेगा।' एआई का अर्थ है, मशीनों को इंसान की तरह सोचने, करने और फैसले लेने की क्षमता देना। सिरी व अलेक्सा जैसे वॉएस असिस्टेंट, टेस्ला कारों की सेल्फ ड्राइविंग तकनीक, उपभोक्ताओं को पसंद के अनुसार कार्यक्रम परोसने वाली तकनीक या फिर आपकी आदतों को समझने वाली नेस्ट की तकनीक, ये एआई के इस्तेमाल के कुछ उदाहरण हैं। लेकिन हाल में जिस खास वजह से एआई चर्चा में रहा है, वह है चेहरे पहचानने की तकनीक। भारतीय पुलिस 'त्रिनेत्र' नाम के एक फेशियल रिकग्निशन एप का इस्तेमाल करती है, जिससे किसी अपराधी की तस्वीर से मिलान करके पता लगाया जाता है कि उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। अब गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस या भीड़भाड़ वाली जगहों पर पुलिस ऑटोमेटेड फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का इस्तेमाल करने लगी है। भारत सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण और अपराधियों की पहचान करने के लिए इस तकनीक को महत्वपूर्ण मान रही है। इधर मीडिया में जब यह चर्चा तूल पकड़ रही थी, तब अमेरिका में कश्मीर हिल की एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई, जो क्लियरव्यू एआई नाम की एक कंपनी के बारे में भी थी, जो चेहरे पहचानने के लिए फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी हजारों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाई गई तस्वीरों का इस्तेमाल करती है। कानून लागू कराने वाली एजेंसियों की ई-सॉफ्टवेयर में गहरी दिलचस्पी है और एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की करीब 600 एजेसियां इसका इस्तेमाल कर रही हैं। एक व्यक्ति की पहचान के लिए लाखों लोगों की निजता का हनन होने लगा है। हमारे देश में इसे लेकर फिलहाल कोई प्रत्यक्ष कानून नहीं है। बड़े पैमाने पर हो रहे इस तरह के निजता के उल्लंघन से निपटने के लिए पहले तो यह समझना होगा कि इसके लिए कानून के किन बिंदुओं को और मजबूत करना है।

> गूगल और एल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने कुछ हफ्ते पहले कहा था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने एआई को लेकर नियम बनाये जाने की मांग पर जोर दिया है। पिचाई कहते हैं, हम नई तकनीक पर काम करते रह सकते हैं, पर बाजार तंत्र को उसके किसी भी तरह के इस्तेमाल की खुली छूट नहीं होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब पिचाई ने एआई के खतरों को लेकर दुनिया को आगाह किया है।

■ निरंकार सिंह

है न विचित्र बात !

रूस की दो बड़ी घटना

रूस पांच राष्ट्रों के सात करोड़ लोग ठीक से नमाज पढना भी नहीं जानते थे। वे रोजे भी ठीक से नहीं रखते थे। उन्होंने अपने तुर्की और फारसी नामों का भी रूसीकरण कर लिया था। जैसे आजम का आजमोव और रहमान का रहमानोव। रूस से संबंधित अभी-अभी दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्होंने सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहली घटना है- दारिया दुगिना की हत्या। यह लड़की रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के मुख्य रणनीतिकार अलेक्जेंडर दुगिना की बेटी थी। दूसरी घटना भारतीयों के लिए और भी ज्यादा गंभीर है। वह है आजमोव की गिरफ्तारी की ! आजमोव को रूसी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, क्योंकि उससे कई ठोस प्रमाण मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि उजबेकिस्तान का यह नागरिक किसी बड़े भारतीय नेता की हत्या के लिए तैयार किया गया था। यह 'इस्लामिक स्टेट आफ खुरासान प्राविंस' का कारिंदा है। यह मुसलमान युवक किसी पूर्व-सोवियत राज्य से आकर तुर्किए में प्रशिक्षित हुआ है। इसे जिम्मेदारी दी गई थी कि वह भारत जाकर किसी नेता पर आत्मघाती हमला करे। यह हमला नुपूर शर्मा के बयान के विरोध में होना था। अब से तीन माह पहले 'इस्लामिक स्टेट' ने 50 पृष्ठ का एक दस्तावेज इसी मुद्दे पर जारी किया था, जिस पर गाय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र भी था। तुर्किए में प्रशिक्षित यह 30 वर्षीय उजबेक आजमोव रूस पहुंच कर भारत आने की फिराक में था। इसके पीछे काम कर रही 'इस्लामिक स्टेट' चाहती थी कि वह 'अल-कायदा' के उग्रवाद से भी आगे निकल जाए। जब रूसी गुप्तचर एजेंसी ने आजमोव को गिरफ्तार करके कड़ी पूछताछ की तो उसने बहुत-से रहस्यों को उगल दिया। मध्य एशिया के इन पूर्व-सोवियत देशों में इस्लामिक कट्टरवाद को रूसी कम्युनिस्टों ने कभी पनपने नहीं दिया था। इन पांच राष्ट्रों के सात करोड़ लोग ठीक से नमाज पढना भी नहीं जानते थे। वे रोजे भी ठीक से नहीं रखते थे। उन्होंने अपने तुर्की और फारसी नामों का भी रूसीकरण कर लिया था। जैसे आजम का आजमोव और रहमान का रहमानोव। लेकिन पड़ोसी मुस्लिम राष्ट्रों की मेहरबानी से वहां उग्रवाद और आतंकवाद की भट्टियां धधकने लगी हैं। इन स्वतंत्र हुए सभी प्राचीन आर्य राष्ट्रों में मुझे पहले और अब भी रहने का अवसर मिला है। मैं उनकी भाषा भी बोल लेता हूं। वे यदि उग्रवाद और आतंकवाद को नियंत्रित नहीं कर पायेंगे तो इन देशों को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं पायेगा। रूस को इन देशों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी पड़ सकती है। जहां तक दारिया दुगिना की हत्या का सवाल है, रूसी अधिकारियों का कहना है कि एक यूक्रेनी औरत, जिसका नाम नतालिया वोक है, उसने दारिया की हत्या की है। वह भेजी तो गई थी अलेक्जेंडर दुगिना की हत्या के लिए लेकिन दारिया ही उसके हाथ लग गई। दारिया को श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने उसे गहन राष्ट्रवादी और निर्भीक युवती बताया है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति तथा अन्य अधिकारियों ने इस हत्याकांड से अपना कोई भी वास्ता नहीं बताया है लेकिन यह घटना रूस-यूक्रेन युद्ध को और भी गंभीर रूप प्रदान कर सकती है। रूसी जांच एजेंसी को शक है कि हत्या करने के बाद नतालिया तुरंत भागकर एस्टोनिया में छिप गई है। एस्टोनिया एक पूर्व-सोवियत राष्ट्र है और आजकल रूस से उसके संबंध सामान्य नहीं हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अब यह रूसी युद्ध यूक्रेन के बाहर भी फैल जाए।

■ डॉ. वेदप्रताप वैदिक

चीन के सामने श्रीलंका ने डाले हथियार

श्रीलंका ने युआन वांग 5 को हंबनटोटा पोर्ट पर लंगर डालने की इजाजत देने के मामले में जिस तरह से चीन के सामने समर्पण कर दिया, वह भारत के लिए खतरे की घंटी है। अभी तक यह बात सिर्फ मानी जा रही थी, अब प्रत्यक्ष दिख गई है कि चीन अपने सामरिक हितों को बढ़ावा देने के लिए भारत के उन पड़ोसी देशों का इस्तेमाल करने में नहीं हिचकेगा, जो उसके कर्ज के जाल में फंस चुके हैं। इस मामले ने बता दिया है कि चीन वित्तीय कर्ज को भारत के खिलाफ हथियार का रूप देते हुए इस क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी जोखिम और आपसी अविश्वास दोनों बढ़ा सकता है। **वादे से मुकरा :** श्रीलंका जब आर्थिक संकट में फंसा तो सबसे पहले मदद का हाथ भारत ने ही बढ़ाया। पिछले आठ महीनों में भारत ने श्रीलंका को करीब 4 अरब डॉलर की मदद दी है। ऐसे में युआन वांग 5 मामले से भारत का परेशान होना स्वाभाविक हैः श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कूटनीतिक चैनलों के जरिये अगस्त की शुरूआत में भारत को आश्वस्त किया था कि युआन वांग 5 को हंबनटोटा बंदरगाह पर आने की इजाजत नहीं दी जायेगी। लेकिन जब श्रीलंका में चीनी राजदूत को यह पता चला तो वह बिफर पड़े। उन्होंने नई सरकार को याद दिलाया कि कैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का लोन रीस्ट्रक्चर करवाने में उसे चीनी मदद की जरूरत पड़ने वाली है। इस आक्रामकता से श्रीलंका में थोड़ी घबराहट थी, फिर भी साबरी 4-5 अगस्त को नोम पेन्ह में आसियान प्लस विदेश मंत्रियों की बैठक के दरम्यान चीनी विदेश मंत्री वांग यी से हुई मुलाकात में अपनी बात पर कायम रहे। इसके बाद चीन ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे पर दबाव बनाया जो संयोगवश 2017 में हंबनटोटा कंसेशन अग्रीमेंट पर दस्तखत होते समय प्रधानमंत्री थे। तब भारत और अमेरिका दोनों ने समझौते को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन विक्रमसिंघे समझौते पर आगे बढ़ गये। युआन वांग 5 प्रकरण में भी ऐसा ही हुआ। विक्रमसिंघे चीनी दबाव के सामने झुक गये। शुरू में उन्होंने दलील दी कि इजाजत उनके राष्ट्रपति बनने से पहले दी गई थी, वह भी जूनियर ऑफिसरों द्वारा क्योंकि उन अराजकतापूर्ण दिनों में श्रीलंका में कोई सरकार ही नहीं थी। लेकिन जब चीन ने श्रीलंका सरकार का यह अनुरोध अस्वीकार कर दिया कि जहाज का आना आगे खिसका दिया जाय तो विक्रमसिंघे ढीले पड़ गये और साबरी से कहा कि भारत को इस नई स्थिति के बारे में सूचित कर दिया जाए। इस पूरे मामले से तीन प्रमख सवाल उभरते हैंः पहला, हंबनटोटा बंदरगाह का भविष्य में कैसे इस्तेमाल होगा? दोनों देशों के बीच समझौते के मुताबिक बंदरगाह का इस्तेमाल सिर्फ व्यावसायिक उद्देश्यों से हो सकता है। लेकिन युआन वांग 5 जैसे मामलों में क्या होता है? यह ऐसा स्ट्रैटेजिक सपोर्ट वेसल है, जो भारतीय सशस्त्र सेनाओं के फ्रीक्वेंसी बैंड पर भेजे जाने वाले इंटेलिजेंस सिगनल्स को पकड़ने की क्षमता से लैस है। अमेरिकी अधिकारियों ने अलग से भी कोलंबो में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को इस वेसल के सैनिक और तकनीकी पहलुओं से वाकिफ कराया था। लेकिन श्रीलंका ने उन्हें भी नजरअंदाज कर दिया। दूसरा, इससे श्रीलंका के साथ विश्वास का मसला खड़ा हो गया है। यह बड़ा सवाल इसलिए है क्योंकि इसका मतलब है कि अब श्रीलंका के हर आश्वासन को भारत में संदेह के साथ देखा जायेगा। सुरक्षा के मामले में श्रीलंका जो भी वादे करे, भारत को अपनी स्वतंत्र प्रतिरोध क्षमता विकसित करनी होगी। तीसरा, चीनी दबाव के सामने छोटे देश लाचार हैं, खासकर महामारी के बाद लगे आर्थिक झटके की वजह से। इस सवाल पर क्वॉड और अन्य समान सोच वाले समूहों को मिल-जुलकर कुछ करना होगा क्योंकि चीन श्रीलंका जैसे देशों का बड़ा कर्जदाता होने के नाते आईएमएफ का बेलआउट पैकेज रुकवा भी सकता है। यही नहीं, इसने बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों से सहयोग की एवज में सैन्य कीमत वसूलने की प्रवृत्ति भी दिखा दी है। ऐसे में भारत को क्या करना चाहिए? जाहिर है, श्रीलंका को ऐसे ही छोड़ देना तो ठीक नहीं होगा। आखिर भारत आईएमएफ बोर्ड में श्रीलंका की नुमाइंदगी करता है। श्रीलंका का व्यापार और पर्यटन काफी हद तक उस पर निर्भर करता है जो भारत को प्रभावी स्थिति में ला देता है। लेकिन चीन के विपरीत भारत एक सौम्य शक्ति है, जो श्रीलंका को अस्थिर नहीं करना चाहेगा। इसलिए कोई भी जवाबी कदम उठाते समय भारत को उसके दूरगामी प्रभावों पर विचार कर लेना होगाः एक रास्ता यह हो सकता है कि ईंधन, ऊर्जा और कनेक्टिविटी (बंदरगाह समेत) के मामले में निर्भरता सुनिश्चित करते हुए श्रीलंका के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूती दी जाए। हालांकि इसमें रिस्क है। यह संभवतः सामरिक उद्देश्यों से घाटा उठाने वाला निवेश होगा। बहुत संभव है यहां भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर वाला मॉडल लाना चाहे खासकर इसलिए क्योंकि इसमें वित्तीय और व्यावसायिक फैसलों में लचीलेपन की काफी गुंजाइश रहती है। आखिर चीन ने भी इन्हीं वजहों से व्यावसायिक तौर पर लाभदायक न होने के बावजूद हंबनटोटा में निवेश किया। **भारतीय कंपनियों की तैयारी :** आगे देखें तो आईएमएफ श्रीलंका के सामने सरकारी एयरलाइन, इंश्योरेंस और टेलिकॉम कंपनियों में अपना स्टेक कम करने की शर्त रख सकता है। क्या भारतीय कंपनियां वे स्टेक ले सकती हैं? भारत सरकार को जल्द से जल्द इस स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए क्योंकि दूसरी संभावना यह है कि चीन आकर नये कर्जों की पेशकश कर दे और फिर कोलंबो पर मुफ्त व्यापार समझौते के लिए दबाव डाले। वह स्थिति भारत के लिए खतरनाक होगी। साफ है, युआन वांग 5 प्रकरण को गंभीर चेतावनी की तरह लेने और आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने की तैयारी तेज करने की जरूरत है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

> श्रीलंका का व्यापार और पर्यटन काफी हद तक उस पर निर्भर करता है जो भारत को प्रभावी स्थिति में ला देता है। लेकिन चीन के विपरीत भारत एक सौम्य शक्ति है, जो श्रीलंका को अस्थिर नहीं करना चाहेगा। इसलिए कोई भी जवाबी कदम उठाते समय भारत को उसके दूरगामी प्रभावों पर विचार कर लेना होगाः एक रास्ता यह हो सकता है कि ईंधन, ऊर्जा और कनेक्टिविटी (बंदरगाह समेत) के मामले में निर्भरता सुनिश्चित करते हुए श्रीलंका के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूती दी जाए। हालांकि इसमें रिस्क है। यह संभवतः सामरिक उद्देश्यों से घाटा उठाने वाला निवेश होगा।

■ प्रणब ढल सामंता

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज**, संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज**, स्थानीय संपादक : **ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय** : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नम्बर : 07759972937,** 06562-240042/ 222539, **फैक्स नम्बर** : 06562-241176/231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय :** 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, **गढ़वा कार्यालय :** मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, **लातेहार कार्यालय :** रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, **लोहरदगा कार्यालय :** रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, **ई-म

पति के लिए दुआ का व्रत है तीज

यह महीना महिलाओं के लिए सबसे खास महीना होता है। इस महीने में महिलाएं पूजा-पाठ करती हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह महीने में महिलाएं बड़े उत्साहपूर्वक यह तीज व्रत मनाती हैं। महिलाओं के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है, इस दिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों के द्वारा की जानी वाली पूजा से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

पलामू में तीज के त्यौहार का सबसे अधिक महत्व महिलाओं के जीवन में होता है। हमारी संस्कृति के अनुसार तीज-त्यौहारों, पर्व-उत्सवों से पूरी तरह सजा रहता है। हमारी परंपराएं हमारे पलामू के हर प्रांत की अनूठी परंपराओं में धड़कता हुआ नजर आता है। हमारी पलामू संस्कृति तीज का त्यौहार दिल होता है। यह महीना महिलाओं के लिए सबसे खास महीना होता है। इस महीने में महिलाएं पूजा-पाठ करती हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह महीने में महिलाएं बड़े उत्साहपूर्वक यह तीज व्रत मनाती हैं। महिलाओं के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है, इस दिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों के द्वारा की जानी वाली पूजा से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

मुख्य रूप से तीज का त्योहार अच्छे और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिये कुंवारी लड़कियां उपवास रखती है। ज्योतिषियों का कहना यह होता है कि जिन लड़कियों का विवाह नहीं हो पाता है, उन लड़कियों को तीज के दिन उपवास रखना चाहिए और सच्चे मन से पूजा-पाठ करना चाहिए क्योंकि तीज के दिन पूजा-पाठ का करने का एक अलग ही विशेष महत्व होता है। जब तीज के त्यौहार में भक्ति-भाव में लीन हो कर उपवास और आराधना करते हैं। इस शुभ अवसर पर बारिश की रिमझिम फुहारों के साथ स्नान कर रही धरती पूरी तरह हरी चुनरी ओढ़ कर तैयार रहती है। सावन का महीना खत्म होते ही हरी-भरी धरती की सौगात भादों के हाथ में सौंप दिया जाता है। शिव जी और पार्वती जी के पुर्नमिलान के रूप में इस दिन को यादगार के रूप में मनाया जाता है। तीज के त्योहार को लेकर यह मान्यता है कि माता पार्वती जी ने शिव जी को पति के रूप मे प्राप्ति करने के लिये कई बार जन्म धरती पर लिया था। माता पार्वती के कठोर तपस्या करने और जब माता पार्वती 108 वीं बार जन्म लिया तब भगवान शिव जी ने पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। तभी से शिव और पार्वती जी के मिलन के इस मान्यता पर तीज का व्रत रखने वाली महिलाओं को माता पार्वती जी खुश होकर उपवास रखने वाली महिलाओं के पतियों को लम्बी आयु का आशीर्वाद देती है। सावन माह में चारों ओर हरियाली फैली होने के कारण इस तीज को हरियाली तीज या तीज त्यौहार के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि इस दिन महिलाएं सोलह सिंगार करती है और अपने पति की लम्बी आयु के लिये शिव जी और पार्वती जी की मूर्ति को स्थापित करके फूलोमाला सुई धागा से बनाती हैं। और जब पूजा-पाठ करती हैं, तो शिवजी और पार्वती जी को फूलमाला चढ़ा कर पूजा अर्चना सच्चे मन से करती हैं। वहीं, कुंवारी कन्यायें भी तीज का उपवास रखती है। शिव जी और पार्वती जी की पूजा-पाठ में लीन हो जाती हैं और भगवान शिव से प्रार्थना करती हैं कि मुझे भी शिवजी जैसे वर की प्राप्ति हो और सच्चे मन से शिवजी की आराधना करने से तीज के दिन सारी मनोकामनाये पूरी होती है।

❖ ओपी

पलामू में धार्मिक संस्कृति की पहचान है तीज

तीज का त्यौहार हिन्दू महिलाओं का त्यौहार होता है। यह त्यौहार हर वर्ष लगभग अगस्त में ही होता है। तीज के त्यौहार का सबसे अधिक महत्व महिलाओं के जीवन में होता है। हमारी संस्कृति के अनुसार तीज-त्यौहारों, पर्व-उत्सवों से पूरी तरह सजा रहता है। पलामू धार्मिक संस्कृति के पहचान है। तीज का त्यौहार रंग-रंगीली संस्कृति की जान होता है, हमारी परंपराएं हमारे पलामू के हर प्रांत की अनूठी परंपराओं में धड़कता हुआ नजर आता है। हमारी पलामू संस्कृति तीज का त्यौहार दिल होता है, जब तीज के त्यौहार में भक्ति-भाव में लीन हो कर उपवास और आराधना करते है, तो खुद भगवान धरती में उतरकर हमें आशीर्वाद देने के लिये प्रगट होते है। सावन का महीना खत्म होते ही हरी-भरी धरती की सौगात भादो के हाथ में सौंप दिया जाता है। महिलाओं के लिए यह दिन सबसे खास होता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती हैं। भक्ति-भाव से पूर्ण इस कठिन व्रत को पूरे दिन निर्जल रहकर किया जाता है। यानी न कोई आहार ग्रहण किया जाता है न पानी पिया जाता है। प्रातः काल स्नान कर शिवजी की आराधना में पूरा दिन समर्पित किया जाता है। साथ ही तीज का व्रत रखने वाली महिलाओ को माता पार्वती जी खुश होकर उपवास रखने वाली महिलाओं के पतियों को लम्बी आयु का आशीर्वाद देती है। मूर्ति को स्थापित करके फुल माला सुई धागा से बनाती है, और जब पूजा-पाठ करती है, तो शिवजी और पार्वती जी को फूल माला चढ़ा कर पूजा अर्चना सच्चे मन से करती है। इस रंग-रंगीली संस्कृति की जान हैं हमारी परंपराएं। देश के हर प्रांत की अनूठी परंपराओं पर धड़कता है। परंपराओं को भक्ति-भाव में डूबकर उपवास और आराधना के साथ मनाया जाता है तो लगता है ईश्वर स्वयं आशीर्वाद देने धरा पर उतर आए हों। और अब जी भर के रसपान करो प्रकृति के इस नवीन रूप का। सौदंर्य-सुगंध को हर मन उतार लो भीतर तक अपनी सांसो के सहारे। हर प्राणी आनंद का अनुभव करता है। इस शीतल सुरम्य वातावरण में हमारे पर्वों-उत्सवों का मजा चौगुना हो जाता है। तीज-त्योहार प्रकृति के सौंदर्य के आभूषण से सज जाते हैं। महिलाओं के व्रत उपवासों में श्रद्धा भक्ति के साथ वातावरण की सुंदरता भी शामिल हो जाती हैं।

❖ वेद प्रकाश

महिलायें तीज में अपने हाथों व पैरों पर मेहंदी लगाती हैं

तीज का त्यौहार भारतीय संस्कृति में बहुत ही प्रचलित है। तीज त्यौहार महिलाओं और कुंवारी लड़कियो के लिये सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार होता है, क्योंकि इस दिन महिलाएं सोलह सिंगार करती है और अपने पति के लम्बी उम्र के लिये शिव जी और पार्वती जी की मूर्ति को स्थापित करके फुल माला सुई धागा से बनाती है, और जब पूजा-पाठ करती है, तो शिवजी और पार्वती जी को फूल माला चढ़ा कर पूजा अर्चना सच्चे मन से करती है।

वहीं कुंवारी कन्याये भी तीज का उपवास रखती है, और शिव जी और पार्वती जी की पूजा-पाठ में लीन हो जाती है, और भगवान शिव जी से प्रार्थना करती है कि मुझे भी शिवजी जैसे वर की प्राप्ति हो और सच्चे मन से शिवजी की आराधना करने से तीज के दिन सारी मनोकामनाये पूरी होती है। तीज पर्व भी अपने भावना को पति के प्रति पत्नी की इस भक्ति को दशार्ती है। उत्तर में तीज देवी पार्वती के प्रति सम्मान के रूप में और अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं। लेकिन यह त्यौहार केवल विवाहित महिलाओं के लिए सीमित नहीं है, बल्कि कुँवारी लड़कियां भी इस दिन एक अच्छे पति के लिए प्रार्थना करती हैं और उपवास करती हैं। महिलाये इस दिन पारंपरिक डिजाइन के कपड़े पहनती हैं अपने हाथों और पैरों पर मेहंदी लगातीं हैं। कई महिला इस त्योहार के लिए अपने माता-पिता के घर जाती हैं, और रक्षा बंधन तक रहती हैं, जहां महिलाएं अपने भाइयों के लिए प्रार्थना करती हैं। तीज पर विवाहित महिला या दुल्हन के लिए उसके ससुराल वाले कुछ उपहार देते हैं। इसे एक शुभ अवसर भी माना जाता है। हिंदू भक्तों के लिए यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। जैसा कि उनका मानना है कि यह इस दिन था जब भगवान शिव ने पार्वती के 108 पुनर्जन्मों के बाद अंततः अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इस प्रकार यह दिन भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच के बंधन और रिश्ते को भी मनाता है। इसलिए इस दिन उन दोनों की पूजा देवी पार्वती को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए तीज माता के रूप में विशेष ध्यान देने के साथ की जाती है।

❖ सरोज देवी

विवाहित महिलाओं का खास त्योहार है तीज

पलामू में महिलाओं के लिए तीज व्रत सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक है। यह मुख्य रूप से यहां के लोग बहुत ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। ऐ त्योहार ऐसा दिन है जो पति पत्नी के बीच के बंधन को समर्पित है। अगस्त महीनों में महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले तीन तीज त्योहारों में से यह तीसरा और आखिरी है। यह त्योहार देवी पार्वती को समर्पित है, इसलिए लोग उन्हें तीज माता के रूप में पूजते हैं। इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था इसलिए इस दिन दोनों की पूजा की जाती है। इसलिए यह विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के लिए एक बहुत ही खास त्योहार है, जो इस दिन अपने पति के साथ लंबे वैवाहिक जीवन की उम्मीद में उपवास रखती हैं। इसके अतिरिक्त, अविवाहित महिलाएं इस व्रत को इस उम्मीद में लेती हैं कि उन्हें भगवान से आशीर्वाद के रूप में एक अच्छा पति मिलेगा। इस दिन, विवाहित हिंदू महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं, जिसका अर्थ है कि वे पूरे दिन कुछ नहीं खाती या पीती हैं। अपने पति, अपने बच्चों, अपने पूरे परिवार और फिर खुद के स्वास्थ्य की कामना के लिए यह व्रत रखा जाता है। इसलिए इस दिन महिलाएं पूरे दिन व्रत रखती हैं। पूजा की रस्म के तहत महिलाएं इस दिन तीज माता को देने के लिए पांच से सात अलग-अलग तरह के भोजन बनाती हैं। वे घर पर एक मंडप भी बनाते हैं, जिसे कपड़े, फल और पत्ते जैसी चीजों से सजाया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हो सके। फिर इस मंडप को दीवार या छत पर लटका दिया जाता है, और सभी पूजा और पूजा अनुष्ठान उस पर किए जाते हैं। पूजा के दौरान, भगवान शिव और देवी पार्वती की तस्वीरें या मूर्तियां मंडप पर लगाई जाती हैं ताकि लोग उनसे प्रार्थना कर सकें और फूल चढ़ा सकें। लोग पूजा करने के लिए कभी-कभी रेत से शिवलिंग भी बनाते हैं। सभी पूजा और पूजा-अर्चना के बाद इस मंडप को एक रात के लिए लटका कर छोड़ दिया जाता है। फिर अगले दिन इस मंडप को विदाई देने के लिए पास के किसी तालाब या नदी में विसर्जित कर दिया जाता है।

❖ अरुण कुमार

तीज के दिन पूजा-पाठ करने का एक अलग ही महत्व

तीज का त्यौहार पूरे पलामू सहित पूरे देश में मनाया जाता है। तीज के त्यौहार को हरितालिका तीज या कजली तीज भी कहते है। तीज का त्यौहार हिन्दू महिलाओं का त्यौहार होता है। तीज का त्यौहार भादो माह के शुक्ल पक्ष के तृतिया के दिन होता है। तीज के त्यौहार के दिन कुंवारी लड़कियां योग्य वर की प्राप्ति के लिये तीज का व्रत रखती है, और शादीसुदा महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र और उनके जीवन के सभी कष्टो को दूर करने के लिये तीज का व्रत रखती है। मुख्य रूप से तीज का त्योहार अच्छे और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिये कुंवारी लड़कियां उपवास रखती है। और ज्योतिषियों का कहना यह होता है कि जिन लड़कियों का विवाह नहीं हो पता है, उन लड़कियों को तीज के दिन उपवास रखना चाहिए और सच्चे मन से भगवान की पूजा-पाठ करना चाहिए। क्योंकि तीज के दिन पूजा-पाठ का करने का एक अलग ही विशेष महत्व होता है। सावन का महीना महिलाओं के लिए सबसे खास महीना होता है। इस महीने में महिलाएं पूजा-पाठ करती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन के महीने में बहुत सारे त्योहार आते है। इस महीने में हरियाली तीज का त्योहार भी आता है, जिसको महिलाएं बड़े पर्व के साथ मनाती है। सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली दिखायी देती है, इस लिये तीज के त्यौहार को हरितालिका तीज भी कहते हैं। हरितालिका तीज के त्योहार को महिलाएं बड़े उत्साहपूर्वक मनाती हैं। हरितालिका तीज का महिलाओं के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है, इस दिन महिलाओं और कुँवारी लड़कियों के द्वारा की जानी वाली पूजा से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।यह भारतीय परम्परा रीती-रीवाज के साथ धूम-धाम से बड़े उत्सव के साथ मनाया जाता है। लेकिन पलामू में तीज त्यौहार सबसे अधिक महत्व दिया गया है। तीज त्यौहार हर वर्ष अगस्त महीने मे आता है। तीज त्यौहार में लड़कियां और महिलाएं व्रत रखती है और सोलाह श्रृंगार करती है । सुहागन महिलाएं अपने पति के नाम का माथे में सिंदूर लगाती है, हाथो में चूड़ियाँ पहनती है और मेंहदी लगाती है। कुंवारी लड़कियां पूजा करते हुए भगवान हाथ जोड़कर प्रार्थना करती है कि उनको भी अच्छा योग्य वर मिले और अपने मन की सारी बातें भगवान से हाथ जोड़कर करती है।यह त्यौहार सैकड़ो सालों से पलामू में रीती-रीवाज के साथ मनाया जा रहा है। तीज त्यौहार हिन्दू धर्म का मुख्य त्यौहार होता है, जिस में सभी विवाहित महिलाएं अपने परिवार के कल्याण और मांगलमय के लिये प्रार्थना करती है।

❖ गुड्डू कुमार

सोलह श्रृंगार कर पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं नारी

तीज का त्यौहार हिन्दू महिलाओं का त्यौहार होता है। तीज का त्यौहार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष के तृतिया को मनाया जाता है। तीज के त्यौहार के दिन कुंवारी लड़कियां योग्य वर की प्राप्ति के लिये तीज का व्रत रखती है, और शादीसुदा महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र और उनके जीवन के सभी कष्टो को दूर करने के लिये तीज का व्रत रखती है। यह त्यौहार सैकड़ो सालों से पलामू में रीती-रीवाज के साथ मनाया जाता है। तीज त्यौहार हिन्दू धर्म का मुख्य त्यौहार होता है, जिस में सभी विवाहित महिलाएं अपने परिवार के कल्याण और मांगलमय के लिये प्रार्थना करती है। तीज त्यौहार भारत के अलावा अन्य देशो नेपाल, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब आदि राज्यों में बड़े उत्सव के साथ मनाते है। भारत में तीज त्यौहार सबसे अधिक महत्व दिया गया है। तीज त्यौहार में लड़कियां और महिलाएं व्रत रखती है और सोलह श्रृंगार करती है। सुहागन महिलाएं अपने पति के नाम का माथे में सिंदूर लगाती है। हाथो में चूड़ियां पहनती है और मेहदी लगाती हैं। कुंवारी लड़कियां पूजा करते हुए भगवान हाथ जोड़कर प्रार्थना करती है कि उनको भी अच्छा योग्य वर मिले और अपने मन की सारी बातें भगवान से हाथ जोड़कर करती है।तीज त्यौहार तीन प्रकार का होता है, हरियाली तीज, कजरी तीज और हरितालिका तीज है। हरियाली तीज के दिन महिलाये चंद्रमा की पूजा करती है और कजरी तीज के दिन महिलाएं नीम पेड़ की पूजा करती है और हरितालिका तीज को ही तीज का त्यौहार कहते है। उस दिन महिलाएं अपने पति के लिये व्रत रखती है। इस महीने में महिलाएं पूजा-पाठ करती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। हरितालिका तीज के त्योहार को महिलाएं बड़े उत्साहपूर्वक मनाती हैं। हरितालिका तीज का महिलाओं के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है, इस दिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों के द्वारा की जानी वाली पूजा से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। मुख्य रूप से तीज का त्योहार अच्छे और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिये कुंवारी लड़कियां उपवास रखती है। और ज्योतिषियों का कहना यह होता है कि जिन लड़कियों का विवाह नहीं हो पता है, उन लड़कियों को तीज के दिन उपवास रखना चाहिए और सच्चे मन से भगवान की पूजा-पाठ करना चाहिए। क्योंकि तीज के दिन पूजा-पाठ का करने का एक अलग ही विशेष महत्व होता है।

❖ कुमारी रिया

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

सीमा के पास चीनी सेना कर रही कंस्ट्रक्शन का काम, कैद हुई तस्वीरें

नयी दिल्ली (एजेंसी)। चीनी सेना की कंस्ट्रक्शन गतिविधियों का अरुणाचल प्रदेश में सीमा के पास चल रहे काम को कैमरे में कैद किया है, जिले के स्थानीय लोगों ने कंस्ट्रक्शन में काम आनेवाली मशीनों के काम करते हुए वीडियो बना ली हैं। चागलागम में हाडिगारा-डेल्टा 6 के पास चीन की सेना ये कंस्ट्रक्शन काम चला रही है। चागलाम के बारे में सूत्रों ने कहा कि यहां तक पहुंचने के लिए आम आदमी को करीब चार दिन का समय लग जाता हैं, वहीं भारत-चीन सीमा (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) के पास चागलाम भारत की आखिरी एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट है। कंस्ट्रक्शन के काम की यह वीडियो 11 अगस्त को बनायी गयी है। भारत-चीन सीमा के निकट स्थित शी योमी जिले के निवासी का कहना है कि एलएसी के पास चीन की बढ़ती कंस्ट्रक्शन गतिविधियां परेशानी का कारण बन रही है, इसलिए भारतीय सेना अब किसी को भी इंटरनेशनल सीमा की तरफ नही जाने देती, हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि भारत की ओर खड़ा किया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर बहुत कमजोर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा सड़क संगठन यहां धीमी गति से काम कर रहा है, जबकि चीन ने सीमा तक पहुंचने के लिए 4-लेन का रास्ता तैयार कर लिया है।

बीएसएफ ने घुसपैठ को नाकाम किया, पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है और जम्मू क्षेत्र के रणबीर सिंह पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि घटना 26-27 अगस्त की दरमियानी रात की है। प्रवक्ता ने कहा कि घुसपैठिया भारतीय सीमा में घुस गया और बाड़ की ओर बढ़ने लगा। जब सैनिकों ने उसे ललकारा तो उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आक्रामक तरीके से बाड़ की ओर बढ़ता रहा। प्रवक्ता ने कहा कि उस पर गोलियां चलाई गईं, जिसके बाद वह गेट के पीछे छिप गया, लेकिन सैनिकों ने गेट खोल दिया और उसे पकड़ लिया। पाकिस्तानी नागरिक की पहचान मोहम्मद शबद (45)के रूप में हुई। वह सियालकोट का रहने वाला है।

पढ़ाई करने विदेश नहीं जा पायेंगी अफगान छात्राएं

तालिबान सरकार ने काबुल छोड़ने पर लगाया बैन, सिर्फ छात्रों को देश छोड़ने की इजाजत

काबुल (एजेंसी)। तालिबान ने छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने पर बैन लगा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान ने छात्राओं को काबुल से कजाकिस्तान और कतर जैसे देशों में हायर एजुकेशन के लिए जाने से मना किया है। सिर्फ छात्रों को ही काबुल से बाहर जाने की इजाजत दी गयी है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद सबसे पहले तालिबान ने एजुकेशन सिस्टम में बदलाव करने शुरू किये। तालिबानी हुकूमत ने लड़कियों के लिए हाई स्कूल और कॉलेज बंद कर दिये थे। महिलाओं के विरोध के बाद क्लास छह तक स्कूल खोले गये। हाल ही में अफगानिस्तान के होम मिनिस्टर और तालिबान के को-डिप्टी लीडर सिराजुद्दीन हक्कानी ने हाई स्कूल खोलने का वादा किया था, लेकिन अब हायर एजुकेशन के खिलाफ नया फरमान जारी कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल से कुछ लड़के और लड़कियां पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहते थे। लेकिन लड़कियों को रोक दिया गया और लड़कों को जाने दिया गया।

लड़कों की तुलना में लड़कियों को कम भोजन : अफगानिस्तान में सत्ता काबिज करने के बाद तालिबान ने कहा था कि वो महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा आजादी देंगे, लेकिन पिछले एक साल में अफगानिस्तान में रहनेवाली महिलाओं की स्थिति दुनिया से छिपी नहीं है। यहां महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। परिवार की लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन मिल पा रहा है।

महिला अधिकारों को लगातार सीमित कर रहा है तालिबान

तालिबान ने काबुल पर कब्जा करने के बाद कहा था- हम 1996 के शासन की तरह इस बार महिलाओं के अधिकारों के साथ किसी कोई खिलवाड़ नहीं करेंगे। वे इस्लाम के दायरे में रहकर महिलाओं की शिक्षा और रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। लेकिन हर दिन तालिबान महिला अधिकारों को सीमित कर रहा है। चाहे वो स्कूल बंद करना हो, सरकारी दफ्तर के दरवाजे महिलाओं के लिए बंद करना हो। तालिबान अपने पुराने रूप में वापसी कर रहा है।

शराब घोटाले में एमसीडी-डीडीए की भूमिका की भी हो जांच : कांग्रेस

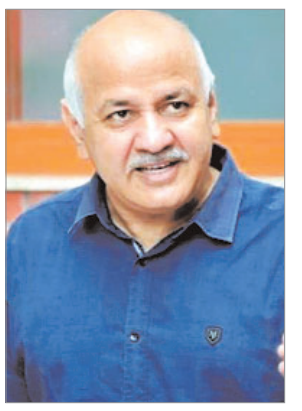

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने दिल्ली के शराब घोटाले को हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार बताते हुए शनिवार को कहा कि इस मामले में पिछले दो महीने से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया इधर-उधर की बातें खूब कर रहे हैं, लेकिन घोटाले को लेकर पूछे गये सवालों पर चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अजय माकन ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) को इस मामले में सिसोदिया की गहराई से जांच पड़ताल करने के साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की भूमिका की भी जांच करनी चाहिए।

उनका कहना था कि जब दिल्ली में शराब की दुकानें खुल रही थीं तो डीडीए तथा एमसीडी ने इस मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की। प्रवक्ता ने कहा कि आप दो महत्वपूर्ण मुद्दों स्वराज लाने और भ्रष्टाचार मिटाने को लेकर के सत्ता में आयी, लेकिन दिल्ली के रिहायशी इलाकों में शराब की दुकानें खोलकर उन्होंने अपने इन दोनों बुनियादी बातों को तार-तार कर दिया। कमाल यह है कि एमसीडी-डीडीए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के तहत आते हैं, लेकिन उसने इन शराब की दुकानों को सील करने का काम नहीं किया।

गुलाम नबी के इस्तीफे के बाद मनीष तिवारी भड़के, कहा -

मैं पार्टी का सदस्य हूं किरायेदार नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को सोनिया गांधी के नाम चिट्ठी लिखकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद राज्यसभा सांसद मनीष तिवारी ने अपनी पार्टी को फिर एकबार नसीहत देते हुए कहा कि जी-23 ने जो कांग्रेस सुप्रीमो को पार्टी की स्थिति को लेकर चिट्ठी लिखी थी, अगर उस पर ध्यान दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं आती। मनीष तिवारी ने कहा कि मैं इस पार्टी का किराएदार नहीं, बल्कि सदस्य हूं। उन्होंने कहा कि दो साल पहले हम में से 23

नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखा था और कहा था कि पार्टी की स्थिति चिंताजनक है और इस पर गंभीरता ध्यान दिया जाये। उस पत्र के बाद कांग्रेस सभी विधानसभा चुनाव हार गयी। अगर कांग्रेस और भारत एक जैसे सोचते हैं तो लगता है कि दोनों में से किसी एक ने अलग सोचना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि 1885 से मौजूद कांग्रेस पार्टी और भारत के बीच दरार आ गयी है। मुझे लगता है कि 20 दिसम्बर 2020 को सोनिया गांधी के आवास पर हुई बैठक में सहमति बन गयी होती तो यह स्थिति नहीं आती। कांग्रेस सांसद आगे कहते हैं कि गुलाम नबी आजाद के पत्र के गुण-दोष में मैं नहीं जाना चाहता। वह इसके बारे में समझाने की सबसे अच्छी स्थिति में होंगे।

सोनाली फोगाट हत्याकांड में पीएम समेत चार गिरफ्तार

- पीए सुधीर, दोस्त सुखविंदर को 10 दिन की पुलिस कस्टडी

फतेहाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार से भाजपा नेता और टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस ने कर्लीज क्लब के मालिक और एक ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में सुधीर सांगवान और सुखविंदर समेत चार की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने कर्लीज क्लब के बाथरूम से ड्रग्स भी बरामद किया है। इस बात की पुष्टि गोवा के आईजी ओमवीर बिश्नोई ने की है। कोर्ट ने सुखविंदर सिंह और सुधीर सांगवान को 10 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा है। इस बीच गोवा कांग्रेस भी पूरे मामले में पुलिस और भाजपा पर हमलावर हो गयी है। कांग्रेस की गोवा इकाई के नेता माइकल लोबो ने आरोप लगाया है कि पुलिस सोनाली फोगाट हत्याकांड को रफा-दफा करने की कोशिश कर रही है ऐसे में इस केस की सीबीआई जांच होनी चाहिए।

रेप-ब्लैकमेलिंग की जांच के लिए हरियाणा जायेगी गोवा पुलिस : सोनाली फोगाट मर्डर केस की जांच के लिए गोवा पुलिस की एक टीम हरियाणा आयेगी। गोवा के डीजीपी जसपाल सिंह ने बताया कि सोनाली के परिजन ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि सुधीर सांगवान ने तीन साल पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस दौरान सुधीर ने उसकी एक वीडियो बना ली थी। इस वीडियो के आधार पर ही सुधीर सोनाली को ब्लैकमेल करता था। सोनाली के परिजन ने आरोप लगाया था कि सुधीर ने धमकी दी थी कि अगर सोनाली ने यह बात किसी को बतायी तो वह उसका कैरियर खराब कर देगा।

सुधीर-सुखविंदर ने सोनाली को ड्रग्स देने की बात कबूली

गोवा के डीजीपी जसपाल सिंह के अनुसार सुधीर और सुखविंदर ने कबूल किया है कि उन्होंने 22 अगस्त की रात सोनाली को जबरदस्ती ड्रग दी। उन्हें लिक्विड में मिलाकर केमिकल दिया गया। ड्रग की ओवरडोज से सोनाली की तबीयत बिगड़ी तो दोनों उन्हें वॉशरूम में ले गये। दोनों सोनाली के साथ दो घंटे वॉशरूम में ही बैठे रहे।

गलती से बुलेट लेकर एयरपोर्ट पहुंचा टीचर, कोर्ट ने एक महीने तक बच्चों को एक्स्ट्रा क्लास देने की सुनाई सजा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक सरकारी स्कूल का टीचर गलती से अपने साथ लाइव कार्ट्रिज लेकर इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंच गया। एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959 के सेक्शन 25 के तहत इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुलिस स्टेशन पर एफआईआर दर्ज करायी गयी। मामले की सुनवाई के दौरान जज ने टीचर का पक्ष जानने के बाद एफआईआर को खारिज कर दिया और उसे बच्चों को एक्स्ट्रा क्लास देने की सजा सुनायी। दरअसल, टीचर ने एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान उसने कोर्ट को बताया था कि एयरपोर्ट पर उसके पास से जो कार्ट्रिज बरामद हुआ वह उसे 2008-09 में चमोली उत्तराखंड में सड़क पर पड़ा हुआ मिला था, जब वह स्कूल में पढ़ाई ही कर रहा था। तब से यह कार्ट्रिज उसके पास है और वह गलती से उसे एयरपोर्ट लेकर चला गया था। टीचर का पक्ष जानने के बाद जस्टिस जसमीत सिंह ने टीचर को आदेश दिया कि वह अपने स्कूल में एक महीने तक कमजोर बच्चों को एक्स्ट्रा क्लास में पढ़ायेंगे। जस्टिस ने डायरेक्टोरेट ऑफ एजुकेशन को इस इलाके के प्राइमरी क्लास के कमजोर बच्चों की लिस्ट बनाने का निर्देश दिया है। वहीं, स्कूल के प्रिंसिपल को भी कहा गया है कि वे स्कूल में एक कमरे की व्यवस्था करायें जहां पर रोजाना दो घंटे की एक्स्ट्रा क्लास लगायी जायेगी। इसमें सभी कोविड प्रोटोकॉल्स का पालन किया जाना जरूरी होगा। जज ने कहा कि एजुकेशन ऑफिसर और प्रिंसिपल को इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि आदेश का पालन हो रहा है।

सीएम के खिलाफ शिकायत पर राज्यपाल नहीं ले सकेंगे फैसला

- केरल में भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई से बचने के लिए सरकार ने राज्यपाल की शक्तियां की कम
- विधानसभा की विचार समिति ने लोकायुक्त संशोधन विधेयक को किया पारित

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के तिरुअनंतपुरम में भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई से बचने के लिए सरकार ने राज्यपाल की शक्तियां कम कर दी हैं। इस बारे में विधानसभा की विचार समिति ने लोकायुक्त संशोधन विधेयक को पारित कर दिया है। संशोधन के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर राज्यपाल के पास फैसला लेने का अधिकार नहीं होगा। यह अधिकार अब विधानसभा को दे दिया गया है। जबकि मंत्रियों के खिलाफ रिपोर्ट आने पर मुख्यमंत्री फैसला लेंगे और विधायकों के खिलाफ शिकायत का फैसला विधानसभा अध्यक्ष लेंगे। हालांकि, जनसेवक के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर अपीलीय अधिकारी कौन होगा, इसका फैसला नहीं हुआ है।

संशोधन विधेयक पर विधानसभा में होगी चर्चा : संशोधन विधेयक पर 29 अगस्त को विधानसभा में भी चर्चा होनी है। बता दें कि ये फैसला उस समय हुआ, जब खुद मुख्यमंत्री विजयन पर राज्य के फंड के दुरुपयोग का आरोप लगा। उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू के खिलाफ भी आरोपों सहित लोकायुक्त के समक्ष सरकारी अनियमितताओं के बारे में कई शिकायतें हैं। ऐसे में सरकार राहत खोजने में जुटी हुई थी। विश्लेषकों का मानना है कि विजयन को अपनी सदस्यता जाने का डर था, इसी कारण संशोधन लाये।

विपक्ष ने संशोधन को संविधान का उल्लंघन बताया

राज्य के कानून मंत्री पी राजीव ने इस कदम को सही ठहराते हुए कहा कि सरकार लोकायुक्त को न्यायिक प्रणाली के बजाय एक जांच तंत्र के रूप में देखती है। कोई भी जांच एजेंसी सजा तय नहीं कर सकती है। वहीं, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ है। ये संविधान का उल्लंघन है। साथ ही न्यायपालिका का भी।

राज्यपाल ने कहा- पारित बिलों पर नहीं करेंगे हस्ताक्षर : विधेयक पास होने के बाद सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव बढ़ सकता है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इस बारे में पहले ही वाम सरकार को चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि वह विधानसभा द्वारा पारित उन विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जो संविधान की भावना और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के खिलाफ जाते हैं।

न्यूज गैलरी

डॉ. मणिगोपा चक्रवर्ती को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

रांची। इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इकोलॉजी एंड एनवायरमेंट, कोलकाता ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग के मुख्य वैज्ञानिक सह यूनिवर्सिटी प्रोफेसर डॉ. मणिगोपा चक्रवर्ती को कृषि अनुसंधान एवं विकास में उनके विशिष्ट योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया है। उन्हें भरथियार विश्वविद्यालय, कोएम्बटूर (तमिलनाडु) में 22 से 24 अगस्त तक एनवायरमेंट एंड इकोलॉजी पर आयोजित 8वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर यह अवार्ड प्रदान किया गया। डॉ. मणिगोपा ने इस सम्मेलन में आनलाइन भाग लिया। कृषि वैज्ञानिक के रूप में शिक्षण और अनुसंधान का इन्हें 32 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। इन्होंने मक्का के 5 उन्नत प्रभेद जारी किया है। स्तरीय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में इनके 150 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हैं। वर्ष 2017-18 में इन्हें बीएयू के बेस्ट टीचर का अवार्ड मिल चुका है।

अष्टम वर्गीय जैक बोर्ड परीक्षा-2022 में विद्यालय के छात्र-छात्राओं का उम्दा प्रदर्शन

रांची। प्राचार्य अशोक प्रसाद सिंह सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रबन्धन समिति के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी। शनिवार को झारखण्ड अधिविद्द परिषद रांची द्वारा जारी अष्टम बोर्ड की परीक्षा में राजकीयकृत आदर्श मध्य विद्यालय के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर पंडरा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। विद्यालय से उक्त परीक्षा के दोनों टर्म की परीक्षा में शामिल होनेवाले 159 बच्चों में से सभी ने उत्कृष्टता के साथ उत्तीर्णता प्राप्त की है। 29 बच्चों ने तीनों टर्म -1, टर्म-2 और आंतरिक मूल्यांकन में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करते हुए तीन ए प्लस अर्थात एक्साइलेंट ग्रेड प्राप्त किया है ' वहीं 88 बच्चों ने उपर्युक्त दो प्रारूपों में ए प्लस एवं एक प्रारूप में ए ग्रेड प्राप्त कर डिस्टिंक्शन प्राप्त किया है। 38 बच्चों ने एक प्रारूप में ए प्लस और दो में ए ग्रेड वेरी गुड प्राप्त किया जबकि शेष 4 बच्चों ने तीनों प्रारूपों में अ ग्रेड प्राप्त किया है। सभी उत्तीर्ण बच्चों ने प्रथम श्रेणी के अंक 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है। प्राचार्य अशोक सिंह ने बच्चों की लगनशीलता, विद्यालय के प्रति लगाव और नियमित उपस्थिति तथा विद्यालय के शिक्षकों द्वारा जैक के परीक्षा प्रारूप पर नियमित अभ्यास तथा जे सी ई आर टी के मॉडल प्रश्नपत्रों पर केन्द्रित अध्ययन अध्यापन को अच्छे परीक्षाफल का आधार बताया है।

मरवाडी कॉलेज फोटोग्राफी प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

रांची। विगत 20 अगस्त को हुए मारवाड़ी कॉलेज का फोटोग्राफी एवं फिल्म निर्माण विभाग द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस प्रतियोगिता में अत्यंत खराब मौसम के बावजूद मारवाड़ी कॉलेज के 14 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। फोटो प्रतियोगिता का थीम था 'बरसात के मौसम मे जीवन'। सभी प्रतिभागियों को थीम समझा कर दो घंटे का समय दिया गया कि कॉलेज कॅम्पस या आस पास के क्षेत्र मे ही फोटोग्राफी करनी है और अपने बेस्ट 5 फोटो का सॉफ्ट कॉपी जमा करना है। सभी ने निर्धारित समय सीमा के अंदर तस्वीरें जमा कर दिया। कुल 14 प्रतिभागियों के 70 फोटो जमा हुए। सभी एक से बढ़ कर एक तस्वीरें थीं। सभी तस्वीरों को तीन निर्णायक मण्डल के सदस्यों ने 5 पॉइंट स्केल पर देख कर मार्किंग की। निर्णायक मण्डल मे स्वयं डॉ सुशील कुमार अंकन, लेंस आई के जगदीश सिंह अमृत और वरिष्ठ फोटोग्राफर निरंजन कुमार थे। प्रथम स्थान पर डीपीएफएम विभाग के बलराम मिश्र, दूसरे स्थान पर बैचलर ऑफ आर्ट्स के सत्यम कुमार, तीसरे स्थान पर बैचलर ऑफ आर्ट्स सिमेस्टर टू के कौशल ताम्रकार और दो सांत्वना पुरस्कार डीपीएफएम के अंशुमन शर्मा तथा तुर्तन धान के नाम आया।

उपायुक्त ने की विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक

मनरेगा अंतर्गत पुरानी योजनाओं को अभियान चलाकर पूर्ण करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में विकास योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय ब्लॉक अ स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में अपर समाहर्ता नक्सल, निदेशक राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा, परियोजना पदाधिकारी एवं सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), सांसद आदर्श ग्राम योजना, रूर्बन, जल जीवन मिशन, पेंशन आदि की समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में पुरानी योजनाओं को अभियान चलाकर पूर्ण करने एवं लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री पशुधन योजना एवं वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना में लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं की स्वीकृति करा कर उन्हें पूर्ण कराने का निदेश उपायुक्त द्वारा दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि गाँव में सोक पिट एवं नाडेप पिट का निर्माण कराएं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में तरल एवं ठोस कचड़ा प्रबंधन हो सके। हर घर नल जल योजना अंतर्गत राँची जिले में 55 गांव के सभी घरों में शत प्रतिशत पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की गई है, जिसका सत्यापन 15 दिनों के अंदर कराने का निदेश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया गया। उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा में आवास पूर्णता में लापुंग, मांडर, तमाड़, बुंडू और कांके प्रखण्ड में तेजी लाने का निदेश दिया। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को आवास पूर्णता के लिए एक्शन प्लान बनाकर आवास पूर्ण करवाने का निदेश दिया गया। उपायुक्त ने लंबित आवास वाले सभी पंचायत में संबंधित पंचायत सेवक और जनसेवक को लक्ष्य निर्धारित कर आवास पूर्ण करवाने का निदेश दिया। सांसद आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आदर्श ग्राम की मासिक प्रगति प्रतिवेदन से माननीय सांसद महोदय को भी अवगत कराएं। पेंशन योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त द्वारा पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर पेंशन स्वीकृति की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने शिक्षकों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा के द्वारा क्षितिज डेफ एंड डंब स्कूल, निवारनपुर में सभी शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही नेत्र दान विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए बच्चों के बीच एक पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई एवं विजयी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। सभी बच्चों को ड्राइंग कॉपी एवं रुमाल दिए गए। हॉस्टल में रहने वाले बच्चों की जरूरत को देखते हुए एक बड़ा बक्सा, 31 थाली, 25 प्लेट, 32 ग्लास, 3 कैसरोल, 5 डब्बे ,5 छोटे भगोने, 1 बड़ा कुकर, 1 परात, 1 चम्मच , 1 चिमटा, 22 कटोरी, 1लोटा, 1 मग एवं 2 टॉवल दिये गये। दो जरूरतमंद महिलाओं को गृहस्थ जीवन में आर्थिक सहयोग करने के लिए सिलाई मशीन दी गईं। सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गीता डालमिया, राष्ट्रीय संपादिका अलका सरावगी, शाखा अध्यक्ष नैना मोर, सचिव रीता केडिया, रेखा जैन, सीमा टांटिया, सुधा अग्रवाल और भारती अग्रवाल का योगदान रहा। इसकी खबर मीडिया प्रभारी अलका अग्रवाल ने दी।

बीएयू में स्नातकोत्तर कृषि शिक्षा के पुनर्गठित पाठ्यक्रमों का अनुमोदन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और परिषद के ब्रॉड सब्जेक्ट मैटर एरिया कमिटी द्वारा अनुमोदित 'स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों के पुनर्गठित और पुनरीक्षित पाठ्यक्रमों' के कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श एवं अनुशंसा देने के लिए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक शनिवार को सीनेट हॉल में हुई। बैठक में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के आलोक में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की जरूरतों के मद्देनजर विभिन्न मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रमों में आवश्यक संशोधन-परिवर्धन करते हुए उन्हें अद्यतन किया गया। नए पाठ्यक्रमों का फोकस अच्छे, विचारवान, सर्वगुण संपन्न और रचनात्मक मानव संसाधन तैयार करना है। परिवर्धित पाठ्यक्रमों में व्यक्तित्व और उद्यमिता विकास, वैज्ञानिक जिज्ञासा, साइंटिफिक टेंपर और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने के पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय विकास के मद्देनजर कृषि के छात्रों के लिए बेहतर रोजगार का परिदृश्य बने, इससे संबंधित सुधार भी पाठ्यक्रमों में किए गए हैं। कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि संबंधी शोध संस्थानों में शिक्षण, अनुसंधान के लिए आपसी तालमेल और आदान-प्रदान बढ़े यथा एतदर्थ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हो, इससे संबंधित प्रावधान भी नए पाठ्यक्रमों में रखे गए हैं। स्नातकोत्तर संकाय के अधिष्ठाता डॉ एमके गुप्त ने बताया कि कृषि संकाय के 13, पशु चिकित्सा संकाय के 15 तथा वानिकी संकाय के 3 विभागों के विभागाध्यक्षों ने संशोधित पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत किया, जिस पर देश के विभिन्न भागों से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन जुड़े 62 विषय विशेषज्ञों ने अपना मंतव्य दिया।

मारवाडी कॉलेज महिला विभाग में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को मारवाडी कॉलेज महिला विभाग में एलुमनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज व सामाजिक संस्था स्नेह फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान से पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत मडवाड़ी कोलेज महिला विभाग में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित किया गया एवं रांची नगर निगम, रांची के सहयोग से सैंकड़ो वृक्षों का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार, डॉ. महामनि, प्रो इंचार्ज डॉ. आरआर शर्मा, डीएसडब्लू डॉ. बीबी महतो, अनुभव चकवर्ती, प्रेम लता चौरसिया, एलुमनाई एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, सचिव शुभम मंत्री, स्नेह फाउंडेशन से आशुतोष द्विवेदी, राजीव रंजन, एलुमनाई प्रवक्ता राफिया नाज, आफताब जमील, अनुभव चक्रवर्ती, डॉ. अमित, डॉ. कृष्णकांत, डॉ. सुनीति नायक,डॉ. रीना माथुर, गोपाल सिंह तथा राहुल दुबे ने संयुक्त रूप से कहा धन से ज्यादा जरूरी पर्यावरण संरक्षण है क्योंकि धन तत्काल प्रभाव से कमाया जा सकता है जबकि एक पौधों को पेड़ बनने में वर्षो का समय लगता है। अंत में एलुमनाई अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने वितरण किये गए पेड़ों को अपने पूर्वजों के नाम पर लगा कर संरक्षण करने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरभि, पूजा, श्रवण, सौरभ आदि लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्री श्याम मंदिर का 25वां भंडारा हुआ संपन्न, भक्तगण भगवान की आराधना में डूबे रहे

पूरा मंदिर परिसर खाटू नरेश की जय-जयकारों से गूंज रहा था

नवीन मेल संवाददातमा

रांची। जय जय जय खाटू के वासी जय जय बाबा श्याम शरणागत हम आए आपके दर्शन हमको दे दो श्याम हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर शनिवार को प्रातः श्रृंगार आरती के बाद भोग के समय भक्तगण ताली बजाकर इस भजन का गायन कर रहे थे। पूरा मंदिर परिसर खाटू नरेश की जय जयकारों से गूंज रहा था। भाद्र अमावस्या के अवसर पर खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान का मंडल के मंत्री श्री श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में आचार्य श्री अनूप दाधीच, आचार्य श्री रत्नाकर शर्मा व मंदिर के आचार्यों ने खाटू नरेश को दूध, दही, शहद, गंगाजल, चीनी, सुगंधित जल गंगाजल से स्नान कराया एवं मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं को नए वस्त्र धारण करवाए। सुगंधित इत्र से बाबा श्याम का विषेश मसाज किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब एवं सुगंधित रजनीगंधा फूलों की मोटी मालाओं से खाटू नरेश वह सभी देवी देवताओं को सजाकर पंचमेवा, काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश, अंजीर व फल का भोग समर्पित किया गया। श्री नारसरिया ने बताया कि एक भक्त परिवार ने श्रृंगार पंचमेवा फल की सेवा बाबा श्याम को समर्पित की। हरमू रोड के श्री सुरेश कयाल ने वस्त्र सेवा निवेदित की आज प्रातः से ही बड़ी संख्या में भक्तों ने श्री श्याम मंदिर पहुंचकर बाबा के दरबार में अपना माथा टेका। सुख समृद्धि की कामना निवेदित की। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर शनिवार को 25वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देखरेख में संपन्न हुआ। विगत शुक्रवार से भंडारे का प्रसाद को निर्मित किया जा रहा है। आज के भंडारे में केसरिया खीर, आलू चॉप, पूरी, आलोचना की मिक्स सब्जी। हरमू रोड निवासी विजयाश्री साबू ने चना गुड़ प्रसाद की सेवा निवेदित की। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद प्राप्त करने के लिए भक्तों की लंबी-लंबी लाइन लगी रही। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के सानिध्य में सर्व विश्वनाथ नर्सरिया, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू , श्रवण तोदी, विशांत तोदी, पंकज गाड़ोदिया, राजकुमार केडिया, चंडी प्रसाद डालमिया, सविता चौधरी, पूर्व सांसद अजय मारू, अमित अनूप दाधीच, निखिल नारनौली, रोशन खेमका, विशाल पोद्दार, सहित 90 से ज्यादा स्वयंसेवकों कार्यकर्ताओं ने श्री श्याम भंडारा वितरण में अपना सहयोग दिया। मंगलवार को मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर 15 श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन मंगलवार को 4:30 बजे से श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में होगा। किशोर गंज निवासी प्रदीप पोद्दार कुसुम देवी पोद्दार, आयोजन किए हैं। श्री माधव लौंडिया के द्वारा प्रसाद सेवा एवं श्री श्रवण द्वारा प्रसाद सेवा निवेदित की जाएगी। यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

पृष्ठ एक के शेष

न्यायमूर्ति यूयू ललित बने भाजा के 49वें मुख्य...

गया था। वह दो कार्यकालों के लिए उच्चतम न्यायालय कानूनी सेवा समिति के सदस्य रहे और 13 अगस्त 2014 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए। भारत के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति एनवी रमना करीब 16 महीनों तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहने के बाद 26 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गये। न्यायमूर्ति ललित के बाद न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ के भारत का 50वां मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना है। ऐसे में वह करीब दो साल तक भारत के मुख्य न्यायाधीश रह सकते हैं।

ट्रैक पर हाथियों के झुण्ड को देख लोको पायलट ने...

हो जाएगा। वहीं वन्य जीव प्रेमी गोविन्द पाठक ने दोनों लोको पायलट को सम्मानित किये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से अन्य पायलटों को भी हाथियों को बचाने का प्रयास करने की प्रेरणा मिलेगी। विदित हो कि इस क्षेत्र में ट्रेन से कटकर पूर्व में कई हाथियों व अन्य जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है और इस क्षेत्र से गुजरते वक्त रेल गाड़ियों की गति सीमा तय की गई है ताकि वन्य जीवों की जान बचाई जा सके।

कारोबारी अमित अग्रवाल, प्रेम प्रकाश व राजीव से ईडी ने की पूछताछ...

कुमार के संपर्क में कैसे आये थे। ईडी ने राजीव कुमार की गिरफ्तारी के संबंध में, गिरफ्तारी के पूर्व राजीव कुमार के संपर्क में आने, कब-कब बातचीत हुई, मध्यस्थता किसने की, इन पहलुओं पर पूछताछ की। हालांकि, अमित अग्रवाल ने इन सवालों के जवाब में क्या कहा, इसका खुलासा एजेंसी ने नहीं किया है। ईडी ने इस मामले में राजीव कुमार से भी काउंटर सवाल किये। बताया जाता है कि एजेंसी ने दोनों को आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की।

प्रेम प्रकाश से भी मनी लाउंड्रिंग के पहलुओं पर पूछताछ : जानकारी के मुताबिक, प्रेम प्रकाश से भी ईडी ने अवैध खनन, शराब कारोबार से हुई अवैध कमाई की मनी लाउंड्रिंग के पहलुओं पर पूछताछ की। वहीं, अधिवक्ता राजीव कुमार की गिरफ्तारी में भी पीपी की भूमिका पर ईडी पड़ताल कर रही है।

जुलाई महीने में सीएम आवास में लगायी गयी थी ड्यूटी : प्रेम प्रकाश के हरमू स्थित आवास से एके 47 की बरामदगी के मामले में ईडी ने जांच में पाया है कि जुलाई महीने के आखिरी सप्ताह में आरक्षी मुकेश व श्यामल की तैनाती सीएम के हाउस गार्ड के तौर पर की गयी थी। ईडी यह पड़ताल कर रही कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि सीएम हाउस के नाम पर वह प्रेम प्रकाश के साथ रह कर ही ड्यूटी कर रहे थे। इस संबंध में ईडी ने रांची के सार्जेंट मेजर से भी पूछताछ की है। वहीं, जवानों का बयान भी दर्ज कराया जायेगा।

सदस्यता गयी तो प्रदेश अध्यक्ष...

उस विलय को तब चुनाव आयोग ने भी मंजूरी दी थी।

क्यों प्रदेश अध्यक्ष बनाने के संकेत : साल 2020 के फरवरी महीने में दीपक प्रकाश को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। दो सालों से अधिक का दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा हो चुका है। हाल ही में यूपी, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं। झारखंड में भी साल 2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव के पहले बाबूलाल को पार्टी सशक्त चेहरे के तौर पर देख रही है। आदिवासी व गैर आदिवासियों के बीच जनप्रिय होने के कारण बाबूलाल मरांडी पर पार्टी दांव खेल सकती है। यही वजह है कि प्रदेश में संगठन को मजबूत व एकजुट करने के लिए पार्टी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके नेतृत्व में ही झारखंड में अगामी चुनावों की तैयारी की पार्टी की योजना है।

राष्ट्र सर्वोपरि विचार को जन-जन तक...

की लोककल्याण की योजनाओं को भी जन जन तक पहुंचाना है। वहीं, अध्यक्षीय संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा की राजनीतिक यात्रा में प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो मंडल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक अद्भुत आध्यात्मिक चेतना से युक्त स्थल पर हो रहा है जो कार्यकर्ताओं में नयी ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 सत्रों में आयोजित है जिसमे वैचारिक पक्ष, सैद्धांतिक अधिष्ठान, देश की सुरक्षा, आत्मनिर्भर भारत, केंद्र सरकार की उपलब्धियों सहित कई विषयों पर चर्चा होगी। विषय के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह वर्ग कार्यकर्ताओं के लिए रिफ्रेशर कोर्स भी है और सीखने के अवसर भी हैं।

नवनियुक्त संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह का स्वागत : प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में भाजपा झारखंड के नवनियुक्त संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह का स्वागत व अभिनंदन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक प्रकाश ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर नये संगठन महामंत्री का अभिनंदन किया। प्रशिक्षण शिविर का विधिवत उद्घाटन महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन, वंदे मातरम् गान के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व मुख्यमंत्री एवम नेता विधायक दल बाबूलाल मरांडी, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री वी सतीश, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, मनोज सिंह, उपस्थित थे। संचालन प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, निर्भय शहाबादी, सुभाषचंद्र सिन्हा, श्यामा प्रसाद, अशोक उपाध्याय, सुरेश साव, चुन्नू कांत, दिनेश प्रसाद यादव ने किया। प्रशिक्षण शिविर में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद, सांसद पीएन सिंह, यदुनाथ पांडेय, सांसद सुनील सिंह, महामंत्री सांसद आदित्य साहू, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, विरंची नारायण, भानु प्रताप शाही, नवीन जायसवाल, केदार हाजरा, नारायण दास सहित प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, विभाग, प्रकोष्ठ, प्रकल्प के संयोजक, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष शामिल हैं। प्रशिक्षण वर्ग के पहले दिन शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री वी सतीश, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग के सदस्य हेमंत गोस्वामी ने संबोधित किया।

हॉर्टिकल्चर कॉलेज के छात्रों को बीएयू कुलपति ने एजुकेशनल टूर पर किया रवाना, कहा-

बागवानी के लिए झारखंड प्रदेश की जलवायु काफी उपयुक्त है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अधीन राज्य में संचालित एकमात्र कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर के छात्रों को शनिवार को कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने एजुकेशनल टूर के लिए बैंगलोर रवाना किया। कुलपति ने छात्रों को मंगलमय यात्रा की शुभकामना दी। कहा कि बागवानी के लिए झारखण्ड प्रदेश की जलवायु काफी उपयुक्त है। इस क्षेत्र में प्रदेश में काफी संभावनाएँ एवं अवसर मौजूद है। अपने 5 दिवसीय एजुकेशनल टूर के दौरान छात्र अभिनव एवं लाभकारी तकनीकी का बारीकी से अध्ययन करें। भ्रमण में प्रत्यक्ष देखी गई तकनीकी एवं लाभप्रद जानकारियों को डायरी में कलमबद्ध जरूर करें। देश के राष्ट्रीय संस्थानों का यह भ्रमण छात्रों के लिए बहुउपयोगी साबित होगी। इस टूर में कॉलेज के दुसरे सत्र 2019-20 के छठे सेमेस्टर के 37 छात्राओं एवं 12 छात्रों सहित कुल 49 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस दौरान छात्र यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चरल साइंसेज बगालकोट तथा बैंगलोर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चरल साइंसेज, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एवं लालबाग बोटनिकल गार्डन में मौजूद विभिन्न उद्यानिक प्रजाति के प्रायोगिक क्षेत्र, अनुसंधान केंद्र एवं लेबोरेटरी का भ्रमण करेंगे। छात्र दल का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन कॉलेज के शिक्षक डॉ अर्केंदु घोष एवं डॉ अदिति गुहा चौधरी करेंगे। मौके पर एसोसिएट डीन डॉ पीबी साहा एवं अन्य शिक्षकगण भी मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

सात्विक-चिराग ने जीता ऐतिहासिक पदक

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युवा पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मलेशिया के ऐरोन चिया और सोह वूई यिक के हाथों 2-1 से हारने के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत का पहला पुरुष एकल पदक है। छठी सीड मलेशियाई जोड़ी ने सातवीं सीड भारतीय जोड़ी को 20-22, 21-18, 21-16 से हराया। सात्विक-चिराग ने मैच की अच्छी शुरूआत करते हुए पहला गेम 22-20 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में उनके मलेशियाई प्रतिद्वंदियों ने अच्छी वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भारतीय युगल 8-6 से आगे चल रहे थे, मगर चिया-सोह ने लगातार तीन पॉइंट बनाते हुए 9-8 की बढ़त ली और फिर इसी में इजाफा करते हुए फाइनल में जगह बनायी। अब तक सात्विक-चिराग और चिया-सोह छह बार आमने-सामने आ चुके हैं, जहां हर बार मलेशियाई जोड़ी ने जीत हासिल की है। सात्विक-चिराग इस हार के बावजूद कांसे का तमगा जीतकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय जोड़ी और पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गये हैं। इससे पहले अश्विनी पोनप्पा और ज्वाला गुट्टा की महिला युगल जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप 2011 में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

एसपीएन को यूएस ओपन का एक्सक्लूसिव टेलीविजन व डिजिटल अधिकार मिला

मुंबई (एजेंसी)। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएन) ने अगस्त 2022 से यूएस ओपन का प्रसारण करने के लिए त्रिवर्षीय समझौता पर हस्ताक्षर किया है, जिससे इस ब्रॉडकास्टर को 2022-24 के बीच वैश्विक खेल का विशेष मीडिया अधिकार (टीवी और डिजिटल) प्राप्त हुआ है। यूएस ओपन के 2022 रिप्ले को भारतीय उपमहाद्वीप-पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और मालदीव में एसपीएन के खेल चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। मैच को उनके ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनीलिव पर लाइवस्ट्रीम किया जाएगा। इस वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम, 2022 यूएस ओपन, 29 अगस्त 2022 से 11 सितंबर 2022 तक होगा। 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड-गैरोस के सफलतापूर्वक प्रसारण के बाद, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया उस सफलता को दोहराना चाहता है। विशेष टूर्नामेंट के 142वें एडिशन का लाइव कवरेज 29 अगस्त 2022 को एसपीएन के खेल चैनलों पर रोजाना शाम 7:30 बजे शुरू होगा। भारत में पहली बार ब्रॉडकास्टर सोनी सिक्स, सोनी टेन 2 (अंग्रेजी), सोनी टेन 3 (हिंदी), और सोनी टेन 4 (तमिल और तेलुगु) चैनलों पर चार भाषाओं में इस विशाल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा।

अंडर -17 महिला विश्व कप 2022 की मेजबानी करेगा भारत

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल ने एआईएफएफ को किया निलंबन मुक्त

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से तत्काल प्रभाव से निलंबन हटा लिया है। जिसके बाद फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 का आयोजन भारत में तय कार्यक्रम के अनुसार (11-30 अक्टूबर 2022 तक) ही होगा। फीफा ने एक बयान में कहा कि परिषद के ब्यूरो ने 25 अगस्त, 2022 को एआईएफएफ के निलंबन को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया। इसके परिणामस्वरूप, 11-30 अक्टूबर तक फीफा अंडर -17 महिला विश्व कप 2022 भारत में योजना के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। फीफा ने कहा कि एआईएफएफ के कामकाज को संचालित करने के लिए नियुक्त तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति की बर्खास्तगी और एआईएफएफ प्रशासन द्वारा संघ के दैनिक मामलों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने की पुष्टि होने के बाद इस बात का निर्णय हुआ है। कृपया ध्यान दें कि फीफा और एएफसी स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे और समय पर चुनाव आयोजित करने में एआईएफएफ का समर्थन करेंगे।

एआईएफएफ ने गोकुलम केरल एफसी से माफी मांगी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गोकुलम केरल एफसी के एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप से बाहर होने पर शनिवार को क्लब से माफी मांगी। उल्लेखनीय है कि फीफा ने 16 अगस्त को एआईएफएफ में 'तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप' का हवाला देते हुए भारतीय फुटबॉल को निलंबित कर दिया था, जिसके वजह ये भारत की सभी फुटबॉल टीमें फीफा और एएफसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य हो गयी थीं। उच्चतम न्यायालय ने इसकी सनद लेते हुए 22 अगस्त को एआईएफएफ के संचालन के लिए गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) को भंग किया और एआईएफएफ का कार्यभार महासंघ के महासचिव सुनंदो धर को सौंप दिया। नतीजतन, फीफा ब्यूरो ने 26 अगस्त को भारतीय फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटाने की घोषणा की। एआईएफएफ ने गोकुलम केरल से माफी मांगते हुए ट्वीट किया कि एआईएफएफ से फीफा का निलंबन हटाए जाने के बाद भारतीय फुटबॉल पटरी पर लौट आया है। एक तरफ जहां हम स्थिति बदलने से खुश हैं, वहीं हम निलंबन के कारण एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप से गोकुलम केरल एफसी के बाहर होने पर बेहद निराश हैं। एआईएफएफ ने एक अन्य ट्वीट में कहा गया कि यह पिछले 11 दिनों में भारतीय फुटबॉल महासंघ का सबसे बड़ा खराब दौर रहा और भारतीय फुटबॉल उन प्रतिभावान लड़कियों से क्षमाप्रार्थी है जिन्होंने इस आयोजन के लिये कड़ी मेहनत की थी।

एशिया कप: पाक के खिलाफ मुकाबले को तैयार भारत

अबू धाबी(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को दुबई में कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने एशिया कप खिताब की रक्षा के लिए तैयार है। अब तक, दोनों टीमों के बीच 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं, जिसमें से भारत ने सात मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ दो में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच आखिरी बार आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के दौरान मैच खेला गया था, जिसमें भारत को दस विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भारतीय शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए 2 विकेट लिए थे। तत्कालीन कप्तान विराट कोहली (57) और ऋषभ पंत (39) के योगदान ने भारत को अपने 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 151रनों तक पहुँचाया, लेकिन मोहम्मद रिजवान (79 *) और पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम (68 *) की बेहतरीन पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने यह मैच 10 विकेट से जीता।

लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग है। भारतीय टीम वर्तमान में शानदार फॉर्म में है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय और टी20ई श्रृंखला में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज

को उनके घरों में मात दी है। टीम टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर भी है।

पाकिस्तान के खिलाफ यह मैच कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होगा। भारतीय प्रशंसक चाहेंगे कि ये तीनों बल्लेबाज अपने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करें और टीम को जीत दिलाएं, विशेषकर सभी की निगाहें रोहित और विराट पर होंगी कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करें और मैच जिताने वाली पारी खेलें।

भारत के मध्य क्रम में नए सितारों का उदय हुआ है। सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा दो रोमांचक स्ट्राइकर हैं जो पहली गेंद से ही आक्रमण कर सकते हैं। इन दोनों हिटरों के पास इस मैच में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने का मौका है। हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज भी अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में काफी गहराई है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सभी की निगाहें भुवनेश्वर कुमार पर होंगी जो आक्रमण की अगुवाई करेंगे। वह इस साल टी 20 आई में भारत के लिए शानदार रहे हैं, खासकर पावरप्ले के दौरान। यंगस्टर्स अर्शदीप सिंह और अवेश खान के पास भी प्रभाव डालने का मौका होगा।

स्पिन विभाग में अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्हें युजवेंद्र चहल और युवा रवि बिश्नोई के साथ आक्रमण को अच्छी तरह से पूरा करना होगा और अपनी गेंदों से पाकिस्तानियों को परेशान करना होगा।

पाकिस्तानी टीम की बात करें तो वे आईसीसी टी-20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और उन्हें हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उनके शीर्ष क्रम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के रूप में दो इन-फॉर्म बल्लेबाज हैं। जहां तक टी20 का संबंध है, ये दोनों पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन पक्ष को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे केवल उन पर ही आधारित न रहें।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, दीपक हुड्डा, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, आवेश खान।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रउफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, हसन अली, नसीम शाह, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर, मो. हसनैन।

15 साल की लिंथोई ने रचा इतिहास

वर्ल्ड कैडेट जूडो चैंपियनशिप में ब्राजीली खिलाड़ी को हरा कर जीता गोल्ड मेडल

साराजेवो (एजेंसी)। मणिपुर की जूडो खिलाड़ी लिंथोई चिकमाबेम ने इतिहास रच दिया है। उसने वर्ल्ड जूडो चैंपियनशिप में देश को पहला गोल्ड दिलाया है। यह मेडल अंडर-18 एज ग्रुप के विमेंस 57 किग्रा वेट कैटेगरी में आया है। 15 साल की लिंथोई ने फाइनल मुकाबले में ब्राजील की बियांका रीस को हराया है। वे किसी भी एज ग्रुप की वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतनेवाली पहली भारतीय जूडोका बनी हैं। लिंथोई ने आखिरी सेकंड में 1-0 से फाइनल मुकाबला जीता है। उन्होंने वाजारी से मुकाबले की शुरूआत की और बढ़त बनाई। बता दें कि इसी महीने बर्मिंघम में आयोजित किए गए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी भारतीय जूडोकाओं ने शानदार प्रदर्शन किया था। वहां जूडो में भारत को 3 मेडल जीते थे। इनमें 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल हैं। लिंथोई ने लगातार चार जीत के

साथ फाइनल में जगह बनाई है। तब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी थीं। लिंथोई टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम का हिस्सा हैं। वे बेरूत (लेबनान) में एशिया-ओशियाना कैडेट जूडो चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने एशियाई कैडेट और जूनियर जूडो चैंपियनशिप 2022 में गोल्ड भी हासिल किया। लिंथोई ने 2017 में सब-जूनियर नेशनल और 2021 में नेशनल कैडेट जूडो चैंपियनशिप में एक-एक गोल्ड जीते हैं।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग खिताब जीता

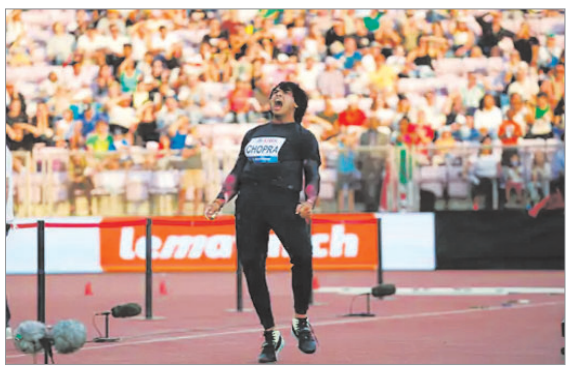

लुसाने (एजेंसी)। ओलिंपिक चैंपियन जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में इतिहास रच दिया है। चोपड़ा ने अपने पहले ही थ्रो में 89.08 मीटर दूर जैवलिन फेंककर जीत दर्ज की। इसके साथ ही वे डायमंड लीग मीटिंग खिताब जीतनेवाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने डायमंड लीग फाइनल के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। यह 7 और 8 सितम्बर को

■ 89.08 मीटर दूर भाला फेंका, लीग जीतनेवाले पहले भारतीय बने

स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होगा। वे अगले साल होनेवाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर गए हैं। नीरज चोपड़ा को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जेवलिन फाइनल के दौरान चोट लगी थी। वे अपनी जांघ पर पट्टी लपेटते भी नजर आए थे। तब भी उन्होंने 88.13 मीटर दूर जेवलिन फेंककर सिल्वर मेडल जीता था। वर्ल्ड एथलेटिक्स इवेंट के बाद नीरज चोपड़ा का एमआरआई स्कैन हुआ था, जिसमें ग्रोइन एंजरी की बात पता लगी। ऐसे में नीरज चोपड़ा को एक महीने के आराम की सलाह दी गई। इसके चलते वे कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे। तब उन्होंने एक पोस्ट लिखकर कहा था कि वे निराश हैं कि कॉमनवेल्थ की ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा नहीं थाम पाएंगे।

स्टॉकहोम डायमंड लीग में बनाया था नया रिकॉर्ड : नीरज चोपड़ा ने स्टॉकहोम में हुई डायमंड लीग में 89.94 मीटर के थ्रो के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। यह उनका पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड भी था। वैसे तो नीरज चोपड़ा ने देश को कई मेडल दिलाए हैं। उनके पास सभी बड़े टूर्नामेंट के मेडल हैं।

भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक मैच है: गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एशिया कप-2022 की शुरुआत से पहले कहा है कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक मैच है और भारतीय टीम के पास दबाव से निपटने का अनुभव है। बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच सिर्फ एक और मैच है। ऐसे मैच हम नियमित रूप से खेलते हैं... या जब मैं खेलता था तो मैं पाकिस्तान के साथ मैच को कोई खास मैच नहीं मानता था।

बीसीसीआई के अध्यक्ष ने कहा कि नॉकआउट मैचों में अतिरिक्त दबाव रहता था, लेकिन ग्रुप लीग में ऐसा कोई दवाब नही था। गांगुली ने एशिया कप में पसंदीदा टीम को लेकर कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के पास किसी भी दबाव की स्थिति से निपटने का पर्याप्त अनुभव है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे किसी भी दवाब से निपटना बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। यह उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। गांगुली ने विराट कोहली की फॉर्म के बारे में कहा कि विराट बहुत बड़ा खिलाड़ी है। उनके पास रन बनाने का अपना एक फॉर्मूला है। वह बहुत जल्द अपनी पुरानी फॉर्म में आयेंगे। हम सभी को यही आशा है। उन्होंने विश्व कप और एशिया कप में भारत की संभावना पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि आने वाले विश्व कप में भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा।

विराट ने स्वीकार की मानसिक कमजोरी की बात

10 साल में पहली बार एक महीने तक बैट नहीं छुआ, दिमाग ब्रेक के लिए कह रहा था

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया कि खराब फॉर्म से गुजरते हुए वह मानसिक तौर पर थोड़े कमजोर हुए थे। कोहली एशिया कप से वापसी कर रहे हैं और वह 41 दिन के आराम के बाद मैदान में उतरेंगे। कोहली ने खुलासा किया है कि उन्होंने 10 साल में पहली बार एक महीने तक अपने बैट को टच तक नहीं किया। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट करियर में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। इस बात को वह भी कई बार समझ चुके हैं कि फैंस निराश हैं और अब उन्हें रन बनाने ही होंगे। ढाई साल से ज्यादा वक्त हो गया है, लेकिन कोहली के बल्ले से शतक नहीं आया। वह छह महीनों से एक इंटरनेशनल फिफ्टी भी नहीं लगा सके हैं।

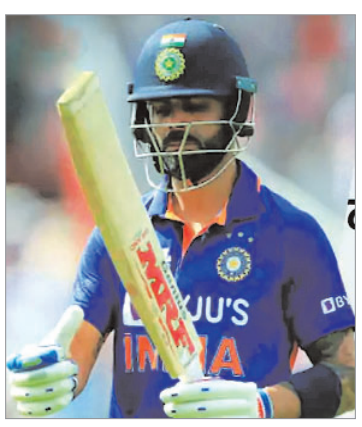

आखिरी वनडे में फ्लॉप रहे थे विराट : विराट कोहली एशिया कप से वापसी कर रहे हैं और वह 41 दिन के आराम के बाद सीधे पाकिस्तान से मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेंगे। यह मैच रविवार (28 अगस्त) को खेला जायेगा। हालांकि, यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा रिस्क भी हो सकता है। कोहली ने पिछला मैच 17 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे खेला था। उस मैच में भी कोहली 22 बॉल खेलकर सिर्फ 17 रन ही बना सके थे।

दिमाग भी मुझसे ब्रेक लेने के लिए कह रहा था : कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले स्टार स्पोर्ट्स से बात की। ब्रॉडकास्टर ने कोहली का यह वीडियो शेयर किया, जिसमें कोहली ने कहा, '10 साल में पहली बार है, जब मैंने एक महीने तक अपने बैट को टच तक नहीं किया। मुझे यह अहसास हुआ कि मैं अपनी इंटेंसिटी को थोड़ा गलत समझ रहा था। मैं अपने आप को समझा रहा था कि आप में इंटेंसिटी है। मगर आपकी बॉडी आपसे रुकने के लिए कह रही थी। दिमाग भी मुझसे ब्रेक लेने और कदम पीछे खींचने के लिए कह रहा था।

वक्त ने मुझे काफी कुछ सिखाया

पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने कहा, 'मुझे हमेशा ही ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो दिमागी तौर पर काफी मजबूत है। मैं ऐसा हूं, लेकिन हर किसी की एक लिमिट होती है और आपको उस लिमिट को पहचानने की जरूरत होती है। अन्यथा चीजें आपके लिये गलत हो सकती हैं। इस वक्त ने मुझे काफी कुछ सिखाया है, जिन्हें मैं समझ नहीं पा रहा था। यह चीजें जब आयीं, तो मैंने उन्हें स्वीकार किया।'